इस बार विधानसभा चुनाव जीतकर... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

रकुल प्रीत ने खोली बॉलीवुड में... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 01, अंक - 307 | गाजियाबाद / रविवार 08 फरवरी 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

भारत पर अमेरिकी एक्स्ट्रा टैरिफ खत्म, बड़ी उपलब्धि

गोयल बोले-अमेरिका में भारतीय कृषि उत्पादों पर जीरो ड्यूटी

किसानों-मछुआरों को बड़ा फायदा होगा, आखिर बन गई बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉमर्स मिनिस्टर पीयूष गोयल ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के फ्रेमवर्क की घोषणा की तारीफ की। उन्होंने बताया कि भारतीय कृषि उत्पाद अमेरिका में जीरो टैरिफ पर निर्यात किए जाएंगे, जबकि अमेरिका के कृषि उत्पादों को भारत में कोई टैरिफ छूट नहीं दी गई है। पीयूष गोयल ने साफ किया कि इस समझौते में जेनेटिकली मॉडिफाइड फूड को भारत में प्रवेश की अनुमति नहीं मिली है। उन्होंने कहा- यह समझौता भारतीय निर्यातकों के लिए 30 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 27.18 लाख करोड़ रुपये) के बाजार को खोलेगा। इसके अलावा भारत ने अगले 5 साल में अमेरिका से 50 हजार करोड़ डॉलर (45 लाख 30 हजार करोड़ रुपये) के उत्पाद खरीदने पर सहमति जताई है। भारत और अमेरिका ने शुक्रवार को अंतरिम व्यापार समझौते का फ्रेमवर्क जारी किया है। इसके तहत भारतीय सामान पर अमेरिका का टैक्स 50 फीसदी घटाकर 18 फीसदी कर दिया गया है। रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर लगाया गया 25 फीसदी अतिरिक्त टैक्स भी हटा लिया गया है।

भारत-अमेरिका बाजार पहुंच, सप्लाई चेन को मजबूत करेंगे

समझौते में साफ किया गया है कि भारत में जेनेटिकली मॉडिफाइड खाद्य पदार्थों को अनुमति नहीं दी जाएगी। मसाले, चाय, कॉफी, नारियल तेल, काजू, एवोकाडो, केला, आम, अनानास, मशरूम जैसे कई फल-सब्जियां और कुछ बेकरी उत्पाद भी अमेरिका में जीरो टैरिफ पर निर्यात हो सकेंगे। यह द्विपक्षीय व्यापार समझौता 2030 तक भारत-अमेरिका व्यापार को 50 हजार करोड़ डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखता है। दोनों देशों ने कहा कि इस फ्रेमवर्क को जल्द लागू किया जाएगा और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में बातचीत आगे बढ़ेगी। भारत-अमेरिका के संयुक्त बयान के मुताबिक, यह फ्रेमवर्क 13 फरवरी 2025 को शुरू हुई भारत-अमेरिका वार्ता को आगे बढ़ाएगा। इस समझौते में आगे चलकर बाजार पहुंच, सप्लाई चेन को मजबूत करने और ट्रेड बैरियर कम करने जैसे प्रावधान शामिल होंगे।

नॉन-टैरिफ बाधाओं को दूर करेंगे दोनों देश

पीयूष गोयल ने बताया कि दोनों देशों ने फैसला किया है कि वे इसके कुछ नियम तय करेंगे, ताकि इस समझौते का लाभ मुख्य रूप से अमेरिका और भारत को ही मिले, न कि किसी तीसरे देश को। भारत और अमेरिका का इस व्यापार समझौते में नॉन-टैरिफ बैरियर्स को दूर करने पर खास फोकस है। ये बाधाएं टैरिफ नहीं होतीं, लेकिन व्यापार को मुश्किल बनाती हैं। अमेरिकी मेडिकल डिवाइसेस कंपनियों को भारत में कीमत तय करने के नियम, रजिस्ट्रेशन में देरी जैसी रुकावटों का सामना करना पड़ा रहा था। भारत ने वादा किया है कि इन लंबे समय से चली आ रही बाधाओं को दूर करेगा, ताकि अमेरिकी मेडिकल डिवाइस आसानी से भारत में बिक सकें। इससे भारतीय अस्पतालों और मरीजों को बेहतर और सस्ती अमेरिकी तकनीक मिल सकती है। अमेरिकी उत्पाद के आयात के लिए भारत में लाइसेंस की प्रक्रिया बहुत जटिल और समय लेने वाली थी। भारत ने सहमति जताई है कि इन लाइसेंस प्रक्रियाओं को आसान और तेज करेगा।

22 भाषाओं में बोलेगा भारत का देसी एआई, मॉडल तैयार!

● खेती-किसानी की समस्याओं का भी मिलेगा समाधान, इसी महीने आएगा टेक्स्ट वर्जन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार देश का अपना आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस मॉडल तैयार कर रही है। देश के पहले सरकारी और देसी सॉवरेन एआई मॉडल, भारत जेनएआई के तहत बनने वाले टेक्स्ट आधारित एआई मॉडल का काम इसी महीने पूरा कर लिया जाएगा। यह जानकारी केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा में दी है। उन्होंने बताया कि यह एआई सिस्टम सिर्फ अंग्रेजी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि हिंदी, तमिल, तेलुगु, बंगाली, मराठी, उर्दू सहित देश की सभी प्रमुख भाषाओं में लोगों से संवाद कर सकेगा। वहीं, इसी का बोलने और देखने की क्षमता वाला रूप स्पीच और विजन टेक्नोलॉजी से लैस होगा। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत जेनएआई, इंडिया एआई मिशन के तहत विकसित किया जा रहा है और यह भारत का पहला राष्ट्रीय फाउंडेशनल लार्ज लैंग्वेज मॉडल होगा। इसे पूरी तरह भारतीय जरूरतों और सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों के अनुसार डिजाइन किया गया है। प्रश्नकाल के दौरान उन्होंने बताया कि इस प्रोग्राम के तहत स्पीच (बोलने) और विजन (देखने) से जुड़ी एआई क्षमताएं पहले ही 15 भारतीय भाषाओं में तैयार की जा चुकी हैं। उन्हें आगे

चरणबद्ध तरीके से और भाषाओं तक बढ़ाया जाएगा।

खेती, स्वास्थ्य और कानून में मिलेगा फायदा- सरकार के मुताबिक भारत जेनएआई का इस्तेमाल सिर्फ चैट या जानकारी देने तक सीमित नहीं रहेगा। इसका इस्तेमाल कृषि, आयुर्वेद, स्वास्थ्य सेवाओं और कानूनी सहायता जैसे क्षेत्रों में भी किया जाएगा, ताकि आम लोगों को सीधे फायदा मिल सके। इस परियोजना का नेतृत्व आईआईटी बॉम्बे कर रहा है, जिसमें आईआईटी मद्रास, आईआईटी हैदराबाद, आईआईटी कानपुर, आईआईटी मंडी और आईआईटी इंदौर जैसे प्रमुख संस्थान शामिल हैं। सरकार ने इसे पूरे देश की साझी पहल बताया है।

एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए हब और कंप्यूट सपोर्ट

सरकार के मुताबिक भारत जेनएआई के तीन मुख्य हिस्से हैं- टेक्स्ट, स्पीच और विजन। देशभर में 25 टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब बनाए गए हैं। एआई विकास के लिए जरूरी कंप्यूटिंग संसाधन जैसे कि जीपीयू और सर्वर आदि सब्सिडी दरों पर उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की जा रही है। सरकार ने 1 लाख करोड़ रुपये का रिसर्च, डेवलपमेंट एंड इनोवेशन फंड शुरू किया है, जिससे एआई और नई टेक्नोलॉजी के विकास को वित्तीय मदद मिलेगी। इसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। मंत्री ने साफ किया कि भारत जेनएआई सरकारी स्वामित्व वाला सॉवरेन सिस्टम होगा लेकिन यह आम लोगों, स्टार्टअप और संस्थानों के लिए खुला रहेगा। इसके इस्तेमाल, डेटा सुरक्षा और कीमत को लेकर नियम बनाए जा रहे हैं।

कांग्रेस से भाजपा में आई, अब बनेंगी बीएमसी की बॉस

● मुंबई की नई मेयर होंगी रितु तावड़े शिंदे की पार्टी को डिप्टी मेयर का पद

मुंबई (एजेंसी)। देश की सबसे धनी नगर निकाय बृहन्मुंबई नगर निगम में सत्ता का समीकरण अब पूरी तरह बदल गया है। शनिवार को महायुति गठबंधन ने भाजपा की वरिष्ठ पार्षद रितु तावड़े को महापौर (मेयर) और शिव सेना (शिंदे गुट) के नेता संजय शंकर घाडी को उप-महापौर पद का उम्मीदवार घोषित किया। बीएमसी के 227 सदस्यीय सदन में महायुति के पास स्पष्ट बहुमत होने के कारण रितु तावड़े का मुंबई की अगली मेयर बनना तय माना जा रहा है। महापौर और उप-

महापौर पद के लिए चुनाव 11 फरवरी को बीएमसी मुख्यालय में संपन्न होगा। रितु तावड़े मुंबई भाजपा का एक अनुभवी चेहरा हैं। वे तीसरी बार पार्षद चुनी गई हैं। उन्होंने 2012 (वार्ड 127) और 2017 (वार्ड 121) में जीत दर्ज की थी। हाल ही में 15 जनवरी 2026 को हुए चुनावों में वे घाटकोपर के वार्ड संख्या 132 से विजयी हुई हैं। वे पहले बीएमसी की महत्वपूर्ण शिक्षा समिति की अध्यक्ष रह चुकी हैं, जिससे उन्हें नागरिक प्रशासन का गहरा अनुभव है। तावड़े ने अपने करियर की शुरुआत कांग्रेस से की थी और 2012 में भाजपा में शामिल हुई थीं। यदि वे निर्वाचित होती हैं, तो लगभग 40 वर्षों के बाद मुंबई को भाजपा का अपना महापौर मिलेगा। इससे पहले 1982-83 में प्रभाकर पाई भाजपा के मेयर रहे थे। 227 सीटों वाली बीएमसी में बहुमत का आंकड़ा 114 है। वर्तमान सदन में भाजपा के पास 89, शिवसेना के पास 29 पार्षद हैं।

पूरा जम्मू-कश्मीर और अक्साई चिन भारत का है

● ट्रेड डील के साथ यूएस ने जारी किया अखंड भारत का नक्शा

वाशिंगटन (एजेंसी)। नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच शनिवार को हुए अंतरिम व्यापार समझौते की चर्चा जितनी इसके आर्थिक पहलुओं को लेकर है, उससे कहीं अधिक चर्चा अमेरिकी प्रशासन द्वारा जारी किए गए भारत के एक नक्शे को लेकर हो रही है। ट्रंप प्रशासन के इस कदम ने न केवल सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है, बल्कि कूटनीतिक गलियारों में भी बड़े संकेत दे दिए हैं। अमूमन अंतरराष्ट्रीय मंचों और पश्चिमी देशों के सरकारी नक्शों में जम्मू-कश्मीर के विवादित हिस्सों को अलग रंग या डॉटेड लाइन्स से दिखाया जाता है। लेकिन इस बार यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव के कार्यालय द्वारा जारी नक्शे ने सबको चौंका दिया। संपूर्ण जम्मू-कश्मीर: नक्शे में पूरे जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न हिस्सा दिखाया गया है। इसमें पीओके (पीओके यानी पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर) को भी भारतीय सीमा के भीतर दर्शाया गया है। अक्साई चिन भी शामिल: सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस नक्शे में अक्साई चिन को भी भारत के हिस्से के रूप में दिखाया गया है, जिस पर वर्तमान में चीन का कब्जा है और वह इसे अपना क्षेत्र बताता है। जैसे ही यह नक्शा सार्वजनिक हुआ, यह इंटरनेट पर वायरल हो गया।

भारत ने दुनिया को दिखाई अब परमाणु वाली ताकत

● मीडियम रेंज बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-3 का सफल परीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अपने दुश्मनों को एक बार फिर आगाह कर दिया है। शुक्रवार को भारत ने मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-3 का सफल परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने इस बात की जानकारी दी है। अधिकारियों ने बताया है कि इस मिसाइल का परीक्षण ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से सफलतापूर्वक किया गया। प्रक्षेपण के दौरान सभी संचालन और तकनीकी मानकों का सफलतापूर्वक सत्यापन किया गया। यह परीक्षण स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड की देख रेख में किया गया। अग्नि-3 एक परमाणु क्षमता वाली इंटरमीडिएट-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल है। रक्षा सूत्रों के मुताबिक इसके सफल परीक्षण ने मिसाइल सिस्टम की विश्वसनीयता की पुष्टि कर दी है। यह मिसाइल एक दो-स्टेज वाला सिस्टम है जो सॉलिड फ्यूल से चलता है। पहले स्टेज का ईंधन खत्म होने के बाद, दूसरा स्टेज शुरू होता है और मिसाइल तय रास्ते पर लक्ष्य की ओर आगे बढ़ता है। इससे मिसाइल की स्थिरता और सटीकता बनी रहती है। वहीं इसकी मारक क्षमता की रेंज की बात करें तो यह लगभग 3,000 से 3,500 किलोमीटर है।

पप्पू यादव के समर्थन में उतरे राहुल और प्रियंका

● गिरफ्तारी को बताया नीट छात्रा मामले का बदला

पटना (एजेंसी)। पप्पू यादव के समर्थन में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भीउतर पड़े हैं। राहुल गांधी ने कहा कि उनकी गिरफ्तारी केवल राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से की गई है। उन्होंने कहा कि नीट छात्रा की संदिग्ध मौत को लेकर ही उन्हें गिरफ्तार किया गया है और अब डराया धमकाया जा रहा

है। शुक्रवार को देर रात पटना पुलिस ने 31 साल पुराने एक मामले में निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को गिरफ्तार किया है। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, पटना में नीट की आकांक्षी छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत और उसके बाद की पूरी कार्रवाई ने एक बार फिर व्यवस्था की गहरी सड़ांध को उजागर कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि पीड़ित परिवार ने जब निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की, तो वही पुराना भाजपा-राजग मॉडल सामने आ गया कि मामले को भटकाओ, परिजनों को प्रताड़ित करो और अपराधियों को सत्ता का संरक्षण दो। राहुल ने कहा, इस बेटी के लिए न्याय की आवाज़ बनकर उभर रहे थे सांसद पप्पू यादव।

मंत्री-शाह ने कर्नल सोफिया मामले में चौथी बार मांगी माफी

● सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले वीडियो जारी किया, कहा-आवेश में निकले थे शब्द

भोपाल (एजेंसी)। कर्नल सोफिया को लेकर दिए बयान को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से दो दिन पहले प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने एक बार फिर माफी मांगी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी किया है। शाह ने कहा- मैंने पहले भी कई बार कहा है, मेरा ऐसा कोई उद्देश्य नहीं था कि किसी महिला अधिकारी, भारतीय सेना या समाज, किसी वर्ग का अपमान हो। वे शब्द निस्संदेह मेरी भावना के अनुरूप नहीं थे। वे शब्द देश भक्ति के उत्साह, उत्तेजना और आवेश में निकले थे। गलती के पीछे की भावना को अवश्य देखा जाना चाहिए। आप सब जानते हैं कि मेरी कोई दुर्भावना नहीं थी। मैंने अंतःकरण से क्षमा याचना की। कई बार की है। आज फिर कर रहा हूं। मेरे लिए अत्यंत पीड़ादायक है कि मेरी छोटी से त्रुटि से ऐसा

विवाद उत्पन्न हुआ। मुझे विश्वास है कि मेरी भावनाओं को सही संदर्भ में देखा जाएगा। भारतीय सेना के प्रति मेरे मन में सदैव सम्मान रहा है और रहेगा। सार्वजनिक जीवन में रहते हुए ऐसे शब्दों की मर्यादा, संवेदनशीलता अत्यंत आवश्यक है। इस घटना से मैंने आत्ममंथन किया है। सबक लिया है। जिम्मेदारी मानता हूं। भविष्य में वाणी पर नियंत्रण रहेगा। ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी। एक बार पुनः उस मामले में आप सभी नागरिकों से, भारतीय सेना से, सब लोगों से अंतःकरण से माफी मांगता हूं।

विजय शाह ने पिछले साल महू में दिया था बयान

11 मई को इंदौर के महू के रायकुंडा गांव में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री विजय शाह संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा था-उन्होंने (आतंकियों ने) कपड़े उतार-उतार कर हमारे हिंदुओं को मारा और मोदी जी ने उनकी बहन को उनकी ऐसी की तैसी करने उनके घर भेजा। शाह ने आगे कहा-अब मोदी जी कपड़े तो उतार नहीं सकते। इसलिए उनकी समाज की बहन को भेजा कि तुमने हमारी बहनों को विधवा किया है तो तुम्हारे समाज की बहन आकर तुम्हें नंगा करके छोड़ेगी। देश का मान-सम्मान और हमारी बहनों के सुहाग का बदला तुम्हारी जाति, समाज की बहनों को पाकिस्तान भेजकर ले सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट में एमपी सरकार को देना है जवाब

मंत्री विजय शाह के खिलाफ अभियोजन (प्रॉसीक्यूशन) की मंजूरी के मामले में मध्यप्रदेश सरकार को 9 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट में अपना जवाब दाखिल करना है। इससे पहले कोर्ट ने राज्य सरकार को 15 दिन के भीतर निर्णय लेने के निर्देश दिए थे। सरकारी और राजनीतिक सूत्रों के मुताबिक, राज्य सरकार इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से और समय मांग सकती है। तर्क यह दिया जाएगा कि मामले की जांच अभी पूरी नहीं हुई है और विस्तृत परीक्षण जरूरी है। यही रुख शुरुआत से मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम का भी रहा है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश अलग राज्य की मांग तेज, 27 जिलों का प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। विकास और रोजगार को गति देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश के विभाजन की मांग एक बार फिर केंद्र सरकार के समक्ष रखी गई है। इस संबंध में कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित बैठक में पूर्व सांसद एवं पश्चिम प्रदेश निर्माण मोर्चा के संयोजक डी.पी. यादव ने कहा कि बड़े राज्यों में आमजन को प्रशासनिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जबकि विभाजन के बाद बने राज्यों ने तेज विकास किया है। उन्होंने उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और झारखंड का उदाहरण देते हुए कहा कि इसी तर्ज पर उत्तर प्रदेश के 27 जिलों को अलग राज्य बनाकर विकास की नई राह खोली जा सकती है। यादव ने बताया कि पश्चिमी प्रदेश की परिकल्पना जनसंवाद के आधार पर तैयार की गई है, जिससे नया राज्य न केवल प्रशासनिक रूप से सक्षम होगा बल्कि रोजगार और समग्र विकास का वाहक भी बनेगा। बैठक में मोर्चा संयोजक एवं पूर्व मंत्री चौधरी वीरेन्द्र सिंह की अनुपस्थिति भी चर्चा का विषय रही।

तुर्कमान गेट पत्थरबाजी : सात आरोपियों की जमानत अर्जियां सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीस हजारी की एडिशनल सेशंस जज की कोर्ट ने तुर्कमान गेट इलाके में पत्थरबाजी की घटना से जुड़े एक मामले में सात आरोपियों की जमानत अर्जियों पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। एडिशनल सेशंस जज भूपिंदर सिंह सोमवार को मोहम्मद कैफ, मोहम्मद काशिफ, समीर हुसैन, मोहम्मद उबैदुल्ला, मोहम्मद आरिब, मोहम्मद नवीद और मोहम्मद अथर की जमानत अर्जियों पर फैसला सुना सकते हैं। कोर्ट सोमवार को पांच अन्य आरोपियों - अदनान, मोहम्मद इमरान, आमिर हमजा, मोहम्मद आदिल और मोहम्मद अदनान - की जमानत अर्जियों पर भी दलीलें सुनेगी। बचाव पक्ष के वकील ने कोर्ट को बताया कि आरोपियों से आगे हिरासत में पूछताछ की ज़रूरत नहीं है और जांच डिजिटल सबूतों के आधार पर आगे बढ़ सकती है। हालांकि, अभियोजन पक्ष ने जमानत अर्जियों का विरोध करते हुए कहा कि चीफ मेडिकल ऑफिसर की गैरमौजूदगी के कारण मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) रिपोर्ट अभी भी पेंडिंग हैं। सरकारी पब्लिक प्रॉसिक्यूटर अतुल श्रीवास्तव ने दलील दी कि जांच के लिए आरोपियों की लगातार मौजूदगी ज़रूरी है। कैफ और काशिफ का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील ने सीसीटीवी फुटेज का हवाला देते हुए दावा किया कि कैफ 6 जनवरी को शाम 7 बजे से अगले दिन सुबह 3 बजे तक घर पर था, जबकि पुलिस ने दावा किया कि उसने दोनों भाइयों को सुबह 2:30 बजे गिरफ्तार किया था। बचाव पक्ष ने कहा कि दोनों तभी घर से बाहर निकले जब उनके घर में आंसू गैस घुस गई। समीर के मामले में, यह दलील दी गई कि उसका घर घटना स्थल से सिर्फ 500 से 700 मीटर दूर था, इसलिए उसकी वहां मौजूदगी स्वाभाविक थी। सीसीटीवी फुटेज में उसे रात 12:09 बजे से 1:00 बजे के बीच अपने घर के पास खड़े देखा जा सकता है, जिसे हिंसा में उसकी संलिप्तता का सबूत नहीं माना जा सकता। उबैदुल्ला के मामले में, बचाव पक्ष ने कहा कि वह सिर्फ पास की दुकान से दवा लेने गया था। उन्होंने अभियोजन पक्ष के इस दावे को भी चुनौती दी कि उसे डिलाइट सिनेमा के पीछे से पकड़ा गया था। बचाव पक्ष के अनुसार, उबैदुल्ला खुद पुलिस स्टेशन गया था, जहां उसके पिता पहले से ही हिरासत में थे।

दिल्ली-एनसीआर में आए प्रदूषण के नियमों के 336 उल्लंघन के मामले दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सुधार के प्रयासों की समीक्षा के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की प्रवर्तन कार्यबल की 125वीं बैठक 6 फरवरी को आयोजित की गई। इस बैठक में 20 जनवरी से 4 फरवरी के बीच दिल्ली-एनसीआर में किए गए निरीक्षणों, उल्लंघनों और अनुपालन की स्थिति का आकलन किया गया। समीक्षा के दौरान उद्योग, निर्माण गतिविधियां, सड़क धूल, डीजल जनरेटर सेट और कचरा-बायोमास जलाने से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रिपोर्टिंग अवधि में कुल 739 निरीक्षण किए गए, जिनमें निर्माण एवं ध्वस्तीकरण क्षेत्र के 52, औद्योगिक इकाइयों के 680 और डीजल जनरेटर से जुड़े 7 निरीक्षण शामिल रहे। इन कार्रवाइयों में 336 उल्लंघन पाए गए। आयोग ने 21 इकाइयों को बंद करने, 53 डीजी सेट सील करने का प्रस्ताव रखा, दो इकाइयों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए तथा 63 मामलों की जांच जारी है। ये सड़क धूल नियंत्रण के लिए ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम में विशेष निरीक्षण अभियान चलाए गए, जिनमें यांत्रिक सफाई, पानी के छिड़काव और धूल नियंत्रण उपायों के अनुपालन की जांच की गई। संबंधित एजेंसियों को विशेष रूप से व्यस्त यातायात समय में सख्त पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। आयोग ने बताया कि अब तक उड़नदस्ता टीमों द्वारा 25,975 इकाइयों, परियोजनाओं और संस्थाओं का निरीक्षण किया जा चुका है। गैर-अनुपालन पर 1,661 बंदी आदेश जारी हुए, जिनमें से 1,278 मामलों में अनुपालन के बाद संचालन बहाल किया गया। 123 मामलों को अंतिम निर्णय के लिए राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति को भेजा गया है, जबकि 260 मामलों की प्रक्रिया जारी है। बैठक में सभी एजेंसियों को समन्वित कार्रवाई, सतत निगरानी और त्वरित सुधारात्मक कदम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके।

बैंक खातों पर असंगत तरीके से रोक लगाना मनमाना : दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बैंक खातों पर मनमाने तरीके से रोक लगाने की कार्रवाई पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा है कि जब खाताधारक न तो आरोपी हो और न ही जांच में संदिग्ध, तब उसके लेन-देन पर पूर्ण या असंगत रोक लगाना संविधान के तहत प्रदत्त आजीविका और व्यवसाय की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव की पीठ ने कहा कि बिना पर्याप्त विचार के खातों पर रोक निर्दोष इकाइयों के रोजमर्रा के कारोबार को ठप कर देती है और उनकी व्यावसायिक साख को गंभीर नुकसान पहुंचाती है। अदालत ने यह टिप्पणी मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। याचिका में केन्द्र सरकार और भारतीय साइबर अपराध समन्वय केन्द्र (आई4सी) को भारतीय स्टेट बैंक और एचडीएफसी बैंक को दिए गए खातों पर रोक संबंधी आदेश वापस लेने का निर्देश देने की मांग की गई थी। अदालत को बताया गया कि एक ग्राहक से जुड़ी साइबर धोखाधड़ी की शिकायत के बाद याचिकाकर्ता के खातों पर रोक लगा दी गई, जबकि कंपनी के खिलाफ न तो कोई शिकायत थी और न ही किसी प्रकार की मिलीभगत के सबूत मिले। पुलिस निर्देशों के तहत मार्च 2025 तक करीब 80 लाख रुपये की राशि फ्रीज कर दी गई थी। अदालत ने कहा कि इससे याचिकाकर्ता कर्मचारियों के वेतन भुगतान और रोजमर्रा के खर्च पूरे करने में असमर्थ हो गया। उच्च न्यायालय ने आई4सी को तत्काल एसबीआई और एचडीएफसी बैंक को खातों से रोक हटाने का निर्देश दिया और कहा कि मशीनी तरीके से की गई ऐसी कार्रवाई कानूनन टिकाऊ नहीं है।

एनडीएमसी के सुविधा कैंप में लोगों ने दर्ज कराई 61 जन शिकायतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने कन्वेंशन सेंटर में सुविधा कैंप का आयोजन किया। कैंप में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिसके दौरान 61 शिकायतें मिलीं और उन्हें एनडीएमसी के संबंधित विभागों ने समाधान के लिए आगे बढ़ाया। ये मामले मुख्य रूप से कार्मिक, सिविल इंजीनियरिंग, बागवानी, जनस्वास्थ्य, प्रवर्तन, वाणिज्य टैक्स और संपदा से जुड़े थे। इसके अलावा, सैकड़ों लोग और सेवा उपभोक्ता एनडीएमसी की जन सेवाओं की अलग-अलग विषयों पर मार्गदर्शन और जानकारी लेने के लिए कैंप में आए। कैंप की एक खास बात यह थी कि लोगों और विभाग के अधिकारियों के बीच सीधी, आमने-सामने बातचीत हुई, जिससे पारदर्शिता, स्पष्टता और तेजी से फैसले लेने में मदद मिली। शिकायतों की टेबल पर विस्तार में जांच की गई, जिससे जहां भी मुमकिन हो मौके पर ही समाधान किया जा सका। जिन मामलों में पॉलिसी-लेवल पर दखल की जरूरत थी, उन्हें शिकायत करने वालों को साफ तौर पर समझाया गया साथ ही उन्हें ठीक करने की उम्मीद की गई टाइमलाइन भी बताई गई, ताकि जानकारी वाली और वास्तविक उम्मीदें पूरी हो सकें। शिकायतों का असरदार और जवाबदेह तरीके से निपटारा पक्का करने के लिए एनडीएमसी के 30 से ज्यादा विभाग के 100 से ज्यादा अधिकारी और कर्मचारी कैंप में तैनात किए गए थे।

मटियाला में सड़क, पानी एवं स्वास्थ्य से जुड़ी परियोजनाओं का शिलान्यास

-मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मटियाला में 400 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को मटियाला विधानसभा क्षेत्र में लगभग 400 करोड़ रुपये की लागत के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए कभी फंड की कमी नहीं होने दी जाएगी। ये शिलान्यास केवल ईंट और पत्थर का प्रतीक नहीं है, बल्कि क्षेत्र के नागरिकों के विश्वास, सुविधाओं और बेहतर जीवन की मजबूत नींव हैं। इस कार्यक्रम में पश्चिमी दिल्ली से सांसद कमलजीत सहरावत, मटियाला के विधायक संदीप सहरावत सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार ने मटियाला विधानसभा क्षेत्र के लिए लगभग 400 करोड़ का बजट स्वीकृत किया है। इस बजट से इस क्षेत्र के विकास कार्यों को गति मिलेगी। इन परियोजनाओं के अंतर्गत सड़कों, नालियों, ड्रेनेज सिस्टम, पार्कों, सामुदायिक स्थलों और नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण से जुड़े अनेक कार्य किए जाएंगे। ग्रामीण और शहरी इलाकों को जोड़ने वाले मार्गों के निर्माण से क्षेत्र में कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इससे आवागमन सुगम बनेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र में कई नए आरोग्य मंदिर स्थापित किए गए हैं, इससे स्थानीय लोगों को घर के पास ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। मटियाला विधानसभा में दो अटल कैंटीन भी शुरू की गई हैं। यहां मात्र 5 रुपये में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। यह सुविधा गरीब, श्रमिक और जरूरतमंद वर्ग के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। इसके अलावा, क्षेत्र के आसपास के गांवों में नई पाइप लाइन और ट्यूबवेल की स्थापना से जल आपूर्ति को सुदृढ़ किया जा रहा है, जिससे नागरिकों को पानी की समस्या से राहत मिलेगी। उन्होंने पिछली सरकार पर तंज करते हुए कहा कि वर्षों तक ग्रामीण क्षेत्रों को केवल घोषणाओं और वादों में उलझाए रखा गया। इसकी वजह से सड़कें जर्जर होती चली गईं, जल निकासी और सीवर जैसी मूलभूत सुविधाएं उपेक्षित रहीं और गांवों को विकास की मुख्यधारा से काटकर रख दिया गया।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में कौशल और नवाचार की निर्णायक भूमिका होगी : विजय गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में कौशल और नवाचार की निर्णायक भूमिका होगी। उक्त बातें पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं गांधी स्मृति और दर्शन समिति के उपाध्यक्ष विजय गोयल ने राजघाट स्थित गांधी सत्याग्रह ऑडिटोरियम में शनिवार को स्किल लीडर्स कॉन्क्लेव और स्किल फेयर-2026 का आयोजन के उद्घाटन के अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि स्किल विश्वविद्यालय कक्षा शिक्षण के साथ उद्योगों के सहयोग से व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर देश की कौशल क्षमता को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने छात्रों से महात्मा गांधी के संघर्षपूर्ण जीवन से सीख लेने का आह्वान किया और स्किल फेयर में प्रदर्शित छात्र परियोजनाओं की सराहना की।

दिल्ली स्किल एंड एंटरप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. ए.के. नागावत ने उद्योग सहयोग, पारंपरिक कौशलों के संरक्षण और कौशलों के सतत उन्नयन की आवश्यकता पर बल दिया। हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा ने आरपीएल ढांचे के तहत पारंपरिक ज्ञान को मान्यता देने की बात कही, वहीं डॉ. राज नेहरू ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण बदलते रोजगार परिदृश्य को रेखांकित किया। कार्यक्रम की मेजबानी करते हुए देश की पहली राज्य संचालित स्किल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि वर्ष 2027 तक 44 प्रतिशत कौशलों में बदलाव आने की संभावना है, इसलिए नवाचार, उद्यमिता और कौशल शिक्षा पर विशेष ध्यान आवश्यक है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित कौशल शिक्षा मॉडल को देश के कई संस्थान अपना रहे हैं और शीघ्र ही स्किल विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

सरना को पंथ से बाहर करने की मांग, अकाल तख्त से डीजीपीसी की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार हरमीत सिंह कालका और जनरल सेक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलों ने श्री अकाल तख़्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गडगज्ज से अपील की है कि शिरोमणि अकाली दल बादल के नेता और दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के पूर्व प्रधान हरविंदर सिंह सरना को तुरंत सिख पंथ से बाहर किया जाए। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कालका और काहलों ने आरोप लगाया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाक़ात के बाद सरना ने 1984 में श्री दरबार साहिब और श्री अकाल तख़्त साहिब पर हुए हमलों को लेकर आपत्तिजनक बयान देकर गांधी परिवार को क्लीन चिट दी और पावन स्थल को महज़ 'इमारत' बताकर सिख आस्था का अपमान किया। उन्होंने कहा कि यह स्थान छठे पातशाह श्री गुरु हरिगोबिंद साहिब द्वारा स्थापित सिख प्रभुसत्ता का प्रतीक है और इसे साधारण इमारत कहना गंभीर अपराध है। नेताओं ने 1984 के नरसंहार का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौर में दिल्ली में सिखों की हत्याएं हुईं और ऐसे मामलों को जायज़ ठहराने की कोशिशें की गईं; अब सरना द्वारा दिए गए बयान उसी मानसिकता को आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सरदार सुखबीर सिंह बादल से भी आग्रह किया कि यदि सरना को पार्टी ने राहुल गांधी से मिलने नहीं भेजा था तो उन्हें तत्काल पार्टी से निष्कासित किया जाए। इसके साथ ही शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के कर्मचारियों द्वारा गुरुद्वारा अंब साहिब की ज़मीन बेचने के मामले में केवल मैनेजर पर कार्रवाई को नाकाफ़ी बताते हुए उन्होंने कहा कि इसमें उच्च स्तर के अधिकारी भी ज़िम्मेदार हैं और सभी दोषियों पर सख़्त कार्रवाई होनी चाहिए। कालका और काहलों ने कहा कि डीजीपीसी पारदर्शिता के पक्ष में है और सरना तथा गुरुद्वारा अंब साहिब प्रकरण को लेकर जत्थेदार श्री अकाल तख़्त साहिब को पत्र लिखकर पूरी पैरवी की जाएगी।

आधुनिक ड्रेन से कोहाट मेट्रो स्टेशन तक मिलेगी जलभराव से मुक्ति

-मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को शालीमार बाग विधानसभा में कई विकास कार्यों का शुभारंभ किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं से जुड़े कई विकास कार्यों का शुभारंभ किया। इनमें एसडी (सी) ब्लॉक से कोहाट मेट्रो स्टेशन तक के मार्ग पर आरसीसी तकनीक से नई नाली के निर्माण की भी शुरुआत शामिल है। उन्होंने बताया कि इसके बनने से इस क्षेत्र में जल निकासी की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना नहीं है, बल्कि नागरिकों के दैनिक जीवन को अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और गरिमापूर्ण बनाना है।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को एसी ब्लॉक और एसडी (सी) क्षेत्र में सड़कों, नालियों और ड्रेनों के निर्माण एवं सुधार कार्य का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन क्षेत्रों में आरएमसी (रेडी मिक्स कंक्रीट) सड़कों का निर्माण, आरसीसी तकनीक से नालियों का निर्माण, सड़क सुदृढ़ीकरण और जल निकासी व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा, जिससे बरसात के दौरान जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी। इसके साथ ही, शालीमार बाग स्थित नेहरू पार्क, अपना पार्क और सेंट्रल पार्क सहित एसी ब्लॉक के विभिन्न पार्कों में वॉकवे, वॉकिंग ट्रैक, बाउंड्री वॉल और सौंदर्यीकरण से जुड़े कार्यों की भी शुरुआत की गई है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इन कार्यों का उद्देश्य पार्कों को अधिक सुरक्षित, सुंदर और नागरिकों के उपयोग के लिए सुविधाजनक बनाना है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि एसी ब्लॉक में पार्किंग की समस्या को ध्यान में रखते हुए नई सरफेस पार्किंग का निर्माण किया जाएगा, जिससे स्थानीय निवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। इसके अलावा, शालीमार बाग के एडी, एजे, एएल, एई, एएफ एवं एसडी (सी) ब्लॉकों में गलियों, ड्रेनों और पार्कों से संबंधित विभिन्न विकास कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है।

लाजपत ज़िले में रविवार 8 फरवरी को विभिन्न क्षेत्रों में होंगे विराट हिंदू सम्मेलन, व्यापक स्तर पर तैयारियां

नई दिल्ली (शिखर समाचार) लाजपत ज़िला, दक्षिणी विभाग के प्रचार विभाग द्वारा रविवार 8 फरवरी को विभिन्न बस्तियों और क्षेत्रों में विराट हिंदू सम्मेलनों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। आयोजकों के अनुसार इन कार्यक्रमों का उद्देश्य सामाजिक समरसता को मजबूत करना, सांस्कृतिक चेतना बढ़ाना और राष्ट्रहित से जुड़े विषयों पर जनजागरण करना है। सम्मेलनों की शुरूआत सुबह से अलग-अलग स्थानों पर होगी, जिसमें स्थानीय नागरिकों और पत्रकारों को आमंत्रित किया गया है।

जंगपुरा बी क्षेत्र में सम्मेलन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक राधाकृष्ण मंदिर, राजदूत होटल के निकट आयोजित होगा। सराय काले खां में कार्यक्रम सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक शिव खेड़ा देवता मंदिर परिसर, मेट्रो स्टेशन के पास होगा, जहां आरडब्ल्यूए अध्यक्ष मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। अमर कॉलोनी के संत नगर में सुबह 10 बजे से 1 बजे तक गेट नंबर 1 के पास, बिल्डिंग संख्या 38 के सामने वाली गली में सम्मेलन रखा गया है, जिसमें मोहम्मद फैज खान, मुस्लिम मंच, मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे।

श्रीनिवासपुरी बस्ती में मोती वाटिका परिसर में आयोजन होगा, जहां सामाजिक कार्यकर्ता देवेंद्र तंवर मुख्य वक्ता रहेंगे। कश्यप बस्ती में कार्यक्रम दोपहर 3 बजे से 5 बजे तक पंपोश एन्क्लेव, ग्रेटर कैलाश-1 स्थित समावर स्थल पर, पुलिस स्टेशन के सामने आयोजित किया जाएगा। कपूरी ठाकुर जनजीवन कैंप में सुबह 11 बजे से 1 बजे तक नया पार्क में सम्मेलन होगा।

पिलंजी क्षेत्र में सुबह 10:30 बजे से दोपहर 2 बजे तक मीराबाई पॉलिटेक्निक में आयोजन तय किया गया है। तैमूर नगर में इसी समयावधि में बारातघर परिसर में कार्यक्रम रखा गया है। सेवा नगर में सुबह 11 बजे से 2 बजे तक डिफेंस कॉलोनी मार्केट गोल चक्कर स्थित दुर्गा पूजा पार्क में सम्मेलन होगा।

कोटला मुबारकपुर के पापू पार्क क्षेत्र में सुबह 11 बजे से 1 बजे तक शानचंद्र पार्क, राधाकृष्ण मंदिर के सामने, साउथ एक्सटेंशन के निकट कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसकी शुरूआत कलश यात्रा से होगी। जंगपुरा और भोगल क्षेत्र का संयुक्त सम्मेलन शहीद भगत सिंह पार्क, इरोस सिनेमा के सामने आयोजित होगा, जहां अजय भारद्वाज, अधिवक्ता, मुख्य अतिथि रहेंगे। वीर सावरकर क्षेत्र में सुबह 10:30 बजे से 1:30 बजे तक कृष्णा मार्केट स्थित कम्युनिटी सेंटर में कार्यक्रम होगा, जिसमें महंत सतीश दासी महाराज मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे।

लाजपत ज़िला प्रचार विभाग ने सभी धर्मप्रेमी नागरिकों, सामाजिक संगठनों और क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर रविवार 8 फरवरी को आयोजित इन सम्मेलनों को सफल बनाने की अपील की है।

दिल्ली में भाजपा सरकार के एक साल पूरे, जनता के बीच पेश करेंगे रिपोर्ट कार्ड : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के एक साल पूरे होने को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि जनता ने 8 फरवरी को अपना आशीर्वाद देकर भाजपा के 48 विधायकों को जीत दिलाई थी, और दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी थी। इसके जश्न और रिपोर्ट कार्ड पेश करने के लिए सरकार 8 फरवरी से लेकर 2 मार्च तक पूरी दिल्ली में लोगों के बीच कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू कर रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि रविवार से ही विभिन्न विभागों के विकास कार्यों, परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास की शुरुआत होगी। पहले दिन रामलीला मैदान में 500 ईवी को दिल्ली की जनता के लिए समर्पित किया जाएगा। इसके बाद लगातार 20 तारीख तक रोजाना सरकार की कई योजनाएं जनता को समर्पित की जाएंगी। 21 तारीख को दिल्ली की जनता के सामने सरकार अपना रिपोर्ट कार्ड पेश करेगी और 22 तारीख से फिर से जनता के बीच जाकर उन्हें सीधे अपनी उपलब्धियों के बारे में बताया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने धन्यवाद करते हुए कहा कि जनता का आशीर्वाद और वोट की ताकत ही कारण है कि दिल्ली में सरकार बनी और विकास की गति तेज हुई। मटियाला विधानसभा में अब 400 करोड़ रुपए के विकास कार्य शुरू हो रहे हैं, जो सिर्फ जनता के समर्थन से संभव हुए हैं। उन्होंने पीएम मोदी के नेतृत्व में देश और दिल्ली के विकास की बात भी की।

विधायक संदीप सहरावत ने बताया कि मुख्यमंत्री और सांसद जनता के बीच आए और मटियाला विधानसभा के 400 करोड़ रुपए के बजट से शुरू होने वाले सभी कार्यों का उद्घाटन किया जाएगा। पहले जिन ग्रामीण विकास के बजट को तीन-तीन साल तक लंबित रखा जाता था, अब सरकार ने तुरंत राशि जारी कर दी है। मटियाला विधानसभा के लिए डेढ़ सौ करोड़ रुपए अलग-अलग विभागों को दिए गए हैं। सहरावत ने बताया कि यह बजट गांवों की आधारभूत सुविधाओं और सौंदर्यीकरण पर खर्च होगा। इसमें चौपाल निर्माण, गांवों का सौंदर्यीकरण और अन्य विकास कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने खुद कार्यों की सूची मंगवाई और जमीनी हालात देखे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि पैसा सही तरीके से और समय पर उपयोग हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस साल के पूरे कार्यक्रम का मकसद सिर्फ जश्न मनाना नहीं, बल्कि जनता को उनके वोट की ताकत का अहसास कराना और सरकार के काम की जानकारी देना है। उन्होंने जनता से आग्रह किया कि वे इस अवसर का हिस्सा बनें और सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं।

इस दौरान विधायक संदीप सहरावत ने यह भी कहा कि विकास कार्य अब तेजी से जमीन पर उतरेंगे और सभी योजनाएं समय पर पूरी होंगी। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार जताया कि उन्होंने मटियाला विधानसभा के हर काम में रुचि ली और लगातार उसका निरीक्षण किया।

केंद्रीय बजट 'विकसित भारत 2047' की मजबूत नींव : इंद्राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के समाज कल्याण रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 विकास और 'विकसित भारत 2047' की बजट नींव है। उन्होंने शनिवार को दिल्ली सचिवालय में प्रेस कांफ्रेंस करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट सामाजिक न्याय, समावेशी विकास और वंचित वर्गों के सशक्तिकरण को प्राथमिकता देता है। उन्होंने बताया कि सामाजिक न्याय एवं कल्याण से जुड़े क्षेत्रों के लिए बजट में लगभग 12.5 फीसद की वृद्धि कर करीब 14,800 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है, जिससे कमजोर एवं वंचित वर्गों के उत्थान को बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों और युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए लगभग 9,200 करोड़ से अधिक का प्रावधान किया गया है, जिससे शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

मंत्री इंद्राज ने कहा कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण के लिए बजट में लगभग 1,350 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जिससे सहायक उपकरण, कौशल विकास और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा सकेंगे। वहीं वरिष्ठ नागरिकों के लिए केयर इकोसिस्टम को मजबूत करने हेतु डेढ़ लाख से अधिक केयरगिवर्स तैयार करने का निर्णय लिया गया है, जो शहरी राज्यों विशेषकर दिल्ली के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में ट्रॉमा, आपातकालीन सेवाओं और कैंसर डे-केयर सुविधाओं के विस्तार का प्रावधान भी समाज के कमजोर वर्गों के लिए महत्वपूर्ण कदम है।

सहकारिता क्षेत्र पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि लगभग 1,150 करोड़ के प्रावधान के साथ इस क्षेत्र में करीब 45 फीसद की वृद्धि की गई है, जिससे कृषि, डिजिटलीकरण, प्रशिक्षण और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही सहकारिता आधारित संस्थानों और स्टोर्स के माध्यम से आम नागरिकों को सुलभ दरों पर आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराने की दिशा में भी पहल की गई है। दिल्ली में सहकारिता को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण एवं संस्थागत ढांचा विकसित करने पर भी कार्य किया जाएगा। मंत्री इंद्राज सिंह ने कहा कि यह बजट बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के सामाजिक न्याय और समान अवसर के विचारों को आगे बढ़ाने वाला है तथा शोषित, वंचित और अंत्योदय वर्ग के उत्थान को केंद्र में रखता है। उन्होंने प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय वित्त मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट देश और दिल्ली दोनों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगा।

गाजियाबाद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन, डीएम ने किया सदर तहसील का निरीक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। डीएम रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देश पर गाजियाबाद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में 240 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 16 का निस्तारण किया गया। इनता ही नहीं डीएम ने सदर तहसील का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश भी जारी किए। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में सदर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान 53 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें मौके पर 9 शिकायतों का निरस्तारण किया गया। इस दौरान नगर निगम के अधिकारी, पुलिस

अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। ज्वाईट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी लोनी दीपक सिंघनवाल आईएएस की अध्यक्षता में लोनी तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान 63 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 4 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान तहसीलदार, पुलिस अधिकारी, नगर पालिका सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। एडीएम एफ/आर सौरभ भट्ट की अध्यक्षता में मोदीनगर तहसील में

सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान 124 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से मौके पर 3 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान एसडीएम मोदीनगर अजीत कुमार, तहसीलदार, पुलिस अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। इस प्रकार जनपद की तीनों तहसीलों में 240 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 16 शिकायतों का निस्तारण हुआ। तहसील दिवस के बाद डीएम रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने तहसील सदर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय की कार्यप्रणाली का जायजा लिया और सभी विभागों को कार्यों में सुधार और गति लाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। डीएम ने कर्मचारियों से कहा कि जनता के प्रति सेवा भाव बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण है और सभी सरकारी कार्यों में पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने कार्यालय में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान शीघ्र और प्रभावी ढंग से किया जाए। इस दौरान डीएम ने कार्यालय अभिलेखों की भी जांच की और पौधारोपण भी किया गया।

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-9 पर भीषण दुर्घटना: तेज रफ्तार बस की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत, दो अन्य घायल

हापुड़ (शिखर समाचार) पिलखुवा थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-9 पर स्थित शुल्क चौकी के पास तेज गति से दौड़ रही एक यात्री बस ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोटरसाइकिल सवार युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि उसके साथ मौजूद दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद कुछ देर के लिए मार्ग पर अफरा तफरी का माहौल बन गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस्लामनगर निवासी सलमान किसी कार्य से शुल्क चौकी की ओर जा रहा था। जैसे ही वह चौकी के निकट पहुंचा, पीछे से आ रही तेज रफ्तार बस ने उसकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही मोटरसाइकिल सड़क पर गिरकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना में सलमान की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि साथ चल रहे साजिद और सुहेल घायल हो गए और सड़क किनारे जा गिरे।

घटना की सूचना मिलते ही थाना पिलखुवा पुलिस दल तत्काल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। मृतक के शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही पूरी करते हुए शव परीक्षण के लिए भेज दिया गया है। दुर्घटनाग्रस्त मोटरसाइकिल को हटवाकर मार्ग पर यातायात व्यवस्था सामान्य कराई गई।

पुलिस का कहना है कि बस चालक की पहचान और वाहन की जानकारी जुटाई जा रही है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है और आगे की कार्रवाई जांच रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी।

मवाना तहसील में समाधान दिवस आयोजित, मंडलायुक्त और पुलिस उपमहानिरीक्षक ने सुनीं शिकायतें, त्वरित निपटारे के निर्देश

मेरठ (शिखर समाचार) मेरठ परिक्षेत्र के अंतर्गत शनिवार को मवाना तहसील में आयोजित समाधान दिवस के दौरान मंडलायुक्त भानु चंद्र गोस्वामी और पुलिस उपमहानिरीक्षक कलानिधि नैथानी ने आम नागरिकों की समस्याएं सीधे सुनकर उनके शीघ्र समाधान के निर्देश जारी किए। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने भूमि विवाद, राजस्व अभिलेख, पुलिस कार्रवाई, सार्वजनिक सुविधाओं और विभागीय लापरवाही से जुड़े प्रकरण प्रस्तुत किए। अधिकारियों ने प्रत्येक प्रार्थना पत्र को गंभीरता से दर्ज कर संबंधित विभागों के जिम्मेदार अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के आदेश दिए।

अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि जमीन से जुड़े विवादों को अलग से चिह्नित कर राजस्व और पुलिस विभाग संयुक्त रूप से कार्रवाई करें, ताकि लंबे समय से लंबित मामलों का जल्दी निपटारा हो सके। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि किसी भी शिकायत को औपचारिकता में न रखा जाए, बल्कि मौके पर जांच कर वास्तविक स्थिति के आधार पर निर्णय लिया जाए। समाधान दिवस का उद्देश्य आमजन को एक ही स्थान पर प्रशासनिक सुनवाई और राहत उपलब्ध कराना है, इसलिए सभी विभाग पारस्परिक समन्वय बनाए रखें।

जनसुनवाई के दौरान उपस्थित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि प्राप्त शिकायतों पर त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा निस्तारण की सूचना संबंधित आवेदक को समय पर दी जाए। कई मामलों में मौके पर ही जांच के आदेश जारी किए गए और कुछ प्रकरणों का तत्काल समाधान भी कराया गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने दोहराया कि जनता की समस्याओं के समाधान में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध उत्तरदायित्व तय किया जाएगा।

आईएमएस गाजियाबाद परिसर में शोध रूपांतरण और व्यावसायिक उपयोग पर विशेष शैक्षणिक गोष्ठी आयोजित

गाजियाबाद (शिखर समाचार) आईएमएस गाजियाबाद यूनिवर्सिटी कोर्सेज परिसर में अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ की ओर से शिक्षकों के लिए एक विशेष शैक्षणिक गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें शोध कार्य को प्रयोगिक उपयोग में लाने और उसे उद्यम के रूप में विकसित करने के तरीकों पर विस्तार से मंथन हुआ। गोष्ठी का मुख्य विषय शोधकर्ता से उद्यम संस्थापक बनने की यात्रा तथा शोध के रूपांतरण और व्यावसायिक उपयोग पर केंद्रित रहा। कार्यक्रम में शिक्षकों को यह समझाया गया कि प्रयोगशाला और कक्षा तक सीमित ज्ञान को समाज और बाजार से जोड़कर किस प्रकार उपयोगी उत्पाद और सेवाओं में बदला जा सकता है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रसेल मर्ज रहे, जो नेचको एडवाइजरी और ब्रिस्बेन स्ट्रेटेजी वेंचर्स से जुड़े हैं और ऑस्ट्रेलिया में मुख्य कार्यकारी पद पर कार्य कर चुके हैं। उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय अनुभवों के आधार पर बताया कि उच्च शिक्षा संस्थानों में होने वाला शोध यदि सही दिशा और योजना के साथ आगे बढ़े तो वह नए उद्योगों और नवाचार आधारित उपक्रमों को जन्म दे सकता है। उन्होंने शोधकताओं को समस्या आधारित अध्ययन, बौद्धिक संपदा संरक्षण और उद्योग सहभागिता पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। गोष्ठी का शुभारंभ आईएमएस समूह के जनरल सेक्रेटरी सीए (डॉ.) राकेश छारिया और निदेशक प्रो. (डॉ.) जसकिरण कौर ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। अपने संबोधन में राकेश छारिया ने कहा कि आज के दौर में केवल शोध पत्र प्रकाशित करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि शोध का प्रत्यक्ष सामाजिक और औद्योगिक लाभ भी दिखाई देना चाहिए। इस प्रकार के ज्ञान सत्र शिक्षकों को नवाचार और उद्यम स्थापना की दिशा में सक्रिय बनाते हैं। जसकिरण कौर ने कहा कि संस्थान शोध, नवाचार और नवउद्यम पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयासरत है। बाहरी देशों के अनुभवी विशेषज्ञों से संवाद होने पर शिक्षकों की सोच का दायरा बढ़ता है और उन्हें वैश्विक कार्यप्रणाली को समझने का अवसर मिलता है। मुख्य वक्ता रसेल मर्ज ने अपने व्याख्यान में कहा कि प्रत्येक शोधकर्ता में उद्यम स्थापित करने की क्षमता मौजूद होती है, आवश्यकता केवल सही मार्गदर्शन, योजना और व्यावहारिक दृष्टिकोण की है। जब शोध को वास्तविक जीवन की चुनौतियों से जोड़ा जाता है, तभी वह आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनता है। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए अनेक प्रश्न पूछे और शोध के व्यावसायिक उपयोग, उद्योग सहयोग, बौद्धिक संपदा अधिकार तथा नवउद्यम स्थापना की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की। अंत में आभार ज्ञापन के साथ गोष्ठी का समापन किया गया।

नगीना तहसील में समाधान दिवस आयोजित, 30 प्रार्थनापत्र प्राप्त, 5 का तत्काल निस्तारण

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार) नागरिक समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से नगीना तहसील परिसर में समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 30 शिकायतें दर्ज की गईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी प्रशासन अंशिका दीक्षित ने की। समाधान दिवस के दौरान फरियादियों ने भूमि विवाद, राजस्व अभिलेख, सार्वजनिक सुविधाओं और अन्य प्रशासनिक मामलों से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। उपस्थित अधिकारियों ने प्रत्येक प्रार्थनापत्र को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागीय प्रतिनिधियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। प्राप्त शिकायतों में से 5 मामलों का निपटारा मौके पर ही कर दिया गया, जबकि शेष 25 प्रकरणों को संबंधित विभागों को निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए अग्रसारित किया गया। कार्यक्रम समाप्ति के उपरांत अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने तहसील कार्यालय का निरीक्षण भी किया और अभिलेख व्यवस्था, जनसुविधाओं तथा कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा गया कि जन शिकायतों के समाधान में अनावश्यक विलंब न हो और प्रत्येक प्रकरण में जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

हापुड़ में शिक्षा ढांचे को बड़ा सहारा: जर्जर 12 बेसिक विद्यालयों के सुधार व पुनर्निर्माण के लिए 2.08 करोड़ रुपये जारी

हापुड़ (शिखर समाचार) जनपद के परिषदीय विद्यालयों की खराब होती भवन स्थिति को सुधारने के लिए ठोस पहल की गई है। हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण ने जिले के 12 जर्जर प्राथमिक विद्यालयों के जीर्णोद्धार और पुनर्निर्माण कार्य हेतु क्षेत्रीय अवस्थापना निधि से 2.08 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत कर दी है। स्वीकृत धनराशि को प्रशासनिक औपचारिकताएं पूर्ण कर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में कार्य निष्पादन करने वाली संस्था ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को विधिवत रूप से सौंप दिया गया। जानकारी के अनुसार बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले कई विद्यालय भवन लंबे समय से जर्जर हालत में थे। कहीं दीवारें कमजोर हो चुकी थीं तो कहीं छत और कक्ष क्षतिग्रस्त अवस्था में थे। इन परिस्थितियों के कारण विद्यार्थियों और शिक्षकों की सुरक्षा को लेकर लगातार चिंता बनी हुई थी। पूर्व में

भी कई स्थानों पर दुर्घटना जैसे हालात बन चुके थे, लेकिन समय रहते टल गए। इन्हीं हालात को देखते हुए विद्यालय भवन सुधार को प्राथमिकता में रखा गया। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने जनपद में सरकारी विद्यालयों के जीर्णोद्धार और पुनर्निर्माण को लेकर विशेष अभियान चलाया हुआ है। इस अभियान के अंतर्गत जनसहयोग और सामाजिक संस्थाओं की भागीदारी से भी कई विद्यालयों में सुधार कार्य कराए जा चुके हैं। अब प्राधिकरण से मिली धनराशि से चयनित 12 विद्यालयों में व्यापक स्तर पर निर्माण, मरम्मत और संरचनात्मक सुदृढ़ीकरण का कार्य कराया जाएगा। हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नितिन गौड़ ने बताया कि 12 प्राथमिक विद्यालयों के भवन सुधार और पुनर्निर्माण के लिए 208.17 लाख रुपये का प्रावधान क्षेत्रीय अवस्थापना निधि से किया गया है। यह धनराशि जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय और पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह की उपस्थिति में ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को हस्तांतरित की गई, ताकि कार्य शीघ्र प्रारंभ कराया जा सके। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने कहा कि जिन विद्यालयों का चयन किया गया है, वहां लंबे समय से मरम्मत और नए निर्माण की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इस योजना के अंतर्गत जर्जर भवनों को सुरक्षित, मजबूत और सुविधायुक्त बनाया जाएगा। कक्षों की दशा सुधारी जाएगी, आवश्यक आधारभूत सुविधाएं विकसित की जाएंगी और विद्यार्थियों के लिए बेहतर अध्ययन वातावरण तैयार किया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखी जाएगी और समय समय पर स्थलीय निरीक्षण भी कराया जाएगा। उद्देश्य यह है कि सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को निजी विद्यालयों के समान सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण मिल सके। शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में इसे जनपद की महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

गड्ढा मुक्त अभियान : मशीनों से पैच वर्क का काम कर रहा गाजियाबाद नगर निगम

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम का निर्माण विभाग गड्ढा मुक्त अभियान के तहत मुख्य सड़कों और आंतरिक गलियों में मशीनों के माध्यम से पैच वर्क का काम कर रहा है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने सड़कों को पूर्ण रूप से गड्ढा मुक्त बनाए रखने के लिए मुख्य अभियंता निर्माण तथा टीम को निर्देश दिए थे। इंदिरापुरम, मोहन नगर, वसुंधरा, विजयनगर, कविनगर तथा सिटी जोन में भी निर्माण विभाग टीम ने गड्ढा मुक्त अभियान चलाया। नगर आयुक्त ने निर्माण की टीम को छोटे गड्ढों का बड़ा होने से पहले ही भराव करने के लिए कहा था। छोटे गड्ढे समय पर विशेष ध्यान देते हुए भरे जाएं ताकि छोटे गड्ढे बड़े होने पर किसी प्रकार की असुविधा का कारण ना बने। अभियान के तहत निगम की प्रमुख सड़कों का स्थलीय निरीक्षण किया गया था। निरिक्षण के बाद छोटे व बड़े गड्ढों को भरा जा रहा है, जिसमें प्रथम चरण में ग्रेन्यूलर सब बेस से गड्ढे को भरा जा रहा है।

उसके बाद तारकोल मैक्स मटेरियल का इस्तेमाल करते हुए समतल कराया जा रहा है। मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि रेडी मिक्स मटेरियल का इस्तेमाल करते हुए निगम की प्रमुख सड़कों को पूर्ण रूप से गड्ढा मुक्त किया जा रहा है। पिछले एक सप्ताह से अभियान जारी है। बड़े गड्ढे के साथ-साथ छोटे गड्ढों का भी भराव किया जा रहा है।

घर के बाहर संदिग्ध दशा में मिला युवक का शव, क्षेत्र में मचा हड़कंप, पुलिस जांच तेज

हापुड़ (शिखर समाचार) बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के गांव उपैड़ा में उस समय अफरा तफरी का माहौल बन गया जब एक युवक का शव उसके ही घर के बाहर संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिला। सुबह के समय घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर शव को अपने कब्जे में लेकर चिकित्सीय परीक्षण के लिए भिजवाया और मामले की गहन पड़ताल शुरू कर दी है। गांव उपैड़ा निवासी सोनू (29 वर्ष) का शव घर के बाहर जमीन पर पड़ा देखा गया। परिजनों ने जब युवक को इस हालत में देखा तो उनके होश उड़ गए और ग्रामीणों को बुलाया गया। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। बाद में पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक मुनीश प्रताप सिंह पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने आसपास के लोगों और परिजनों से पूछताछ की तथा घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कराया। प्राथमिक जानकारी में यह बात सामने आई है कि युवक नशे का सेवन करता था। कयास लगाया जा रहा है कि रात के समय घर पहुंचने पर उसकी तबीयत बिगड़ी, उल्टी हुई और वह वहीं गिर पड़ा, जिसके बाद उसकी सांसें थम गईं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मृत्यु का सही कारण शव परीक्षण रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच आगे बढ़ाई जा रही है, ताकि घटना की वास्तविक स्थिति सामने लाई जा सके।

दिन के उजाले में राशन विक्रेता के घर धावा, हथियार दिखाकर जेवरात लूटे, पुलिस ने शीघ्र पदार्फाश का जताया भरोसा

बिजनौर (शिखर समाचार) हीमपुर दीपा क्षेत्र के गांव मंडोरा जट में शनिवार सुबह उस समय दहशत फैल गई जब तीन बदमाश दिनदहाड़े एक राशन विक्रेता के मकान में घुस आए और घर के भीतर मौजूद महिला को चाकू दिखाकर अलमारी का ताला तोड़ लाखों की कीमत के सोने-चांदी के जेवरात समेटकर फरार हो गए। वारदात से पूरे इलाके में भय का माहौल बन गया है। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और निगरानी कैमरों की फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का दावा किया है। जानकारी के अनुसार गांव मंडोरा जट निवासी राशन विक्रेता अमित कुमार के घर सुबह के समय एक महिला और दो पुरुष संदिग्ध हालात में पहुंचे और सीधे अंदर घुस गए। उस वक्त घर में अमित कुमार की पत्नी शिवानी अपने तीन माह के बच्चे को आंगन में दूध पिला रही थी। आरोप है कि घुसते ही बदमाशों ने महिला के गले पर चाकू लगा दिया और डराकर लूटपाट शुरू कर दी।

इसके बाद कमरे में रखी अलमारी का लॉकर तोड़ा गया और उसमें रखे कीमती आभूषण निकाल लिए गए। पीड़िता ने विरोध किया तो उसके साथ हाथापाई भी की गई। शोर सुनकर आसपास के लोग घर की ओर दौड़े, लेकिन तब तक तीनों हमलावर सामान लेकर भाग निकले। शिवानी के अनुसार बदमाशों का हुलिया भिखारियों जैसा लग रहा था, जिससे किसी को शुरूआती तौर पर उन पर शक नहीं हुआ। घटना के समय घर में वह और उसका मासूम बेटा ही मौजूद थे। बताया गया है कि अमित कुमार अपनी बहन को परीक्षा दिलाने मुरादाबाद गए हुए थे, जबकि उनके पिता योगेंद्र सिंह पशुओं के लिए चारा लेने खेत की ओर गए थे। परिवार का एक अन्य सदस्य सुमित सेना में तैनात है और वर्तमान में श्रीनगर में नियुक्त है। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, अपर पुलिस अधीक्षक प्रकाश कुमार और क्षेत्राधिकारी चांदपुर देशदीपक पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर जानकारी जुटाई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आसपास लगे निगरानी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाली जा रही है और संदिग्धों की पहचान के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। उनका कहना है कि घटना का शीघ्र खुलासा किया जाएगा। गौरतलब है कि मकान चारों ओर से ऊंची दीवारों से घिरा है और प्रवेश के लिए दो दरवाजे बने हैं। एक दरवाजा अंदर से बंद था जबकि दूसरा बाहर से बंद बताया गया, जिसे खोलकर बदमाश भीतर पहुंचे। इसी बिंदु को लेकर पुलिस गहन जांच में जुटी है।

कॉलोनी में महिला से दुष्कर्म का आरोप, नामजद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मोदीनगर (शिखर समाचार) नगर की एक आवासीय कॉलोनी में महिला के साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने नामजद व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पुलिस को दी गई शिकायत में महिला ने बताया कि वह अपने पति, बच्चों और सास के साथ कॉलोनी में किराए के मकान में रहती है। मकान दिलाने में उसके पति के एक परिचित ने मदद की थी। महिला का पति नोएडा स्थित एक संस्थान में नौकरी करता है। शिकायत के अनुसार 5 फरवरी को बच्चे घर की छत पर खेल रहे थे और सास घरेलू काम में व्यस्त थीं। इसी दौरान पति का परिचित व्यक्ति घर पहुंचा और मौका पाकर महिला को कमरे में ले जाकर जबरन दुष्कर्म किया। महिला के शोर मचाने पर सास मौके पर पहुंची, जिसे देखकर आरोपी फरार हो गया। थाना पुलिस का कहना है कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव ईसापुर निवासी लखन के विरुद्ध संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। महिला का चिकित्सकीय परीक्षण कराया जा रहा है तथा न्यायालय में बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया भी की जाएगी। पुलिस आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है।

जमीन सौदे में धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज, बार एसोसिएशन सचिव के खिलाफ रिपोर्ट पर वकीलों का तहसील में धरना

मोदीनगर (शिखर समाचार) जमीन खरीद फरोख्त से जुड़े लेनदेन विवाद में मोदीनगर बार एसोसिएशन के सचिव नकुल त्यागी समेत दो लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज होने के बाद अधिवक्ताओं में तीखी नाराजगी फैल गई। आक्रोशित वकीलों ने तहसील मुख्यालय पहुंचकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान धरने पर बैठ गए। जानकारी के अनुसार मेरठ जिले के इकला गांव निवासी मुकुल सांगवान ने संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायत देकर बताया कि भोजपुर थाना क्षेत्र के सैदपुर गांव निवासी सुमित ने उससे कृषि भूमि बेचने का अनुबंध किया था। आरोप है कि तय समझौते के बावजूद जमीन का बैनामा उसके नाम न कर किसी अन्य व्यक्ति के नाम कर दिया गया। शिकायतकर्ता ने इस पूरे प्रकरण में सुमित के साथ नकुल त्यागी की भूमिका होने का भी आरोप लगाया। शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने सुमित और नकुल त्यागी के विरुद्ध धोखाधड़ी से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। जैसे ही यह जानकारी अधिवक्ताओं को मिली, वे एकजुट होकर तहसील पहुंचे और पुलिस कार्रवाई को पक्षपातपूर्ण बताते हुए विरोध शुरू कर दिया। अधिवक्ताओं का कहना है कि नकुल त्यागी को साजिश के तहत झूठे मामले में फंसाया गया है और रिपोर्ट वापस ली जानी चाहिए। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान उप जिलाधिकारी अजीत कुमार और सहायक पुलिस आयुक्त भास्कर वर्मा शिकायतें सुन रहे थे। इसी दौरान वकीलों ने नारेबाजी करते हुए धरना शुरू कर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मुकदमा समाप्त नहीं किया गया तो अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी। अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं को निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

संक्षिप्त समाचार

रात में पछुआ हवा से होगी सिहरन, दिन में गुनगुनी धूप देगी राहत

लखनऊ , एजेंसी। लखनऊ। राजधानी के मौसम में अगले कुछ दिनों तक ठहराव के साथ राहत के संकेत हैं। बीते 48 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में 4.8 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के गुजरने के बाद वातावरण साफ हुआ है, जिससे न्यूनतम तापमान में कमी और अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी देखी गई।

आर्टिफिशियल ज्वेलरी बनाने का दिया प्रशिक्षण

लखनऊ , एजेंसी। सुल्तानपुर मार्ग स्थित ब्रह्माकुमारीज राजयोग प्रशिक्षण केंद्र गुलजार उपवन में पांच दिवसीय निशुल्क कौशल विकास कार्यशाला बृहस्पतिवार को शुरू हुई। इसमें महिलाओं को पेंटिंग, सॉफ्ट टॉय निर्माण, मेहंदी कला, गणेश मूर्ति निर्माण एवं आर्टिफिशियल ज्वेलरी डिजाइनिंग का प्रशिक्षण दिया गया। राजयोगिनी राधा दीदी ने आंतरिक शक्ति और आत्मनिर्भरता को जागृत करने का संदेश दिया। लघु उद्योग भारती महिला इकाई की सचिव प्रियंका वर्मा, इनर व्हील क्लब लखनऊ ट्रांसगोमती की अध्यक्ष सुनीता रमन ने महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। लघु उद्योग भारती की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं इनर व्हील क्लब की ट्रांसगोमती चार्टर प्रेसिडेंट रीता मित्तल सह आयोजक के रूप में मौजूद रहीं।

क्रिप्टो करेंसी के नाम पर चार लोगों से एक करोड़ रुपये की ठगी, तीन गिरफ्तार

गाजियाबाद , एजेंसी। एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि लोनी थाना पुलिस को सालेह नगर कॉलोनी निवासी शिवकुमार ने 4 फरवरी को शिकायत देकर केस दर्ज कराया। पीड़ित का आरोप है कि अपरकोट निवासी कैफ, अमन, जमशेद व रुचिर निवासी कोयल एंकलेव थाना टीला मोड़ ने क्रिप्टो करेंसी में 60 लाख रुपये का निवेश कराया था। इसके एवज में मोटी रकम मिलने का लालच दिया था। सारी रकम अपने खाते में ट्रांसफर कराई थी। जब रुपये ट्रांसफर हो गए तो उसने शिव कुमार का फोन सुनना ही बंद कर दिया। आरोप है कि पीड़ित आरोपियों से मिला और अपने रुपये वापस मांगे तो गाली गलौज कर उसे जान से मारने की धमकी दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू की। जांच में अबुबकर निवासी अपर कोट का नाम प्रकाश में आया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को कैफ, अबुबकर निवासी अपरकोट व रुचिर निवासी कोयल एंक्लेव निवासी थाना टीला मोड को राशिद अली गेट लोनी से गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे लोगों को क्रिप्टोकरेंसी में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर ठगी करते है। शिव कुमार को भी मुनाफा कमाने का लालच देकर अपने खाते में रुपये ट्रांसफर करा लिए थे। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अब तक चार लोगों से एक करोड़ रुपये की ठगी कर चुके हैं। एसीपी ने बताया कि पुलिस गिरोह के भागे हुए आरोपी अमन व जमशेद निवासी अपरकोट की तलाश में जुटी है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। एसीपी ने बताया कि पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने खुलासा किया है कि जिन लोगों से वह रकम लेते थे। उनको वह विदेश भेज कर डॉलर में कन्वर्ट कर देते थे। इसके बाद वह डॉलर को रुपये में बदलवा देते थे। बदले हुए रुपयों को वह अपनी जरूरत के इस्तेमाल करते थे। जिन लोगों का रुपया वह लेते थे उन्हें शेयर मार्केट में नुकसान होने की बात कहकर बहका देते थे। एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि अभी केवल एक पीड़ित सामने आया है। जबकि तीन और लोगों से रुपये ठगे जाने की बात आरोपियों ने स्वयं कबूल की है। ऐसे में जिन लोगों के साथ ठगी हुई है वह थाने आकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

स्मार्ट सिटी आगरा की सड़कों का हाल तो देखिए, हर एक तस्वीर बयां कर रही दर्द

कितनी मुसीबत झेल रहे लोग

आगरा , एजेंसी। स्मार्ट सिटी आगरा की सड़कों का हाल बेहाल है। पुलिस ने जो डायवर्जन किया, उससे मुसीबत और भी बढ़ गई। नामनेर और प्रधान डाकघर मार्ग पर भीषण जाम लगा रहा। ऐसे में वाहन रेंग-रेंगकर चले।

एमजी रोड पर मेट्रो के काम से लोगों की समस्या बढ़ गई है। बृहस्पतिवार को अवंतीबाई चौराहे से प्रतापपुरा के बीच बैरिकेडिंग लगाने से चार पहिया वाहन और सिटी बसें नहीं निकल सकीं। बदले हुए मार्ग पर अतिक्रमण न हटने से निकलना मुश्किल हो गया। दो मिनट की दूरी तय करने में 15 से 20 मिनट लगा।शाम को वाहनों के दबाव से डायवर्ट रूट पर वाहनों की कतार लग गई। फतेहाबाद मार्ग पर होटल और मैरिज होम में शादियों के आयोजन की वजह से वाहन फंस गए। अवंतीबाई चौराहा-प्रतापपुरा के बीच मेट्रो ने बुधवार रात से बैरिकेडिंग लगाने का काम शुरू किया। इस कारण मार्ग पर रास्ता नहीं बचा है। दोपहिया वाहन ही निकल सकते हैं। ग्वालियर मार्ग, सदर की तरफ से आने वाले चार पहिया वाहन और सिटी बसों को साईं का तकिया के लिए कैंट चौराहे से नामनेर होते हुए निकाला जा रहा है। वहीं प्रतापपुरा से सदर की तरफ जाने वाले चार पहिया वाहनों को प्रधान डाक घर होते हुए माल रोड से निकाला जा रहा है।

प्रतापपुरा से प्रधान डाकघर की तरफ जाने वाले मार्ग पर कार डेकोरेशन की दुकानें हैं। दुकानों के बाहर अतिक्रमण रहता है। आम दिनों में भीड़ की वजह से यहां पर वाहन फंस जाते हैं। अब रूट डायवर्ट होने से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।रूट डायवर्जन के पहले दिन सुबह और दोपहर में राहत रहीं, लेकिन शाम को वाहनों का दबाव बढ़ने पर जाम लग गया। इसी तरह नामनेर होते हुए आने वाले वाहनों को भी जाम में फंसना पड़ा। पुलिस और मेट्रो के मार्शल डायवर्जन पॉइंट पर तैनात थे। वो चार पहिया वाहनों को रास्ता दिखा रहे थे। मगर आगे जाने पर अतिक्रमण से दिक्कत हो रही थी।

शहर की सबसे व्यस्त और वीआईपी फतेहाबाद रोड पर नमामि गंगे परियोजना की सुस्त चाल परेशानी का सबब बनी हुई है। मुगल की पुलिया से शहीद शुभम गुप्ता मेट्रो स्टेशन तक सीवर लाइन डालने के नाम पर डेढ़ महीने पहले खोदी गई सड़क ने इस प्रमुख मार्ग को जाम से परेशान कर दिया है। रात तकरीबन 8 बजे से 12 तक वाहनों की कतारें लग रही हैं। यह समस्या इनर रिंग रोड तक रहती है। लोगों को मैरिज और होटल से आने और जाने के लिए रास्ता नहीं मिलता है।

रावली पर भी मेट्रो के पिलर की खुदाई का काम शुरू है। इसके लिए एक तरफ बैरिकेडिंग लगाई गई हैं। ऐसे में साईं का तकिया और छीपीटोला से आने वाले वाहन रास्ता संकरा होने की वजह से फंसने लगे हैं। यह समस्या पीक आवर्स में विकराल हो जाती है। यातायात व्यवस्था को संभालने के लिए ट्रैफिक पुलिस के साथ ही थाना रकाबगंज पुलिस को भी लगना पड़ता है। इसके अलावा नालबंद से आगरा कॉलेज की तरफ भी रास्ता कम बचने के कारण वाहनों की लाइन लग रही है। पुलिस ने पूर्व में एमजी रोड की जगह लोगों से वैकल्पिक मार्ग का प्रयोग करने की अपील की थी। मगर इन रास्तों पर पहले से ही अतिक्रमण की वजह से जाम लगा रहता है। बोदला, शाहगंज, लोहामंडी, तोता का ताल पर जगह-जगह दुकानों के बाहर अतिक्रमण की समस्या है। पुलिस के साथ ही नगर निगम का प्रवर्तन दल भी ध्यान नहीं देता है। इस वजह से स्कूलों की छुट्टी के बाद निकलने वाले वाहनों को रास्ता नहीं मिलता है।

विराट हिन्दू सम्मेलन 10 को, 8 फरवरी को निकलेगी भव्य बाइक रैली

मुरादनगर (शिखर समाचार)। रामलीला मैदान, चुंगी नं. 3, रावली रोड पर आगामी 10 फरवरी को आयोजित होने वाले विराट हिन्दू सम्मेलन के संबंध में आज एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। वार्ता में हिन्दू सम्मेलन समिति के संरक्षक चंद्रपाल सिंह एवं अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभर में विभिन्न स्थानों पर हिन्दू सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन का उद्देश्य हिन्दू धर्म, हिन्दू संस्कृति एवं हिन्दू समाज की बंधुता, परस्पर प्रेम, सहयोग एवं स्वाभिमान के संरक्षण हेतु जागरूकता लाना है। सम्मेलन के मुख्य अतिथि पूज्य स्वामी दीपांकर जी महाराज होंगे और मुख्य वक्ता सह बौद्धिक प्रमुख, मेरठ प्रांत सुनील जी एवं विभाग प्राचारक अतुल जी रहेंगे। वीरेंद्र गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन से दो दिन पूर्व 8 फरवरी को प्रातः 11 बजे रैपिड स्टेशन से एक भव्य बाइक रैली निकाली जाएगी, जिसमें लगभग 250 बाइक एवं ट्रैक्टर शामिल रहेंगे। रैली रैपिड स्टेशन से प्रारंभ होकर बस स्टैंड, मेन रोड, मेन बाजार होते हुए चुंगी नं. 3 पर समाप्त होगी। इस अवसर पर मनोज शर्मा ने कहा कि हिन्दू धर्म की सभी जातियों और वर्गों को एक मंच पर लाना सम्मेलन का उद्देश्य है। उन्होंने सम्मेलन को सफल बनाने हेतु अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता की अपील की। इस अवसर पर योगेंद्र गुप्ता 'लिली', विश्रांत कौशिक, दीपक मित्तल, मोहित मुंडे, नीरज शर्मा आदि उपस्थित रहे।

युवा कल्याण अधिकारी व घरवालों पर दहेज उत्पीड़न की एफआईआर

लखनऊ , एजेंसी। लखनऊ। हरदोई में तैनात युवा कल्याण अधिकारी शिवाकांत द्विवेदी व उनके घरवालों के खिलाफ पत्नी ने दहेज की मांग, शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न और हत्या के प्रयास का आरोप लगाया है। जानकीपुरम पुलिस ने तहरीर के आधार पर शिवाकांत, उनके माता-पिता, बहन और एक युवती के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

बख्शी का तालाब के देवरई कला गांव निवासी निकिता तिवारी के अनुसार, उनका विवाह 14 फरवरी 2025 को शिवाकांत द्विवेदी से हुआ था। विवाह के समय शिवाकांत युवा कल्याण अधिकारी के पद पर लखनऊ में संबद्ध थे। कुछ माह बाद ट्रांसफर हरदोई हो गया। विवाह में लाखों रुपये खर्च होने और दहेज में थार गाड़ी देने के बावजूद ससुराल पक्ष संतुष्ट नहीं था। कुछ समय बाद ही पति, सास सुषमा, ससुर नारायण द्विवेदी और ननद क्षमा ने 25 लाख रुपये नकद और फॉर्च्यूनर गाड़ी की मांग शुरू कर दी। विरोध करने पर मारपीट और गाली-गलौज की गई।

निकिता ने आरोप लगाया कि पति का एक अन्य महिला से संबंध है। इसका विरोध करने पर शिवाकांत ने गला दबाकर उनकी हत्या का प्रयास किया। उनके आभूषण भी रख लिए गए और उन्हें मायके भेज दिया गया। पति सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणियां कर उन्हें बदनाम कर रहे हैं और झूठे मामले में फंसाने व आत्महत्या की धमकी दे रहे हैं। दहेज की मांग पूरी न होने पर तलाक की धमकी भी दी जा रही है। इंस्पेक्टर जानकीपुरम विनोद कुमार तिवारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

यूपी में जमीन की रजिस्ट्री के लिए आधार के बाद पैन भी अनिवार्य

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में अब घर, दुकान या जमीन की रजिस्ट्री कराना पहले के मुकाबले अधिक सख्त हो गया है। यूपी की योगी सरकार ने संपत्तियों के लेनदेन में वित्तीय अपराधों की रोकथाम और राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्थाई खाता संख्या (पैन) को अनिवार्य रूप से लिंक करने का आदेश जारी किया है। महानिरीक्षक निबंधन नेहा शर्मा ने इस संबंध में प्रदेश के सभी विभागीय अधिकारियों को कड़े निर्देश भेज दिए हैं।

भारत-नेपाल सीमा पर संदिग्ध गतिविधियों पर लगाम : सरकार के इस फैसले के पीछे सबसे बड़ा कारण भारत-नेपाल सीमा से सटे जिलों में संपत्तियों की रजिस्ट्री की संख्या में अचानक आई भारी बढ़ोतरी है। शासन की जांच में यह बात सामने आई है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में संपत्तियों के लेनदेन में बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ियां की जा रही हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर, शासन ने यह तय किया है कि अब प्रदेश की किसी भी रजिस्ट्री में पैन कार्ड के बिना प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ेगी।

ऑनलाइन सॉफ्टवेयर में सत्यापन की व्यवस्था : महानिरीक्षक निबंधन द्वारा जारी निर्देश के अनुसार, अब सभी सहायक महानिरीक्षक और उप निबंधकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि पक्षकारों के पैन कार्ड का ऑनलाइन सत्यापन किया जाए। रजिस्ट्री के लिए किए जाने वाले ऑनलाइन आवेदन में पैन कार्ड का कॉलम अनिवार्य कर दिया गया है। विभाग के ऑनलाइन रजिस्ट्री सॉफ्टवेयर में पैन कार्ड के रियल-टाइम सत्यापन की व्यवस्था पहले ही पूरी की जा चुकी है।

आधार के बाद अब पैन का 'कड़ा पहरा' : उत्तर प्रदेश सरकार संपत्तियों की रजिस्ट्री में होने वाली धांधली और बेनामी संपत्तियों पर नकेल कसने के लिए लगातार कदम उठा रही है। आधार की अनिवार्यताः कुछ समय पहले ही राज्य सरकार ने रजिस्ट्री में आधार कार्ड को लिंक करना अनिवार्य किया था। विभागीय मंत्री रवींद्र जायसवाल का मानना है कि संपत्तियों के लेनदेन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी डिजिटल साक्ष्य अनिवार्य होने चाहिए। आधार के बाद अब पैन कार्ड की अनिवार्यता से फर्जीवाड़े और काले धन के निवेश पर प्रभावी रोक लगेगी। इस नए नियम के लागू होने से अब उन लोगों के लिए मुश्किलें बढ़ जाएंगी जो बिना वैध पहचान या आय के स्रोतों को छिपाकर संपत्तियों में निवेश करते थे। सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश का रियल एस्टेट सेक्टर पूरी तरह पारदर्शी और सुरक्षित बने।

उत्तराखंड की बेटी और कोटद्वार के बेटे के न्याय की आवाज को उठाने पर इमरान प्रतापगढ़ी का दिल्ली में विशेष स्वागत

बिजनौर (शिखर समाचार) उत्तराखंड के न्याय और सच्चाई के समर्थन में राज्यसभा में जोरदार आवाज उठाने पर मशहूर शायर और राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी का दिल्ली में उत्तराखंड राज्य आंदोलन के नेताओं ने भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर टिहरी जनपद के पूर्व राज्य मंत्री सैयद मुसरफ अली, राज्य आंदोलनकारी कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश राणा और बिजनौर के सामाजिक कार्यकर्ता बाबुल हसन मौजूद रहे और उन्होंने सांसद को धन्यवाद ज्ञापित किया। राज्य आंदोलन से जुड़े नेताओं ने कहा कि जिस प्रदेश से पांच लोकसभा सांसद और तीन राज्यसभा सांसद केंद्र सरकार में बैठे हैं, उन्होंने आज तक इस तरह के संवेदनशील न्यायिक मामलों को उठाने का प्रयास नहीं किया। वहीं, सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने न केवल उत्तराखंड की बेटी अंकिता भंडारी के न्याय के लिए आवाज उठाई, बल्कि कोटद्वार के दीपक के साथ हुए अन्याय और सरकारी दबावों के मामले को भी सार्वजनिक रूप से सामने रखा। बिजनौर कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष बाबुल हसन ने कहा कि सांसद ने देश के विभिन्न हिस्सों में महिलाओं और बच्चों के साथ हो रहे अत्याचार और अन्याय की घटनाओं को भी राज्यसभा में उजागर किया। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि सत्ता के नशे में चूर लोग जाति, धर्म और मंदिर मस्जिद के नाम पर समाज में विष घोलने का प्रयास कर रहे हैं, और सांसद ने इन कुप्रथाओं के खिलाफ भी अपनी आवाज बुलंद की। पूर्व राज्य मंत्री सैयद मुसरफ अली ने बताया कि यह कदम न केवल उत्तराखंड के परिवारों के लिए राहत का कारण बना, बल्कि पूरे देश में न्याय की उम्मीद जगाने वाला भी साबित हुआ। राकेश राणा ने कहा कि ऐसे मुद्दों को संसद में उठाना नेताओं की जिम्मेदारी और समाज के प्रति उनके ईमानदारी का परिचायक है।

इस मौके पर उपस्थित सभी नेताओं ने कहा कि इमरान प्रतापगढ़ी की पहल से राज्य और देश में न्याय और समानता की उम्मीद को नया संबल मिला है, और यह एक मिसाल बनकर समाज में सकारात्मक संदेश फैलाने वाला कदम है।

20 दिन बाद जिले में फिर शुरू हुई वाहनों की फिटनेस जांच

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद। 20 दिन बाद जिले में वाहनों की फिटनेस जांच का काम फिर शुरू हो गया। पहले दिन 25 वाहनों की फिटनेस जांच भी की गई। आगामी दिनों में यह संख्या बढ़कर रोजाना 70-80 पहुंचने का अनुमान है। हालांकि, पहले से संचालित फिटनेस केंद्र पर अभी भी अपग्रेडेशन का काम चल रहा है। डासना में ही दूसरा फिटनेस जांच केंद्र खुलने से लोगों को यह राहत मिली है। 17 जनवरी से फिटनेस बंद होने की वजह से यहां के लोगों को आसपास के जिलों में फिटनेस जांच कराने के लिए जाना पड़ रहा था। फिटनेस केंद्र पर रोजाना जिले भर के 70-80 वाहनों की फिटनेस जांच होती है। पुराने फिटनेस जांच केंद्र पर 17 जनवरी से जांच बंद हुई तो लोगों को इससे परेशानी हो रही थी। ट्रांसपोर्टर यूनियन की ओर से इस संबंध में आरटीओ को ज्ञापन देकर फिटनेस जांच शुरू कराए जाने की मांग की गई थी। संभागीय निरीक्षक तकनीकी विवेक खरवार ने बताया कि जिले में दूसरे फिटनेस केंद्र पर वाहनों की जांच शुरू हो गई है। पुराने फिटनेस केंद्र पर जांच शुरू होने में अभी और वक्त लगेगा, लेकिन अब लोगों को बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। डंपर, ट्रैक्टर, रोलर आदि 15 से अधिक प्रकार के वाहनों की फिटनेस जांच आरटीओ में ही की जा रही है।

सवाईकल कैंसर की रोकथाम में टीकाकरण अहम

लखनऊ , एजेंसी। कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष डॉ. उमा शंकर पाल ने स्वागत भाषण से किया। फेफड़ों के कैंसर पर विशेष व्याख्यान कार्यक्रम में इसकी बढ़ती व्यापकता का सबसे बड़ा कारण तंबाकू का सेवन, पर्यावरणीय प्रदूषण और अस्वस्थ जीवनशैली को बताया गया। मौके पर पद्मश्री डॉ. राजेंद्र प्रसाद, पद्मश्री डॉ. शादाब मोहम्मद, प्लास्टिक सर्जन डॉ. विजय कुमार, डॉ. हरिराम, डॉ. प्रदीप टंडन, डॉ. अमिय अग्रवाल, डॉ. अरुणेश तिवारी और डॉ. अखिलेश पांडेय मौजूद रहे।

ऑपरेशन प्रहार : कंट्री मेड पिस्टल बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 3 अभियुक्त गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)।ऑपरेशन प्रहार के तहत पुलिस लगातार अपराधियों पर कार्यवाही कर रही है। अभियान के तहत क्राइम ब्रांच ने थाना वेव सिटी पुलिस के साथ मिलकर कंट्री मेड पिस्टल बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 3 अभियुक्त ऋषिक, पवन और आदित्य को चेकिंग के दौरान थाना वेव सिटी क्षेत्र से गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके पास से 3 पिस्टल, 3 जिन्दा कारतूस मय मैगजीन और 1 काले रंग की स्कॉर्पियों एन गाडी बरामद की। खास बात यह है कि यह गैंग सोशल मिडिया पर कंट्री मेड पिस्टल की फोटो और वीडियो डालकर ग्राहकों से संपर्क किया करते था। इसी कड़ी में क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि थाना वेवसिटी क्षेत्र में हथियार बेचने वाला गिरोह आने वाला है। गिरोह को गिरफ्तार करने के लिए चेकिंग अभियान शुरू किया गया। चेकिंग के दौरान एक लग्जरी गाड़ी को रोका गया, जिसमें तीन अभियुक्त सवार थे। पुलिस ने जब गाड़ी की तलाशी ली तो उसमें से कंट्री मेड पिस्टल बरामद हुई। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि यह पिस्टल प्रिंस और गोलू से खरीदी थी। वह पहले भी इनसे कई पिस्टल खरीद चुके है। पिस्टल को इनसे कम दामों में खरीद कर आगे अच्छे दामों में बेच दिया करते थे, जिनसे काफी मुनाफा होता था। एसीपी क्राइम अतुल कुमार सक्सेना ने बताया कि कंट्री मेड पिस्टल बेचने वाले गिरोह के 3 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी की जा रही है। पकड़े गए तीनों अभियुक्त पिस्टल खरीद कर बेचने का काम किया करते थे और ग्राहकों को दिखाने के लिए वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करते थे।

हापुड़ तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित, 21 में से 4 शिकायतों का तत्काल निस्तारण

हापुड़ (शिखर समाचार) तहसील परिसर में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय और पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों से जुड़ी जनसमस्याएं सुनी गईं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। समाधान दिवस में कुल 21 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 4 मामलों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया। जिलाधिकारी ने उपस्थित जनपद स्तरीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप हर शिकायत का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचना अनिवार्य है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि लंबित प्रकरणों को तय समय सीमा के भीतर निपटाया जाए। साथ ही जिन कर्मचारियों की ड्यूटी विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य में लगाई गई है, वे उसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें। यह भी बताया गया कि निर्वाचन आयोग ने आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 6 मार्च 2026 कर दी है।

समाधान दिवस में आए लोगों से अपील की गई कि शिक्षा का अधिकार योजना के तहत बच्चों के प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन अधिक से अधिक संख्या में करें, ताकि पात्र बच्चों को योजना का लाभ मिल सके।

कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी हापुड़, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, तहसीलदार, पुलिस क्षेत्राधिकारी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

केपीएमजी इंडिया सर्विसेज एलएलपी और आईटीएस मोहन नगर यूजी परिसर के बीच शैक्षणिक सहयोग, बीबीए विद्यार्थियों को मिलेगा उन्नत उद्योग आधारित प्रशिक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार) प्रबंधन शिक्षा को सीधे उद्योग से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए आईटीएस मोहन नगर स्नातक परिसर, गाजियाबाद ने केपीएमजी इंडिया सर्विसेज एलएलपी के साथ शैक्षणिक सहयोग का औपचारिक समझौता किया है। इस साझेदारी का उद्देश्य स्नातक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों, विशेषकर बीबीए पाठ्यक्रम के छात्रों को व्यावहारिक, रोजगारोन्मुख और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है, ताकि वे पढ़ाई के साथ-साथ पेशेवर दुनिया की वास्तविक चुनौतियों के लिए तैयार हो सकें।

संस्थान प्रबंधन के अनुसार यह सहयोग केवल औपचारिक शैक्षणिक समझौता नहीं, बल्कि एक व्यापक प्रशिक्षण पहल है, जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों को संरचित प्रशिक्षण, व्यवहारिक परियोजनाएं, कॉर्पोरेट कार्यप्रणाली की समझ और पेशेवर दक्षताओं का विकास कराया जाएगा। संस्थान के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने कहा कि संस्थान का लक्ष्य विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित ज्ञान देना नहीं, बल्कि उन्हें आने वाले वर्षों की प्रतिस्पर्धी परिस्थितियों के अनुरूप सक्षम बनाना है। उन्होंने कहा कि उत्कृष्टता संस्थान की कार्यसंस्कृति का मूल आधार है। इस सहयोग की शुरुआत आशय पत्र के आदान प्रदान और परिचयात्मक मार्गदर्शन कार्यक्रम के साथ की गई। इसके तहत केपीएमजी इंडिया सर्विसेज एलएलपी संस्थान के साथ मिलकर पूर्णकालिक उन्नत प्रशिक्षण उपलब्ध कराने वाला प्रमुख सहयोगी संस्थान बनेगा। इस व्यवस्था से छात्रों को उद्योग के वास्तविक कार्य वातावरण, निर्णय प्रक्रिया, प्रबंधन तकनीक और व्यावसायिक आचरण की प्रत्यक्ष समझ विकसित करने का अवसर मिलेगा। बताया गया कि बीबीए स्तर पर इस प्रकार का उन्नत और उद्योग केंद्रित प्रशिक्षण सामान्य रूप से परास्नातक या प्रबंधन स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में ही देखने को मिलता है, लेकिन इस पहल के माध्यम से स्नातक विद्यार्थियों को प्रारंभिक चरण में ही उच्च स्तरीय प्रबंधन प्रशिक्षण का लाभ मिलेगा। इससे आईटीएस के बीबीए पाठ्यक्रम की गुणवत्ता और उपयोगिता में उल्लेखनीय वृद्धि मानी जा रही है। यह संयुक्त पहल अनुभव आधारित शिक्षण, सुव्यवस्थित प्रशिक्षण और उद्योग सहभागिता पर आधारित है, जिसका उद्देश्य ऐसे पेशेवर तैयार करना है जो उद्योग और उद्यमिता दोनों क्षेत्रों में प्रभावी भूमिका निभा सकें। कार्यक्रम के माध्यम से कक्षा शिक्षण और वास्तविक व्यावसायिक कार्यप्रणाली के बीच की दूरी कम करने का प्रयास किया जाएगा। समझौते के अवसर पर आईटीएस समूह के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा तथा यूजी परिसर की प्राचार्या प्रोफेसर डॉ. नैंसी शर्मा ने केपीएमजी प्रतिनिधिमंडल के सदस्य एसोसिएट डायरेक्टर सचिन शर्मा और हृदयांकुर देव शर्मा सहित पूरी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सहयोग विद्यार्थियों को खोज, प्रयोग, सीखने और कौशल विकास के नए अवसर प्रदान करेगा। वहीं केपीएमजी प्रतिनिधियों ने भी संस्थान प्रबंधन और संकाय के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए इस शैक्षणिक साझेदारी को भविष्य के लिए उपयोगी बताया। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के प्राध्यापक और अन्य शैक्षणिक सदस्य भी मौजूद रहे। मीडिया प्रकोष्ठ ने इसे उद्योग समेकित प्रबंधन शिक्षा की दिशा में एक मजबूत और दूरगामी कदम बताया है।

क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने पकड़ी गांजे की बड़ी खेप, महिला सहित एक पुरुष अभियुक्त गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। के थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत कार्यवाही करते हुए गांजे की बड़ी खेप बरामद की है। पुलिस ने महिला अभियुक्ता ममता और पुरुष अभियुक्त दिनेश को गिरफ्तार करते हुए 2 किलो 236 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया। इतना ही नहीं पुलिस ने इनके पास से 2 लाख 57 हजार 900 रुपये की धनराशि भी बरामद की। यह अपने साथियों के साथ मिलकर गांजे की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर राहगिरों को बेचा करते थे। एसीपी वेवसिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि ऑपरेशन प्रहार के तहत पुलिस लगातार अपराधों पर अंकुश लगाने में जुटी हुई है। अभियान के तहत पुलिस ने इन दोनों को गिरफ्तार किया है। दोनों के पास से भारी मात्रा में अवैध गांजा और नगदी बरामद की गई है। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में कार्यवाही की जा रही है। इसके अलावा दिनेश के खिलाफ 4 मुलादमे विभिन्न धाराओं में दर्ज है। पुलिस पूछताछ में दोनों ने बताया कि उन्होंने भीमनगर में किराए का मकान ले रखा था और इसी किराए के मकान से वह इस काम को अंजाम दिया करते थे। ममता का पति गजेंद्र नेशनल हाईवे-9 से अज्ञात व्यक्ति से गांजे की सप्लाई लेता था। सप्लाई लेने के बाद उनकी छोटी-छोटी पुड़िया बनाई जाती थी और राहगिरों को बेची जाता था।

बादलपुर को शून्य अपशिष्ट गांव बनाने की पहल, स्वच्छता रैली और जनजागरण अभियान आयोजित

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) बादलपुर गांव को कचरा मुक्त और स्वच्छ क्षेत्र के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से शनिवार को व्यापक स्वच्छता रैली और जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का मकसद ग्रामीणों को गीले और सूखे कचरे को अलग अलग रखने तथा घर स्तर पर ही कचरा प्रबंधन की आदत अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। रैली के दौरान गांव की गलियों और प्रमुख मार्गों से होकर लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया गया और बताया गया कि यदि प्रत्येक परिवार कचरे का पृथक्करण शुरू कर दे, तो पूरे गांव को शून्य अपशिष्ट क्षेत्र के रूप में बदला जा सकता है। अभियान के अंतर्गत लोगों को समझाया गया कि घरेलू कचरे को अलग-अलग रखने से उसके निस्तारण में आसानी होती है और पर्यावरण प्रदूषण भी कम होता है। जागरूकता यात्रा के बाद फीडबैक फाउंडेशन की टीम ने स्वच्छता कर्मियों के साथ मिलकर पुस्तकालय के पीछे स्थित क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान चलाया। वहां जमा कचरे को हटाया गया और आसपास के इलाके को व्यवस्थित किया गया।

इस दौरान प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कर्मियों, गांव के नागरिकों, सफाई कर्मचारियों और फाउंडेशन के सदस्यों ने मिलकर श्रमदान किया। अभियान के दौरान लोगों से अपील की गई कि वे घर और मोहल्ले के आसपास कचरा इधर उधर न फेंकें और निर्धारित स्थान पर ही डालें। साथ ही यह भी बताया गया कि स्वच्छ वातावरण बनाए रखना केवल सरकारी व्यवस्था का काम नहीं, बल्कि हर नागरिक की साझा जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों ने अपने गांव को साफ सुथरा रखने, कचरे को अलग अलग जमा करने और बादलपुर को शून्य अपशिष्ट गांव बनाने में पूरा सहयोग देने का संकल्प लिया। इस पहल को लेकर ग्रामीणों में उत्साह दिखाई दिया और भविष्य में भी ऐसे अभियान जारी रखने की बात कही गई।

मार्ग चौड़ीकरण परियोजना का शुभारंभ, विधायक धीरेन्द्र सिंह ने किया भूमि पूजन

जेवर (शिखर समाचार) क्षेत्र के गांव मढ़ैया में शनिवार को यमुना बांध से तहसील तक जाने वाले महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण कार्य की औपचारिक शुरूआत भूमि पूजन के साथ की गई। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक धीरेन्द्र सिंह ने पहुंचकर विधि-विधान से भूमि पूजन कराया और कार्य शीघ्र पूरा कराने का भरोसा दिलाया।

जानकारी के अनुसार यह सड़क यमुना बांध से शुरू होकर गांव मढ़ैया, गोविन्दगढ़ स्थित गौशाला, सिरसा माचीपुर और साहब नगर होते हुए जेवर तहसील तक जाती है। करीब 7.7 किलोमीटर लंबे इस मार्ग को चौड़ा और मजबूत बनाया जाएगा। परियोजना पर लगभग 12 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि यह मार्ग कई गांवों के लिए मुख्य आवागमन का साधन है और इसके बेहतर बनने से क्षेत्रीय लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि मढ़ैया से हरियाणा की ओर भी सीधा संपर्क मार्ग है, ऐसे में सड़क चौड़ी होने से अंतरराज्यीय आवाजाही और अधिक सुगम हो जाएगी। किसानों, विद्यार्थियों और दैनिक यात्रियों को विशेष राहत मिलेगी।

उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की विकास योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि दोहरे इंजन की व्यवस्था में जेवर क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है और आधारभूत ढांचे को मजबूत किया जा रहा है।

भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण और स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण कार्य शुरू होने पर संतोष जताया और इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

यमुना प्राधिकरण पर 16 फरवरी को किसान एकता संघ की महापंचायत का ऐलान

रबूपुरा (शिखर समाचार)। किसानों की लंबित मांगों को लेकर किसान एकता संघ ने 16 फरवरी को यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण कार्यालय पर महापंचायत आयोजित करने की घोषणा की है। संगठन का कहना है कि आबादी निस्तारण, अतिरिक्त मुआवजा और अन्य किसान हित से जुड़े मुद्दे लंबे समय से लंबित हैं, लेकिन बार बार आंदोलन और ज्ञापन के बावजूद समाधान नहीं हो सका है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोरन प्रधान ने बताया कि महापंचायत को सफल बनाने के लिए क्षेत्र के गांव-गांव में जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। किसानों को उनकी समस्याओं और अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है तथा बड़ी संख्या में नए लोगों को संगठन से जोड़ा जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को खेरली भाव गांव में किसान एकता संघ की बैठक आयोजित की गई, जिसमें ग्रामीणों ने भाग लेकर महापंचायत में पहुंचने का आश्वासन दिया। बैठक के दौरान कई लोगों ने संगठन की सदस्यता भी ग्रहण की। बैठक में कृष्ण बैसला, मेहरबान अली, जोरा भाटी, अखिलेश प्रधान, प्रमोद शर्मा, विक्रम नागर, टोडी प्रधान, जगदीश प्रधान, पप्पे नागर, उमेद एडवोकेट, जगत सिंह, शब्बीर ऐछर और महेंद्र सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

तहसील सदर में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित, 20 शिकायतें दर्ज, 4 का मौके पर निस्तारण

बिजनौर (शिखर समाचार) तहसील सदर परिसर में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी जसजीत कौर ने की। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे और जनसमस्याओं को सुनकर उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि समाधान दिवस का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों से जोड़ते हुए उनकी शिकायतों का यथासंभव तत्काल निस्तारण सुनिश्चित करना है। यदि किसी कारण से मौके पर समाधान संभव न हो, तो संबंधित प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निपटारा एक सप्ताह के भीतर किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि यदि कोई शिकायतकर्ता बार-बार अपनी समस्या लेकर आ रहा है तो यह स्पष्ट संकेत है कि पहले उसकी बात को गंभीरता से नहीं लिया गया या समाधान संतोषजनक नहीं हुआ। ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए सभी विभाग जिम्मेदारी से कार्य करें। समाधान दिवस के दौरान कुल 20 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से 4 मामलों का निस्तारण मौके पर ही विभागीय अधिकारियों द्वारा कर दिया गया, जबकि बाकी शिकायतों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए तय समय सीमा में कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी सदर रितु रानी, क्षेत्राधिकारी नगर संग्राम सिंह, तहसीलदार समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बाबा शक्कर बरस औलिया के उर्स में सजी कब्बली महफिल, देर रात तक गूंजे सूफियाना कलाम

जेवर (शिखर समाचार) कस्बे की बड़ी दरगाह पर हजरत सुल्तान उल औलिया बाबा शक्कर बरस का 567वां उर्स पूरे अकीदत और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। उर्स का आयोजन 3 फरवरी से शुरू हुआ है, जो 8 फरवरी तक चलेगा। उर्स के दौरान दरगाह परिसर में रोजाना धार्मिक कार्यक्रमों के साथ रात में कब्बली महफिल सज रही है।

रात 9 बजे से शुरू होने वाले कब्बली कार्यक्रम में दूर-दराज से आए फनकार सूफियाना कलाम पेश कर रहे हैं। कार्यक्रम को सुनने के लिए हर रात बड़ी संख्या में अकीदतमंद और स्थानीय लोग दरगाह पहुंच रहे हैं। माहौल पूरी तरह रूहानी रंग में रंगा नजर आ रहा है। शनिवार सुबह कुरानखानी की रस्म अदा की गई। उर्स का समापन रविवार को कुलशरीफ की रस्म के साथ होगा। उर्स के दौरान प्रतिदिन सैकड़ों जायरीन दरगाह पर पहुंचकर जियारत कर रहे हैं और अपनी मुरादें मांग रहे हैं। इस अवसर पर वशीम कुरैशी, सन्नी कुरैशी, अब्दुल हमीद, सद्दाम इदरीशी, शकील फारुकी, वकील सलमानी, समीर सलमानी, सलीम सलमानी, शकील अहमद और जाहिद ठेकेदार सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

जनपद की तीनों तहसीलों में समाधान दिवस, 205 प्रकरण आए सामने, 10 शिकायतों का तत्काल निपटारा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। गौतमबुद्धनगर जिले की जेवर, दादरी और सदर तहसीलों में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया, जहां प्रशासनिक अधिकारियों ने आम लोगों की समस्याएं सुनकर उनके निस्तारण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई। तीनों तहसीलों को मिलाकर कुल 205 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 10 मामलों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि बाकी प्रकरण संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के निदेशों के साथ भेजे गए।

दादरी तहसील में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी ने की। यहां सबसे अधिक 132 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 7 मामलों का तत्काल निस्तारण कराया गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का स्थल पर जाकर सत्यापन किया जाए और तय समय सीमा में समाधान सुनिश्चित हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनसमस्याओं के समाधान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों और नागरिकों को बाल विवाह निषेध, नशा मुक्ति अभियान और मतदाता जागरूकता से जुड़ी शपथ भी दिलाई गई। लोगों से आह्वान किया गया कि बाल विवाह जैसी कुरीतियों को रोकने, नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने और 18 वर्ष पूर्ण कर चुके युवाओं का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने में सहयोग करें। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार, उपजिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा, तहसीलदार दादरी प्रतीक चौहान तथा पुलिस और अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। उधर, जेवर तहसील में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अतुल कुमार की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित हुआ, जहां 65 शिकायतें दर्ज की गईं और एक का मौके पर निपटारा किया गया। सदर तहसील में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मंगलेश दुबे की मौजूदगी में हुए कार्यक्रम में 8 प्रकरण आए, जिनमें से 2 शिकायतों का तुरंत समाधान कराया गया।

अमरपुर में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की कार्रवाई, 5 हजार वर्ग मीटर भूमि अतिक्रमण से मुक्त

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने पुलिस और जिला प्रशासन के संयुक्त सहयोग से अमरपुर गांव में अतिक्रमण के खिलाफ सख्त अभियान चलाते हुए लगभग 5000 वर्ग मीटर सरकारी भूमि को कब्जे से मुक्त कराया। प्राधिकरण के अनुसार मुक्त कराई गई जमीन की अनुमानित कीमत करीब 10 करोड़ रुपये आंकी गई है। जानकारी के मुताबिक सरकारी भूमि पर गांव के कुछ लोगों द्वारा अवैध कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा था। इसी जमीन को लेकर गांव के दो पक्षों के बीच विवाद भी चल रहा था। मामले को संज्ञान में लेते हुए प्राधिकरण ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की।

यह अभियान प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एन.जी. रवि कुमार और जिलाधिकारी मेधा रूपम के निर्देश पर चलाया गया। कार्रवाई के दौरान वर्क सर्किल-8 के प्रभारी नागेंद्र सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त अरविंद कुमार चहल, थाना प्रभारी अरविंद कुमार, स्थानीय चौकी प्रभारी, जिला प्रशासन की टीम, पुलिस बल और पीएसी के जवान मौजूद रहे। अतिक्रमण हटाने के बाद जमीन की तारबंदी कर उसे प्राधिकरण के कब्जे में लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, ताकि दोबारा कब्जे की कोशिश न हो सके। प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुमित यादव ने स्पष्ट कहा कि अधिसूचित क्षेत्र में सरकारी जमीन पर किसी भी प्रकार का कब्जा अवैध है और ऐसे मामलों में लगातार अभियान चलाकर जमीन मुक्त कराई जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि बिना अनुमति या बिना मानचित्र स्वीकृत कराए निर्माण करने वालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई होगी। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि किसी भी निजी कॉलोनाइजर के झांसे में आकर निवेश न करें और ग्रेटर नोएडा में जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण के भूलेख विभाग से सत्यापन अवश्य कर लें।

पंचशील बालक इंटर कॉलेज नोएडा में जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी, विद्यार्थियों के नवाचार मॉडल बने आकर्षण का केंद्र

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) सेक्टर 91 स्थित पंचशील बालक इंटर कॉलेज में जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें जिले के अनेक विद्यालयों से आए छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और विज्ञान आधारित अपने प्रयोगात्मक मॉडल प्रस्तुत किए। यह आयोजन मुख्य विकास अधिकारी डॉक्टर शिवाकांत द्विवेदी तथा जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार सिंह के निदेशों के तहत जिला समन्वयक शिक्षा विभाग अर्चना शिरोमणि के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने वैज्ञानिक सोच, तकनीकी समझ और रचनात्मक दृष्टि का प्रभावशाली परिचय दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सुरेश चंद्र शर्मा, वैज्ञानिक अधिकारी, क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र गाजियाबाद द्वारा किया गया। उद्घाटन के बाद अतिथियों और निर्णायक मंडल ने विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण कर छात्रों द्वारा तैयार किए गए विज्ञान और तकनीक आधारित कार्यशील मॉडलों को विस्तार से देखा। उन्होंने प्रतिभागियों से मॉडल की कार्यप्रणाली, उपयोगिता, सामाजिक लाभ और भविष्य में उसके विस्तार की संभावनाओं पर प्रश्न भी किए और उनके प्रयासों की सराहना की। प्रदर्शनी में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों ने ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा, स्मार्ट तकनीक, स्वचालित उपकरण, जल प्रबंधन तथा दैनिक जीवन में उपयोगी वैज्ञानिक समाधानों पर आधारित मॉडल प्रस्तुत किए। कई मॉडलों में नवाचार, स्वरोजगार और नए उद्यम की संभावनाएं स्पष्ट रूप से दिखाई दीं, जिसे निर्णायकों ने विशेष रूप से उल्लेखनीय बताया। मूल्यांकन प्रक्रिया गहन परीक्षण और विचार विमर्श के बाद पूरी की गई।

निर्णायक मंडल में अखिलेश कुमार सिंह, सहायक प्राध्यापक गलगोटिया विश्वविद्यालय, योद्धावीर सिंह सह प्राध्यापक एवं उप विभागाध्यक्ष गलगोटिया विश्वविद्यालय, सी के सेठ पूर्व प्राध्यापक दिल्ली विश्वविद्यालय तथा ए के सिन्हा प्रवक्ता भौतिक विज्ञान शामिल रहे। सभी विशेषज्ञों ने छात्रों की वैज्ञानिक समझ और प्रस्तुतीकरण क्षमता की प्रशंसा करते हुए इसे भविष्य के शोध और नवाचार की मजबूत आधारशिला बताया।

परिणाम घोषणा में जेपी स्कूल की आराध्या वाधवा को प्रथम स्थान मिला। द्वितीय स्थान विशाल इंटरनेशनल स्कूल के छात्र आदिश जैन ने प्राप्त किया, जबकि तृतीय स्थान पंचशील बालक इंटर कॉलेज के छात्र मनोज को मिला। सांत्वना सम्मान महामाया बालिका इंटर कॉलेज और एसडीआरवी कान्वेंट स्कूल के विद्यार्थियों को प्रदान किया गया। विजेता प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए गए, साथ ही सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र देकर उत्साहवर्धन किया गया।

समापन सत्र में अतिथियों ने विद्यार्थियों को विज्ञान को जीवन से जोड़ने, नई तकनीक विकसित करने और समाजोपयोगी नवाचार पर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य नीरज टंडन ने सभी अतिथियों, निर्णायकों, सहयोगी विद्यालयों और आयोजन से जुड़े शिक्षकों का आभार जताया। कार्यक्रम के सफल संचालन में शिक्षिका कविता सक्सेना, ऋचा, शीतल सिंह, शकीला, शजीनत तथा शिक्षक महेश्वर, आशा, नयाल, कुलदीप पाठक और चंदन कुमार की प्रमुख भूमिका रही। कार्यक्रम प्रेरक वातावरण और सकारात्मक संदेश के साथ संपन्न हुआ।

कलश यात्रा में छोड़ी गई आतिशबाजी से भूसे के ढेर में लगी आग, ग्रामीणों ने तुरंत बुझाई

जेवर (शिखर समाचार) जेवर क्षेत्र के गांव गोविंदगढ़ में शनिवार को शिव मंदिर परिसर से निकाली जा रही कलश यात्रा के दौरान आतिशबाजी करना महंगा पड़ गया। यात्रा के बीच छोड़े गए पटाखों की चिंगारी पास में रखे भूसे के ढेर पर गिर गई, जिससे अचानक आग भड़क उठी। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत पानी डालकर आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। जानकारी के अनुसार गांव के शिव मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन शुरू हुआ है। कथा प्रारंभ होने से पहले परंपरा के अनुसार कलश यात्रा निकाली जा रही थी। यात्रा में शामिल कुछ युवाओं ने उत्साह में पटाखे जलाने शुरू कर दिए। इसी दौरान आतिशबाजी की चिंगारी उड़कर मंदिर के निकट रखे भूसे पर जा गिरी और उसमें आग लग गई। आग की लपटें उठती देख वहां मौजूद लोगों में कुछ देर के लिए अफरातफरी मच गई। ग्रामीण तुरंत बाल्टियों और अन्य बर्तनों में पानी भरकर मौके पर पहुंचे और सामूहिक प्रयास से आग बुझा दी। समय रहते आग पर नियंत्रण पा लेने से आसपास के क्षेत्र और अन्य सामान को नुकसान होने से बचा लिया गया।

संपादकीय

बजट के बाद संसद का गतिरोध और प्रधानमंत्री की मलेशिया यात्राः विकास, संवाद और कूटनीति के बीच संतुलन की चुनौती

केंद्रीय बजट पेश होने के बाद संसद में जारी गतिरोध और इसी दौरान प्रधानमंत्री की मलेशिया यात्रा ने देश की राजनीति और कूटनीति दोनों को एक साथ चर्चा के केंद्र में ला खड़ा किया है। एक ओर सरकार बजट को विकास, निवेश और सामाजिक संतुलन का रोडमैप बताकर आगे बढ़ना चाहती है, तो दूसरी ओर विपक्ष कई प्रावधानों और प्राथमिकताओं पर सवाल उठाते हुए संसद की कार्यवाही को बाधित कर रहा है। इसी समय प्रधानमंत्री का विदेश दौरा यह संकेत देता है कि भारत वैश्विक साझेदारियों और आर्थिक कूटनीति को भी समानांतर रूप से आगे बढ़ा रहा है। यह पूरा परिदृश्य बताता है कि आज शासन का चरित्र बहुस्तरीय हो चुका है जहां घरेलू सहमति और अंतरराष्ट्रीय सक्रियता, दोनों की आवश्यकता है।

बजट किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण नीति दस्तावेज होता है। यह केवल आय व्यय का ब्योरा नहीं, बल्कि सरकार की वैचारिक दिशा, आर्थिक प्राथमिकताओं और सामाजिक दृष्टि का दर्पण भी होता है। स्वाभाविक है कि बजट पर मतभेद होंगे, आलोचना होगी और संशोधन की मांग भी उठेगी। किंतु जब यह बहस संसद के भीतर सार्थक चर्चा के बजाय नारेबाजी और ठप कार्यवाही में बदल जाती है, तो नुकसान पूरे लोकतंत्र का होता है। संसद वह मंच है जहां सरकार को जवाब देना चाहिए और विपक्ष को सवाल पूछने चाहिए। यदि यही संवाद बाधित हो जाए, तो जनप्रतिनिधित्व का मूल उद्देश्य कमजोर पड़ता है।

विपक्ष का यह अधिकार है कि वह बजट की कमियों को उजागर करे चाहे मुद्दा महंगाई का हो, रोजगार का, कृषि निवेश का या सामाजिक क्षेत्र के आवंटन का। लेकिन विरोध का सबसे प्रभावी तरीका तथ्यों और तर्कों के साथ बहस है, न कि लगातार अवरोध। दूसरी ओर सरकार की भी जिम्मेदारी है कि वह विपक्ष की आशंकाओं को नजरअंदाज करने के बजाय उन्हें गंभीरता से सुने और आवश्यक स्पष्टीकरण दे। बहुमत का अर्थ मनमानी नहीं, बल्कि अधिक जवाबदेही होता है। यदि सरकार संवाद की पहल करे और विपक्ष चर्चा में सक्रिय भागीदारी निभाए, तभी बजट पर राष्ट्रीय सहमति का वातावरण बन सकता है।

इसी बीच प्रधानमंत्री की मलेशिया यात्रा को केवल एक औपचारिक कूटनीतिक कार्यक्रम मानकर नहीं देखा जाना चाहिए। दक्षिण पूर्व एशिया आज वैश्विक आर्थिक और सामरिक संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मलेशिया आसियान क्षेत्र का प्रमुख देश है और भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति में उसकी विशेष जगह है। व्यापार, प्रौद्योगिकी, रक्षा सहयोग, समुद्री सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला इन सभी क्षेत्रों में भारत और मलेशिया के बीच सहयोग की व्यापक संभावनाएं हैं। ऐसे समय में जब वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितताओं से गुजर रही है, भारत का सक्रिय कूटनीतिक संपर्क निवेश, बाजार और रणनीतिक साझेदारी के नए रास्ते खोल सकता है।

हालांकि घरेलू राजनीति में चल रहे तनाव के बीच विदेश यात्राएं अक्सर राजनीतिक बहस का विषय बन जाती हैं। आलोचक कहते हैं कि जब संसद नहीं चल पा रही, तब शीर्ष नेतृत्व को देश के भीतर संवाद पर अधिक ध्यान देना चाहिए। समर्थकों का तर्क है कि वैश्विक मंच पर भारत की उपस्थिति और सक्रियता भी उतनी ही आवश्यक है, क्योंकि आर्थिक अवसर और रणनीतिक सहयोग इंतजार नहीं करते। वस्तुतः दोनों पक्षों में आंशिक सच्चाई है। शासन को इस द्वंद्व का संतुलित समाधान निकालना होता है घरेलू सहमति निर्माण और अंतरराष्ट्रीय भागीदारी, दोनों साथ साथ चलें।

~ मौलिक चिंतन ~

अगर आपको इंतजार करना नहीं आता है, तो आपको कुछ भी मनचाहा नहीं मिल सकता है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

प्राकृतिक असंतुलन से आ रहे लगातार भूकंप और तीव्र तूफान?

डॉ हिदायत अहमद खान

मानव समाज ने विकास के नाम पर जिस क्रूरता से प्रकृति-प्रदत्त हरे-भरे जंगलों और पर्वत श्रंखलाओं को नष्ट किया है उसके अब दुष्परिणाम सामने आने लगे हैं। मानव ने जंगलों को खत्म कर कंक्रीट के जंगल खड़े किए, बहुतायत में पहाड़ों को समतल किया गया और भूमिगत जल के साथ ही तमाम तरह की खनिज संपदा निकालकर पृथ्वी को अंदर से भी खोखला कर दिया। ये वो प्राकृतिक चीजें हैं जो पृथ्वी के संतुलन को बनाए रखती हैं, जब यही असंतुलित हो गईं तो फिर प्रकृति खुद अपना संतुलन तो बनाएगी ही। इसलिए पिछले कुछ वर्षों में दुनिया के अलगझ्अलग हिस्सों से लगातार भूकंप के झटकों, तीव्र तूफानों, भीषण बारिश, बाढ़ और सुप्त ज्वालामुखियों के सक्रिय होने की खबरें सामने आ रही हैं। इन घटनाओं को केवल संयोग नहीं कह सकते हैं। दरअसल ये पृथ्वी की भूगर्भीय गतिविधियों और तेजी से बिगड़ते प्राकृतिक संतुलन की ओर इशारा कर रही हैं। प्रकृति मानो यह संकेत दे रही है कि वह अपने भीतर जमा दबाव को बाहर निकालने की प्रक्रिया में है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में टेक्टोनिक प्लेटों की हलचल और जलवायु परिवर्तन से जोड़कर देखा जाता है। भूगाल की भाषा में कहें तो भूकंप पृथ्वी की आंतरिक प्लेटों के आपसी टकराव, खिसकने या टूटने का परिणाम होते हैं। प्रशांत महासागर का ह्यरिंग ऑफ फायरह्न क्षेत्र इसका प्रमुख उदाहरण है, जहां दुनिया के लगभग 90 प्रतिशत भूकंप आते हैं और कई ज्वालामुखी सक्रिय रहते हैं। यह क्षेत्र लंबे समय से भूगर्भीय रूप से संवेदनशील रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में इसकी गतिविधियों में तेजी आई है। इसके साथ ही, यूरोप, एशिया और अमेरिका जैसे क्षेत्रों में भी असामान्य भूकंपीय गतिविधियां देखी जा रही हैं, जो पृथ्वी के भीतर बढ़ते असंतुलन का संकेत मानी जा सकती हैं। दूसरी ओर, मौसम संबंधी आपदाएं भी इसी कड़ी का हिस्सा हैं। हाल ही में यूरोप के इबेरियन प्रायद्वीप पर स्टॉर्म लियोनार्डो ने भारी तबाही मचाई। स्पेन और पुर्तगाल में मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं के कारण नदियां उफान पर आ गईं, बाढ़ जैसे हालात बने और हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। अकेले स्पेन के अंडालूसिया क्षेत्र में 11 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, जबकि पुर्तगाल के कई शहरों में आपातकाल लागू करना पड़ा। स्थिति की गंभीरता इस बात से समझी जा सकती है कि लियोनार्डो के गुजरने के बाद भी खतरा टला नहीं है। मौसम विभाग चेतावनी दे चुका है कि मार्ता तूफान तट से टकरा सकता है, जिसकी रफ्तार 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है। लगातार बारिश के कारण जमीन पहले ही पानी से संतृप्त हो चुकी है और अब उसमें और पानी समाने की क्षमता नहीं बची है। इसका सीधा असर नदियों के जलस्तर, बांधों और जलाशयों पर पड़ रहा है, जिससे बड़े पैमाने पर बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। अंडालूसिया के कोडोर्बा प्रांत में ग्वाडलक्विविर नदी का जलस्तर खतरनाक स्तर तक पहुंच गया, जिसके चलते रिहायशी इलाकों को खाली कराना पड़ा और ऐतिहासिक रोमन ब्रिज पर आवाजाही रोक दी गई। ग्रहजालेमा पर्वतीय क्षेत्र में तो हालात और भी चिंताजनक हैं, जहां चट्टानें अत्याधिक पानी सोखने पर घुलने लग जाती हैं। इससे जमीन धंसने का खतरा पैदा हो जाता है, जिससे मकानों और सड़कों की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन जाता है। पुर्तगाल में भी हालात अलग नहीं हैं। साडो नदी के किनारे स्थित अल्कासेर शहर का बड़ा हिस्सा कई दिनों से पानी में डूबा हुआ है। बताया जा रहा, कि लोगों के पास पहनने के कपड़ों के अलावा कुछ नहीं बचा और हजारों नागरिकों को तत्काल सहायता की जरूरत है। टैगस नदी सहित छह प्रमुख नदियों को रेड अलर्ट पर रखा गया है। सरकार ने फरवरी मध्य तक 69 नगरपालिकाओं में आपदा स्थिति बढ़ाने का फैसला किया है, जो इस संकट की व्यापकता को दशार्ता है। ऐसे में साधारणतः यही कहा जाता है कि इन सभी घटनाओं के पीछे जलवायु परिवर्तन की बड़ी भूमिका है। बढ़ता वैश्विक तापमान, अनियंत्रित शहरीकरण, वनों की कटाई और प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन मौसम चक्र को असंतुलित कर रहे हैं। लगातार आने वाले तूफानों की यह 'स्टॉर्म ट्रेन' बताती है कि अब चरम मौसमी घटनाएं अपवाद नहीं, बल्कि नई सामान्य स्थिति बनती जा रही हैं। भूकंप के झटके, तीव्र तूफान और ज्वालामुखीय गतिविधियां यह संकेत देती हैं कि प्रकृति अपने तरीके से संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है। अब सवाल यह है कि क्या मानव समाज इन चेतावनियों को गंभीरता से ले रहा है? केवल आपदा के बाद राहत और बचाव पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं होगा। जरूरत है मजबूत बुनियादी ढांचे, बेहतर शहरी नियोजन, वैज्ञानिक चेतावनी प्रणालियों और दीर्घकालिक पर्यावरण संरक्षण नीतियों की। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि प्रकृति के साथ टकराव नहीं, बल्कि सामंजस्य ही मानव सभ्यता की सुरक्षा का एकमात्र रास्ता है। यदि समय रहते संतुलन नहीं साधा गया, तो आने वाले वर्षों में ऐसी आपदाएं और अधिक भयावह रूप ले सकती हैं। प्रकृति के संकेत साफ हैं, अब भी चेत जाने का वक्त है।

ईरान को सबक सिखाने के लिए साम दाम दंड भेद की नीति अपना रहे हैं ट्रंप

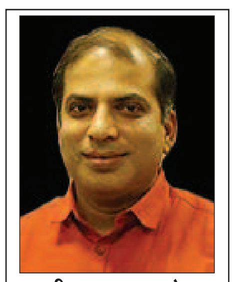

नीरज कुमार दुबे

अमेरिका और ईरान के बीच तनातनी चरम पर होने के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया कार्यकारी आदेश जारी कर उन सभी देशों पर अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने की चेतावनी दी है जो ईरान के साथ किसी भी तरह का व्यापार जारी रखेंगे। आदेश में शुल्क की दर तय नहीं की गई है, पर उदाहरण के तौर पर पच्चीस प्रतिशत का जिक्र है। साफ कहा गया है कि जो भी देश सीधे या परोक्ष रूप से ईरान से सामान या सेवा खरीदेगा, उस पर यह शुल्क लगाया जा सकता है। ट्रंप ने अलग से बयान देते हुए दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं मिलना चाहिए।

यह कदम ऐसे समय आया है जब ओमान में दोनों देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के बीच बातचीत हुई है। कई सप्ताह की बयानबाजी और धमकियों के बाद शुरू हुई यह बातचीत तनाव कम करने की कोशिश मानी जा रही है, पर जमीन पर हालात अब भी तने हुए हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ओमान में वार्ता को अच्छी शुरूआत बताया, लेकिन साथ ही कहा कि अविश्वास का माहौल गहरा है, खासकर इसलिए कि हाल ही में अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। ट्रंप ने भी वार्ता को बहुत अच्छी बताया, पर साथ में चेतावनी जोड़ी कि यदि समझौता नहीं हुआ तो नतीजे बहुत सख्त होंगे।

अमेरिका का कहना है कि वह केवल परमाणु कार्यक्रम नहीं, बल्कि ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम, सशस्त्र समूहों को समर्थन और अपने नागरिकों के साथ व्यवहार जैसे मुद्दे भी बातचीत में शामिल करना चाहता है। दूसरी ओर तेहरान का रुख साफ है कि चर्चा केवल परमाणु कार्यक्रम पर होगी और उसे यूरेनियम संवर्धन का अधिकार मिलना चाहिए। ईरान का दावा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है और वह हथियार बनाने की कोशिश नहीं कर रहा।

हम आपको बता दें कि इस तनातनी की जड़ें पिछले एक दशक में लिए गए फैसलों में हैं। वर्ष 2015 के परमाणु समझौते के तहत ईरान को सीमित स्तर तक यूरेनियम संवर्धन की अनुमति थी और उस पर सख्त निगरानी थी। बदले में उस पर लगे कई प्रतिबंध हटाए गए थे। लेकिन ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में वर्ष 2018 में इस समझौते से अमेरिका को अलग कर लिया था और कठोर प्रतिबंध फिर लगा दिए थे। तेल निर्यात, जहाजरानी और बैंक तंत्र पर पाबंदियों ने ईरान की अर्थव्यवस्था को भारी चोट दी। जवाब में ईरान ने समझौते की कई शर्तों से आगे बढ़ कर संवर्धन करना शुरू कर दिया।

बीते वर्षों में हालात और बिगड़े। वर्ष 2020 में ईरानी कमांडर कासिम सुलेमानी अमेरिकी हमले में मारे गए, जिससे टकराव खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। फिर संयुक्त राष्ट्र में प्रतिबंध फिर लगाने की कोशिशें हुईं। वर्ष 2025 में अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया, जिसके बाद ईरान ने कतर में एक अमेरिकी ठिकाने पर मिसाइल दागी, हालांकि जान का नुकसान नहीं हुआ। पिछले वर्ष पश्चिमी देशों के प्रयास से संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सैन्य प्रतिबंध फिर लागू हुए।

अब ताजा कदम के तहत अमेरिका ने ईरानी तेल और पेट्रो रसायन से जुड़े पंद्रह संस्थानों और कई जहाजों पर भी प्रतिबंध लगाए हैं। उधर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सुरक्षा मंत्रिमंडल की बैठक बुलाकर ईरान को चेताया कि किसी भी हमले का जोरदार जवाब मिलेगा। उनका कहना है कि अमेरिका के साथ तालमेल बहुत गहरा है, इसलिए अंतिम फैसला ट्रंप ही करेंगे। ट्रंप ने भी कहा है कि ईरान बातचीत इसलिए कर रहा है क्योंकि वह अमेरिकी हमले से बचना चाहता है और अमेरिकी नौसैनिक बेड़ा इलाके में आगे बढ़ रहा है।

सवाल यह है कि क्या यह पूरी कवायद शांति की राह है या दबाव की राजनीति का नया दौर? ट्रंप का शुल्क हथियार दरअसल आर्थिक घेराबंदी का विस्तार है। संदेश साफ है कि जो ईरान से नाता रखेगा, वह अमेरिकी बाजार से हाथ धो सकता है। यह नीति कई देशों को कठिन दुविधा में डालेगी, खासकर वे देश जो ऊर्जा जरूरतों के लिए ईरानी तेल पर निर्भर हैं। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार, समुद्री रास्तों की सुरक्षा और पश्चिम एशिया की सामरिक स्थिरता पर सीधा असर पड़ेगा।

सामरिक दृष्टि से यह रस्साकशी खतरनाक है। एक ओर बातचीत चल रही है, दूसरी ओर युद्ध की तैयारी जैसे संकेत दिए जा रहे हैं। बेड़े की तैनाती, मिसाइल की चर्चा और प्रतिबंधों की बौछार मिलकर ऐसा माहौल बनाते हैं जहां एक छोटी चिंगारी भी बड़े संघर्ष में बदल सकती है। ईरान भी झुकने के मूड़ में नहीं दिखता और वह बार बार अपने अधिकार की बात दोहरा रहा है।

बहरहाल, हकीकत यह है कि न तो केवल दबाव से समाधान निकलेगा, न केवल बयान से। यदि दोनों पक्ष सच में टकराव टालना चाहते हैं तो उन्हें भरोसे की बहाली, चरणबद्ध रियायत और स्पष्ट लक्ष्यों की राह पकड़नी होगी। वरना शुल्क, प्रतिबंध और हमले का यह चक्र पूरे इलाके को अस्थिर कर देगा और इसका असर दुनिया की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा पर दूर तक जाएगा। अभी भी समय है कि शक्ति प्रदर्शन की जगह समझदारी दिखाई जाए, नहीं तो आने वाले दिन और ज्यादा उथल पुथल लेकर आ सकते हैं।

स्क्रीन में सिमटती दुनिया और कमजोर होती बचपन की नजर

कांतिलाल मांडोतल

यह समझना जरूरी है कि तकनीक अपने आप में बुरी नहीं है, लेकिन उसका अनियंत्रित उपयोग हमारी सबसे कीमती इंद्रियों में से एक, आंखों, को नुकसान पहुंचा रहा है। अगर आज हमने इस पर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाले वर्षों में एक ऐसी पीढ़ी सामने होगी, जो बचपन से ही कमजोर नजर के साथ जीने को मजबूर होगी। खुला आसमान, दूर तक फैला मैदान और धूप में खेलते बच्चे केवल यादें न बन जाएं, इसके लिए अभी से सचेत होना होगा।

कभी बेंगलूरू जैसे शहरों में सुबह की शुरूआत खुली हवा, पेड़ों की हरियाली और दूर तक फैले मैदानों को निहारते हुए होती थी। आंखें सहज रूप से दूर तक देख लेती थीं, नजरें बिना किसी दबाव के काम करती थीं। लेकिन बीते एक दशक में यह दृश्य तेजी से बदला है। अब बच्चों और किशोरों की दुनिया कुछ इंच की स्क्रीन में सिमट गई है। मोबाइल, टैबलेट और लैपटॉप ने ज्ञान, मनोरंजन और संवाद को बेहद आसान बना दिया है, लेकिन इसी सुविधा की कीमत हमारी आंखें चुका रही हैं। आंखें, जो प्रकृति के हिसाब से दूर देखने और खुले वातावरण में काम करने के लिए बनी हैं, अब लगातार पास की चीजों पर टिके रहने को मजबूर हैं। इसका असर यह हुआ है कि कम उम्र में ही नजर से जुड़ी समस्याएं, खासकर मायोपिया यानी निकट दृष्टि दोष, तेजी से बढ़ रहा है।

नेत्र रोग विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल एक व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक उभरता हुआ सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है। अत्यधिक स्क्रीन टाइम, शारीरिक सक्रियता की कमी और असंतुलित जीवनशैली ने मिलकर बच्चों की आंखों पर ऐसा दबाव डाला है, जिसकी भरपाई आगे चलकर बेहद मुश्किल हो सकती है। हाल के स्वास्थ्य कार्यक्रमों और अध्ययनों में लाखों बच्चों की जांच के दौरान यह सामने आया है कि दृष्टि संबंधी समस्याएं अब अपवाद नहीं रहीं, बल्कि सामान्य होती जा रही हैं। यह स्थिति इसलिए और चिंताजनक है क्योंकि बच्चों की आंखें अभी विकास की अवस्था में होती हैं और इस दौरान पड़ने वाला नकारात्मक प्रभाव जीवनभर साथ रह सकता है।

मायोपिया की समस्या को समझना जरूरी है। जब बच्चा लगातार पास की चीजों, जैसे मोबाइल स्क्रीन या किताब, पर ध्यान केंद्रित करता है तो आंखों की मांसपेशियां उसी स्थिति में ढलने लगती हैं। धीरे-धीरे आंख की संरचना में बदलाव आने लगता है और दूर की वस्तुएं धुंधली दिखाई देने लगती हैं। शुरूआत में यह समस्या हल्की होती है, लेकिन समय के साथ चश्मे का नंबर बढ़ता चला जाता है। कई मामलों में किशोरावस्था तक पहुंचते-पहुंचते बच्चों को मोटे लेंस लगाने पड़ते हैं। यह केवल देखने की समस्या नहीं है, बल्कि सिरदर्द, आंखों में जलन, थकान और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई जैसी परेशानियां भी साथ आती हैं।

स्क्रीन की लत का एक और गंभीर पहलू ड्राई आई सिंड्रोम है, जो पहले वयस्कों में ज्यादा देखा जाता था, लेकिन अब बच्चों में भी आम हो रहा है। जब हम स्क्रीन देखते हैं तो सामान्य से कम पलक झपकाते हैं। इससे आंखों की सतह सूखने लगती है, जलन और लालिमा बढ़ती है। लंबे समय तक ऐसा रहने पर आंखों की प्राकृतिक सुरक्षा प्रणाली कमजोर पड़ सकती है। इसके अलावा, नीली रोशनी का अत्यधिक संपर्क आंखों की रेटिना पर भी नकारात्मक असर डाल सकता है, जिससे भविष्य में गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

इस पूरी तस्वीर में सबसे ज्यादा चिंता की बात शिशुओं और छोटे बच्चों को मोबाइल और टीवी दिखाने की बढ़ती प्रवृत्ति है। कई अभिभावक बच्चे को शांत रखने या व्यस्त रखने के लिए स्क्रीन का सहारा लेते हैं। लेकिन विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि यह आदत बच्चों के मानसिक, भावनात्मक और दृष्टि विकास तीनों पर नकारात्मक असर डाल सकती है। शुरूआती वर्षों में बच्चे की आंखें और मस्तिष्क तेजी से विकसित होते हैं। इस दौरान स्क्रीन पर निर्भरता उनके प्राकृतिक सीखने की प्रक्रिया को बाधित करती है। आंखें गहराई, दूरी और गति को पहचानने का अभ्यास नहीं कर पातीं, जो आगे चलकर देखने की क्षमता को प्रभावित कर सकता है।

प्राकृतिक रोशनी की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कई अध्ययनों में यह साफ तौर पर सामने आया है कि जो बच्चे रोजाना पर्याप्त समय बाहर धूप में बिताते हैं, उनमें मायोपिया का जोखिम कम होता है। धूप में रहने से शरीर में विटामिन-डी का स्तर बेहतर होता है और आंखों में डोपामाइन का स्राव बढ़ता है, जो आंख की लंबाई को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके विपरीत, बंद कमरों में सीमित रहना और ज्यादातर समय स्क्रीन के सामने बिताना आंखों को उनके प्राकृतिक वातावरण से दूर कर देता है।

आज का शहरी जीवन बच्चों को खुले में खेलने से भी वंचित कर रहा है। पढ़ाई का दबाव, सुरक्षा की चिंता और डिजिटल मनोरंजन की उपलब्धता ने खेल के मैदानों को खाली कर दिया है। नतीजा यह है कि बच्चे न सिर्फ शारीरिक रूप से कम सक्रिय हो रहे हैं, बल्कि उनकी आंखों को भी वह राहत नहीं मिल पा रही, जिसकी उन्हें जरूरत है। आंखों के लिए दूर तक देखना एक तरह का व्यायाम है, जो उन्हें स्वस्थ रखता है। जब यह अभ्यास बंद हो जाता है तो आंखें कमजोर पड़ने लगती हैं।

दूरगामी परिणामों की बात करें तो यह समस्या केवल चश्मे तक सीमित नहीं रहती। उच्च स्तर का मायोपिया भविष्य में रेटिना डिटैचमेंट, ग्लूकोमा और मैक्युलर डिजनरेशन जैसी गंभीर आंखों की बीमारियों का खतरा बढ़ा सकता है। इसका मतलब है कि जो समस्या बचपन में शुरू होती है, वह वयस्कता में अंधेपन तक का कारण बन सकती है। इसके अलावा, कमजोर नजर का असर बच्चे के आत्मविश्वास, पढ़ाई और सामाजिक व्यवहार पर भी पड़ता है। बार-बार आंखों की थकान और सिरदर्द से जूझता बच्चा पढ़ाई में पिछड़ सकता है और खेलकूद से दूर हो सकता है।

अभिभावकों की भूमिका इस पूरे परिदृश्य में बेहद अहम है। बच्चों को पूरी तरह तकनीक से दूर रखना संभव नहीं है और न ही यह व्यावहारिक है। लेकिन संतुलन बनाना जरूरी है। स्क्रीन टाइम को सीमित करना, बीच-बीच में आंखों को आराम देना और बच्चों को बाहर खेलने के लिए प्रोत्साहित करना छोटे लेकिन प्रभावी कदम हो सकते हैं। भोजन में हरी सब्जियां, फल और पोषक तत्व शामिल करना भी आंखों की सेहत के लिए जरूरी है। साथ ही, समय-समय पर आंखों की जांच करवाना समस्याओं को शुरूआती चरण में पकड़ने में मदद करता है।

समाज और शिक्षा व्यवस्था को भी इस दिशा में सोचने की जरूरत है। स्कूलों में लंबे समय तक डिजिटल पढ़ाई के बजाय मिश्रित तरीकों को अपनाया जाना चाहिए, जहां स्क्रीन और किताब दोनों का संतुलित उपयोग हो। बच्चों को आंखों की देखभाल के बारे में जागरूक करना और खुले में गतिविधियों के लिए समय निर्धारित करना भविष्य की पीढ़ी की दृष्टि बचाने की दिशा में बड़ा कदम हो सकता है।

यह समझना जरूरी है कि तकनीक अपने आप में बुरी नहीं है, लेकिन उसका अनियंत्रित उपयोग हमारी सबसे कीमती इंद्रियों में से एक, आंखों, को नुकसान पहुंचा रहा है। अगर आज हमने इस पर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाले वर्षों में एक ऐसी पीढ़ी सामने होगी, जो बचपन से ही कमजोर नजर के साथ जीने को मजबूर होगी। खुला आसमान, दूर तक फैला मैदान और धूप में खेलते बच्चे केवल यादें न बन जाएं, इसके लिए अभी से सचेत होना होगा। बच्चों की आंखों की सुरक्षा केवल स्वास्थ्य का सवाल नहीं, बल्कि उनके पूरे भविष्य से जुड़ा हुआ मुद्दा है। (वरिष्ठ पत्रकार,साहित्यकार,स्तम्भकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अश्वगंधा के 5 जबरदस्त फायदे, लेकिन ध्यान रहे देती नुकसान भी...

अश्वगंधा एक आयुर्वेदिक औषधि है जो कई लाइलाज बीमारियों को ठीक करने की क्षमता रखती है। अश्वगंधा का प्रयोग कई बीमारियों में दवा के रूप में किया जाता है। अश्वगंधा दवा, चूर्ण, कैप्सूल के रूप में आपको आसानी से बाजार में मिल जाएगी। कई रोगों में तो अश्वगंधा रामबाण की तरह है। सदियों से अश्वगंधा को जड़ी-बूटी के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। इस जड़ी-बूटी के बड़े ही असरकारी परिणाम हैं। अश्वगंधा के क्या फायदे हैं और क्या नुकसान बताएंगे आपको अश्वगंधा से जुड़ी हर जानकारी।

अश्वगंधा के चमत्कारिक फायदे

इम्युन सिस्टमः अश्वगंधा में मौजूद ऑक्सीडेंट आपके इम्युन सिस्टम को मजबूत बनाने का काम करता है। जो आपको सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियों से लड़ने की शक्ति प्रदान करता है। अश्वगंधा वाइट ब्लड सेल्स और रेड ब्लड सेल्स दोनों को बढ़ाने का काम करता है। जो कई गंभीर शारीरिक समस्याओं में लाभदायक है।

स्ट्रेस - मानसिक तनावः अश्वगंधा मानसिक तनाव जैसी गंभीर समस्या को ठीक करने में लाभदायक है। एक रिपोर्ट के अनुसार तनाव को 70 फीसदी तक अश्वगंधा के इस्तेमाल से कम किया जा सकता है। दरअसल आपके शरीर और मानसिक संतुलन को ठीक रखने में असरकारी है। इससे अच्छी नींद आती है। अश्वगंधा कई सम्स्याओं से छुटकारा दिलाने का काम कर सकता है।

सफेद पानी (लिकोरिया): महिलाओं में सफेद पानी की वजह से उनका शरीर कमजोर होने लगता है। जिसका असर उनके गर्भाशय में भी पड़ता है। लेकिन अश्वगंधा के सेवन से महिलाओं को इस रोग से निजात मिल सकती है।

कैंसरः कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी में बहुत असरकारी है अश्वगंधा का इस्तेमाल। कई रिसर्च में यह बताया गया है कि अश्वगंधा कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकता है और कैंसर के नए सेल्स नहीं बनने देता। यह शरीर में रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीशीज का निर्माण करता है। जो कैंसर सेल्स को खत्म करने और कीमोथेरपी से होने वाले साइड इफेक्ट्स से भी बचाने का काम करता है।

आंखो की रोशनीः अश्वगंधा का इस्तेमाल आपकी आंखो की रोशनी को बढ़ाने का काम करता है। रोज दूध के साथ लेंने से आंखो के अलावा स्ट्रेस से भी बचा जा सकता है।

अश्वगंधा के नुकसान

- अश्वगंधा का ज्यादा प्रयोग आपके लिए नुकसानदायक भी हो सकता है। अश्वगंधा के ज्यादा इस्तेमाल से आपको बुखार, थकान, दर्द की शिकायत भी हो सकती है।
- अश्वगंधा का अधिक इस्तेमाल पेट के लिए हानिकारक हो सकता है। इसको लेने से डायरिया की समस्या हो सकती है। इसलिए इसके इस्तेमाल से पहले आप डॉक्टर की सलाह लें उसके बाद ही इसका सेवन करें।
- बल्ड प्रेशर से ग्रस्त लोगों को अश्वगंधा डॉक्टर के परामर्श से ही लेना चाहिए। जिनका बीपी लो होता है उन्हे अश्वगंधा का सेवन नहीं करना चाहिए।
- अश्वगंधा का सही डोज न लेने से आपको उल्टी और जी मिचलाने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।
- अश्वगंधा का इस्तेमाल नींद के लिए अच्छा है। लेकिन इसका बहुत दिनों तक इस्तेमाल आपको नुकसान भी पहुंचा सकता है।

एक्सरसाइज की शुरुआत करने में मदद करेंगे ये आसान टिप्स

हम सभी जानते हैं कि व्यायाम फिट रहने, आपकी ऊर्जा बढ़ाने, मोटापे से बचने और कई पुरानी जटिलताओं के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है। एक नियमित फिटनेस रूटीन आपको मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों से बचने, नींद में सुधार करने में भी मदद कर सकती है।

यदि आप फिट और स्वस्थ रहना चाहते हैं तो नियमित व्यायाम आवश्यक है। इसका कोई विकल्प नहीं है। किसी भी एक्सरसाइज रूटीन को शुरू करने के बाद ही आपको लाभ दिखने लगेगा। लेकिन अधिकांश लोग एक्सरसाइज रूटीन की शुरुआत नहीं कर पाते हैं, यह करना काफी मुश्किल लगता है। हालांकि, अगर आपने अपना मन बना लिया है और दृढ़ संकल्प है, तो यह करना आसान है। लेकिन ज्यादातर लोग ऐसा नहीं कर पाते हैं, तमाम तरह की रूकावटें उन्हें ऐसा करने से रोकती हैं। आप हमेशा आलस्य महसूस करते हैं। अगर आप भी खुद को एक फिटनेस रूटीन बनाने के लिए प्रेरित नहीं कर पा रहे हैं तो हम आपकी मदद कर सकते हैं। यहां हम बिगिनर के लिए कुछ उपाय बता रहे हैं जो आपकी हेल्प कर सकते हैं।

अपने फिटनेस रूटीन को शुरू करने से पहले ध्यान रखने योग्य बातें

आप एक ऐसा फिटनेस रूटीन चुनें जो आपको इस पर बने रहने में मदद करे। अपने लक्ष्यों के बारे में यथार्थवादी बनें। यह बहुत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, यदि आपको कोई स्वास्थ्य जटिलताएं हैं, तो पहले अपने डॉक्टर से परामर्श करें। वह आपको एक अच्छी और सुरक्षित शुरुआत के लिए मार्गदर्शन करने में मदद करेंगे। धीमी शुरुआत करें और धीरे-धीरे तीव्रता की ओर बढ़ें। आजकल हर कोई व्यस्त जीवन जी रहा है। तो, 'समय' हमेशा एक समस्या है। व्यायाम के लिए एक समय निर्धारित करें और उससे चिपके रहें। यदि आप एक घंटे का प्रबंधन नहीं कर सकते हैं, तो इसे 30 या 15 मिनट करें। लेकिन इसे हर दिन करें।

एक बहुत ही सामान्य गलती जो बिगिनर करते हैं, वह यह है कि वे पहले दिन से ही तीव्र व्यायाम में जुट जाते हैं। इससे चोटों का खतरा बढ़ जाता है। बस याद रखें कि अधिक मात्रा में कुछ भी स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है। यही हाल व्यायाम का भी है। आप खुद को एक दिन का अवकाश भी दे सकते हैं। इससे आपको अपने फिटनेस रूटीन में नए जोश के साथ आने में मदद मिलेगी।

बिगिनर के लिए फिटनेस रूटीन टिप्स

- दिन में बहुत सारा पानी पीएं। यह आपको डिहाइड्रेशन से बचने में मदद करता है। क्योंकि आप एक्सरसाइज के दौरान काफी पसीना बहाते हैं।
- स्वस्थ भोजन का सेवन करें। यह आपके फिटनेस रूटीन को सपोर्ट करेगा। उचित और अच्छी तरह से संतुलित भोजन लें, जिसमें फल और सब्जियां शामिल हों।
- अपने आहार में स्वस्थ काब्र्स शामिल करें। यह मांसपेशियों की रिकवरी में सहायता करेगा और आपकी ऊर्जा के स्तर को बढ़ाएगा।
- प्रोटीन का सेवन जरूर करें। ये मांसपेशियों की रिकवरी में भी मदद करते हैं। यह ऊतकों की तेजी से चिकित्सा और मांसपेशियों के निर्माण की सुविधा भी प्रदान करेगा।
- सभी वसा खराब नहीं हैं। स्वस्थ वसा वास्तव में आपको तेजी से वसा जलाने में मदद कर सकते हैं। यह ऊर्जा के स्तर को भी बढ़ाएगा और आपको लंबी अवधि तक काम करने में मदद करेगा।
- आपनी फिटनेस रूटीन से पहले वार्मअप करना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह आपको चोटों के जोखिम से बचने में मदद करेगा। यह शरीर को फ्लेक्सीबिलिटी प्रदान करेगा।

हाइट बढ़ाने के 5 घरेलू नुस्खे, जो बढ़ाएं लंबाई

अच्छी हाइट से व्यक्तित्व में और निखर आ जाता है। अच्छी हाइट होने से आत्मविश्वास भी बढ़ता। दरअसल ह्यूमन ग्रोथ के साथ ही हाइट भी बढ़ती है। लड़कियों की लंबाई आम तौर पर 18 साल की उम्र तक बढ़ती है। लम्बाई आपके व्यक्तित्व को निखारने का काम करती है। अच्छी हाइट पाने के लिए बच्चे हों या बड़े सभी उत्सुक रहते हैं। क्योंकि अच्छी हाइट से व्यक्तित्व में और निखर आ जाता है। अच्छी हाइट होने से आत्मविश्वास भी बढ़ता। दरअसल ह्यूमन ग्रोथ के साथ ही हाइट भी बढ़ती है। लड़कियों की लंबाई आम तौर पर 18 साल की उम्र तक बढ़ती है। आपकी हाइट कितनी अच्छी निकलती है यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपकी डाइट कैसी है। लोग हाइट बढ़ाने के लिए तरह-तरह की दवाओं का इस्तेमाल करते हैं। जो आपके शरीर के लिए हानिकारक भी हो सकते हैं। लेकिन आयुर्वेद में कई ऐसे उपाय और औषधि हैं जिनके द्वारा आपको अच्छी हाइट मिल सकती है। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि कैसे आप घरेलू नुस्खों से अच्छी हाइट पा सकते हैं।

लंबाई बढ़ाने के घरेलू उपाय

खान-पान का सही चुनावः अच्छी हाइट के लिए सबसे जरूरी है हेल्दी डाइट, खाने में आप क्या लें रहे हैं, उससे आपके शरीर की ग्रोथ पर बहुत असर पड़ता है। इसलिए आपको खाने में विटामिन, कैल्शियम, जिंक प्रोटीन और फास्फोरस की मात्रा और पीने में दूध, जूस, अधिक लेना चाहिए। इनके इस्तेमाल से हाइट बढ़ती है। लेकिन आप को इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि आप ज्यादा चीनी के इस्तेमाल से परहेज करें।

योगा एक्सरसाइजः योगा और एक्सरसाइज के द्वारा लम्बाई बढ़ाई जा सकती है। एक्सरसाइज, योगा को प्रतिदिन करना चाहिए इससे आपका शरीर चुस्त-दुरुस्त रहता है। जो आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है। लम्बाई के लिए तड़ासन क्रिया करना बहुत लाभदायक है। कैसे करें तड़ासन, सबसे पहले सीधे खड़े हो जायें हाथ ऊपर कर लें उसके बाद गहरी सांस लें और हाथों को धीरे-धीरे ऊपर उठाते हुए पैर की एड़ियों को भी उठाएं। इससे आपके शरीर में खिचाव होने से यह लम्बाई बढ़ाने में फायदेमंद साबित हो सकता है।

भरपूर नींदः सेहत के लिए पर्याप्त नींद बहुत जरूरी होती है। अच्छी जीवनशैली में नींद पूरी होना बहुत महत्वपूर्ण है। लेकिन अधिक नींद से आपकी हाइट भी बढ़ सकती है सुनने में थोड़ा अजीब जरूर लग सकता है लेकिन यह सच है। अगर आप ज्यादा सोते है तो आपके शरीर में ऊतको का उत्सर्जन होता है जो लम्बाई बढ़ाने में मदद करती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को 7-8 घंटे की नींद जरूर लेना चाहिए।

पानी का अधिक इस्तेमाल करेंः खूब पानी पीयें ,पानी का अधिक इस्तेमाल करने से शरीर में पानी की कमी नहीं होती। ज्यादा पानी पीने से शरीर के विषैले पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। जिससे शरीर की ग्रोथ में कोई परेशानी नहीं होती। पानी का अधिक इस्तेमाल पेट गैस को भी कम करता है। जिससे शरीर के हार्मोंस को बढ़ने में मदद मिलती है।

चलने और सोने का सही तरीकाः अच्छी हाइट के लिए आपको चलने-फिरने, बैठने और सोने का तरीका ठीक रखना पड़ेगा। अक्सर लोग सोते समय यह ध्यान नहीं देते कि उनका शरीर अनुचित मुद्रा में है। जो आपके शरीर की लम्बाई में बाधक हो सकता है। इसलिए सीधी मुद्रा में सोना चाहिए। सिर और गर्दन को चलते समय झुकाकर नहीं चलना चाहिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-5-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। आत्मचिंतन कर। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। यात्रा का योग बनेगा। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-5-7-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। स्वविवेक से कार्य कर। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-7-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर वाले मदद करेंगे। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात्‌ दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दे शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय होगा और प्रसन्नताएं बढ़ेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

काकुरो पहेली - 3794

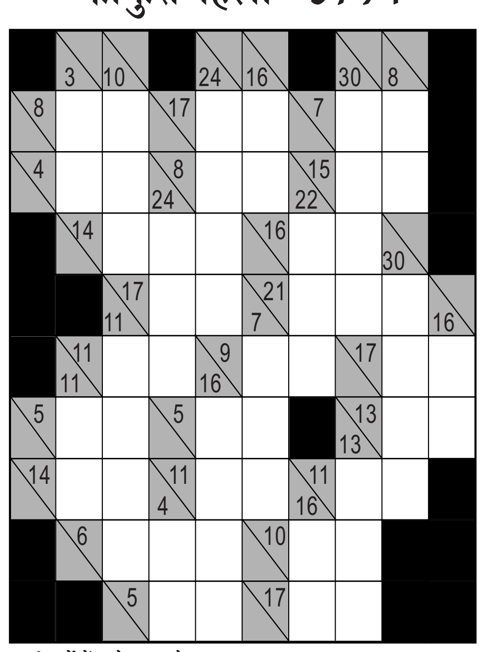

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो -3793 का हल

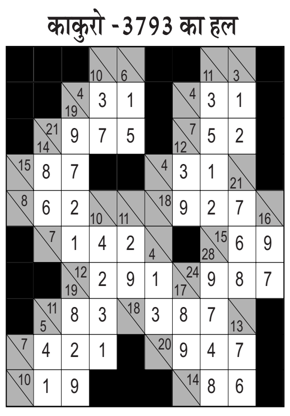

लॉफिंग जौन

प्रेमिका (प्रेमी से)– नरेश, आप जुआ मत खेला करो, जुएँ में अगर आदमी एक दिन जीतता है तो दूसरे दिन हारता भी है।

नरेश– तो ठीक है! तुम्हें घबराने की कोई जरूरत नहीं। आज से मैं एक दिन छोड़कर जुआ खेला करूँगा!

□ □ □

एक रईसजादी ने दो घोड़े खरीदे। उन दोनों घोड़ों की अलग-अलग पहचान के लिए अंतर कैसे रखा जाए, इस बाबद उसने अपने पड़ोसी से पूछा। पड़ोसी ने सुझाया कि एक घोड़े की पूँछ काट दो।

उसने पूँछ काट दी, लेकिन दूसरे दिन दूसरे घोड़े की पूँछ एक झाड़ी में फँस गई और काटनी पड़ी। अब दोनों घोड़े पूँछ कटे हो गए थे। फिर पहचान की समस्या आ खड़ी हुई। उसने फिर पड़ोसी से राय ली।

पड़ोसी ने कहा कि एक घोड़े का एक कान काट दो, लेकिन दूसरे दिन दूसरे घोड़े का कान खेत के चारों तरफ लगी तार फेंसिंग में उलझ कर कट गया।

उसने सुझाया कि उनकी ऊँचाई नाप लो। रईसजादी ने घोड़ों की ऊँचाई नापकर पड़ोसी को बताई– 'सफेद घोड़ा काले घोड़े से दो इंच ऊँचा है।'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3794

बायें से दायें:-

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरूदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3793

सूडोकु -3794

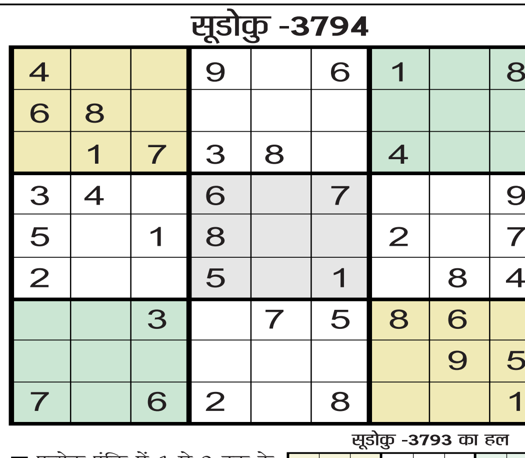

सूडोकु -3793 का हल

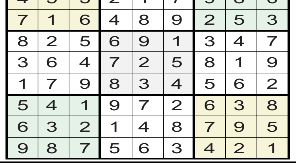

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

शब्द पहेली - 3794

बाएँ से दाएँ

1.पावर हाऊस -5
4.दिमागी,कल्पित-4
7.हृदय-2
8.खोदना-3
9.प्रचार वाक्य,स्लोगन-2
10.नुकीला-4
11.कलिका-2
13.प्यारा,लाडला-3
14.विशिष्ट,विशेष-2
15.खर्च,उपभोग-3
17.नौका-2
19.नाम करण-2,3
22.चमकीला-5
25.महोदय (अंग्रेजी-2)
26.रनिवास,जनवासा-3
28.संध्या,सांझ-2
29.दलना,महीन करना-3
30.जस,सम्मान -2
32.कारागृह-4
34.आलाप,लय,सुर-2
36.पागल स्त्री-3
37.इंकार,मना-2
38.सराबोर,सना हुआ -4
39.वेश्या,तवायफ-5

ऊपर से नीचे

1.चूहे का घर-2
2.नेता-3
3.सार-संभार-2,3
4.आदर्श,कसौटी-3
5.छाती-2
6.अचरज भरा कार्य-4
7.हृदय को ठेस लगना-5
10.अनवरत वर्षा-4
12.जूं का अंडा-2
16.ओट,घूंघट-3
17.मां के पिता-2
18.दुख,कष्ट-2
20.राष्टीय पक्षी-3
21.पत्र,लैटर-2
22.गुप्तचर,दूत-2
23.कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24.रवानगी, प्रस्थान करना-3,2
25.समयुगीन,समवर्ती-5
26.बंद,स्ट्राइक-4
27.सुरा,शराब-2
31.वचन,प्रतिज्ञा-3
33.बंदर-3
35.नथनी,नथिया-2
37.शहद-2

शब्द पहेली -3793 का हल

ट्रंप की व्यापार नीति के तहत भारत का बड़ा बाजार अमेरिकी उत्पादों के लिए खुलेगाः ग्रीर

- ट्रंप प्रशासन की पहल, टैरिफ कटौती से अमेरिकी किसानों और कंपनियों को लाभ

वाशिंगटन ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीति के तहत भारत का विशाल बाजार अब अमेरिकी उत्पादों के लिए और अधिक खुलने जा रहा है। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जैमीसन ग्रीर ने कहा है कि भारत अमेरिकी औद्योगिक और कृषि उत्पादों पर लगने वाले शुल्क (टैरिफ) को कम करने पर सहमत हुआ है, जिससे अमेरिकी कंपनियों और किसानों को सीधा फायदा मिलेगा। यह बयान शुक्रवार को उस समय आया, जब व्हाइट हाउस ने अमेरिका और भारत के बीच एक अंतरिम व्यापार समझौते (इंटरिम ट्रेड एग्रीमेंट) के ढांचे की घोषणा की। इस समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच निष्पक्ष, संतुलित और आपसी लाभ पर आधारित व्यापार को बढ़ावा देना है। ग्रीर ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की पहल से दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल भारत अब अमेरिकी कामगारों और उत्पादकों के लिए पहले से ज्यादा खुल रहा है। इस समझौते के तहत भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक उत्पादों पर टैरिफ खत्म करेगा या उनमें बड़ी कटौती करेगा। इसके अलावा, अमेरिकी खाद्य पदार्थों और कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रेणी पर भी शुल्क कम किया जाएगा। वहीं दूसरी ओर, अमेरिका अपने बढ़ते व्यापार घाटे को कम करने के लिए भारतीय सामानों पर 18 प्रतिशत की आपसी टैरिफ दर लगाएगा।

इस टैरिफ के दायरे में टेक्सटाइल और कपड़े, चमड़ा व जूते, प्लास्टिक और रबर उत्पाद, ऑर्गेनिक केमिकल, होम डेकोर, हस्तशिल्प और कुछ मशीनरी शामिल होंगी। हालांकि, अगर यह अंतरिम समझौता पूरी तरह लागू होता है तो अमेरिका कुछ भारतीय उत्पादों जैसे सस्ती दवाएं, रत्न-हीरे और विमान के पुर्जों पर से शुल्क हटा सकता है। ग्रीर ने भारत के वाणिज्य मंत्रालय और विशेष रूप से वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की भूमिका की सराहना की। दोनों देशों ने स्पष्ट किया है कि यह अंतरिम समझौता एक बड़े और व्यापक भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में पहला कदम है, जिस पर बातचीत आगे भी जारी रहेगी।

चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट, 75 फीसदी लुढ़क सकते हैं भाव

- वैश्विक संकेतों का असर, गिरावट के बाद घरेलू बाजार में दिखी तेज खरीदारी

नई दिल्ली ।

चांदी की कीमतों में शुक्रवार को एक बार फिर भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बड़ी गिरावट के बाद कॉमेक्स पर सिल्वर का भाव गिरकर 63.900 डॉलर प्रति औंस तक आ गया। इसका सीधा असर घरेलू बाजार पर भी देखने को मिला, जहां एमसीएक्स सिल्वर का रेट इंट्रा-डे में फिसलकर 2.29 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के निचले स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, निचले स्तरों पर निवेशकों की तरफ से जबरदस्त खरीदारी देखने को मिली।

इसी का नतीजा रहा कि चांदी की कीमतों में रिकवरी आई और भाव दोबारा बढ़कर 2.48 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास पहुंच गया। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा गिरावट के बावजूद आगे और दबाव बन सकता है। बाजार के जानकारों के अनुसार चांदी की कीमतों में गिरावट के पीछे दो बड़े कारण हैं। पहला, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव अब कम होता नजर आ रहा है। दोनों देश न्यूक्लियर बातचीत के लिए तैयार हो गए हैं, जिससे सुरक्षित निवेश माने जाने वाले गोल्ड और सिल्वर की मांग घटी है। दूसरा कारण डॉलर का अन्य प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले मजबूत होना है। इसके अलावा, ऊंचे स्तरों पर निवेशकों द्वारा की गई प्रॉफिट बुकिंग ने भी कीमतों पर दबाव डाला। एक बाजार विशेषज्ञ का कहना है कि चांदी की कीमतें अपने उच्चतम स्तर से 75 से 80 प्रतिशत तक गिर सकती हैं। उनका अनुमान है कि आने वाले दो सालों में सिल्वर का भाव घटकर 25 से 30 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर आ सकता है। विशेषज्ञों की मानें तो चांदी में फिलहाल उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। ऐसे में निवेशकों को सतर्क रहने और किसी भी फैसले से पहले बाजार के संकेतों पर करीबी नजर रखने की सलाह दी जा रही है।

भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते का फ्रेमवर्क तयः निर्मला सीतारमण

जेनेरिक दवाओं, रत्न-हीरों और एयरक्राफ्ट पार्ट्स को मिलेगा फायदा, 'मेक इन इंडिया' को नई रफ्तार

नई दिल्ली । भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्तों को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। दोनों देशों ने एक अंतरिम ट्रेड एग्रीमेंट के लिए फ्रेमवर्क को अंतिम रूप दे दिया है। इस समझौते के तहत भारतीय उत्पादों पर अमेरिका द्वारा लगाए जाने वाले टैरिफ में औसतन 18 प्रतिशत तक कमी आने की संभावना है, हालांकि यह पूरी तरह अंतरिम समझौते के सफल क्रियान्वयन पर निर्भर करेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि भारत और अमेरिका ने आपसी और लाभकारी व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए एक संयुक्त बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि दोनों देश भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत के लिए प्रतिबद्ध हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस फ्रेमवर्क को भारत-अमेरिका ट्रेड पार्टनरशिप के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इससे भारतीय निर्यातकों को अधिक बाजार पहुंच मिलेगी और 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने वाले नए रास्ते खुलेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे दोनों देशों के बीच बढ़ते विश्वास और साझेदारी का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह समझौता किसानों, मछुआरों और उद्यमियों के लिए नए अवसर पैदा करेगा और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन में मदद करेगा। साथ ही निवेश और टेक्नोलॉजी साझेदारी को भी मजबूती मिलेगी। वो णिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह फ्रेमवर्क भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक सहयोग को और गहरा करेगा तथा सस्टेनेबल ग्रोथ के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस फ्रेमवर्क के तहत जेनेरिक दवाएं, रत्न और हीरे, एयरक्राफ्ट व एयरक्राफ्ट पार्ट्स जैसे क्षेत्रों में टैरिफ हटने या घटने का रास्ता खुलेगा। इसके अलावा, भारत को ऑटोमोटिव पार्ट्स के लिए तरजीही टैरिफ कोटा मिलने की भी संभावना है, जिससे भारतीय उद्योग को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलेगी।

भारत ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से रूस से तेल आयात बंद करने की प्रतिबद्धता जताई अमेरिका

न्यूयॉर्क ।

अमेरिका ने घोषणा की है कि भारत ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से रूस से तेल आयात बंद करने की प्रतिबद्धता जताई है। इसके परिणामस्वरूप 7 फरवरी 2026 से भारतीय वस्तुओं पर लगाया गया अतिरिक्त 25 प्रतिशत मूल्य-आधारित शुल्क हटा दिया जाएगा। अगस्त 2025 में भारत के रूस से तेल खरीदने पर यह अतिरिक्त शुल्क लगाया गया था, जो पहले से मौजूद 25 प्रतिशत शुल्क के साथ मिलकर कुल 50 प्रतिशत हो गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश के अनुसार भारत ने अगले 10 वर्षों के लिए अमेरिका के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। इसके अलावा, भारत अमेरिका से ऊर्जा उत्पाद खरीदने और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने के लिए भी तैयार है। राष्ट्रपति कार्यालय ने इसे दोनों देशों के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति और आर्थिक तालमेल के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। अमेरिका ने चेतावनी दी है कि यदि भारत भविष्य में रूस से तेल आयात फिर से शुरू करता है, तो अमेरिकी राष्ट्रपति की टीम अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क या अन्य उपायों की सिफारिश कर सकती है। वाणिज्य और विदेश मंत्री इस बात की निगरानी करेंगे कि भारत की प्रतिबद्धता का पालन हो रहा है या नहीं। ट्रंप ने कहा कि रूस की नीतियां अमेरिका के लिए असामान्य और असाधारण खतरा हैं। आदेश में विदेश मंत्री मार्को रुबियो और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को आईईईपीए कानून के तहत राष्ट्रपति को मिलने वाले अधिकारों का प्रयोग करने और आदेश के क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए हैं।

आरबीआई की छोटी एनबीएफसी को पंजीकरण और शाखा अनुमति में छूट देने की योजना

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने घोषणा की है कि जिन बीएफसी की संपत्ति 1,000 करोड़ रुपये से कम, जो जनता से पूंजी नहीं जुटाती और जिनका ग्राहकों से सीधा संपर्क नहीं है, उन्हें अब आरबीआई में पंजीकरण कराने से छूट दी जा सकती है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि इन कंपनियों पर लागू नियमों की समीक्षा की गई है, और उनकी विशेष संरचना को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय प्रस्तावित किया गया है। इसका उद्देश्य इन छोटी एनबीएफसी के लिए अनुपालन बोझ कम करना है। केंद्रीय बैंक ने यह भी प्रस्ताव रखा है कि इन एनबीएफसी को 1,000 से अधिक शाखाएं खोलने से पहले अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं होगी। इसका मतलब है कि ये कंपनियां अपनी विस्तार योजनाओं को आरबीआई की पूर्व मंजूरी के बिना लागू कर सकती हैं, जब तक कोई विशेष प्रतिबंध न हो। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि यह कदम वित्तीय प्रणाली की स्थिरता और जोखिम प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ऋण का प्रवाह और नकदी उपलब्धता अर्थव्यवस्था में बनाए रखी जाए। इस मसौदे पर हितधारकों की राय 27 फरवरी, 2026 तक आमंत्रित की गई है। इसके माध्यम से आरबीआई नियमों को अंतिम रूप

देने से पहले सभी सुझावों को ध्यान में रखेगा। छोटी एनबीएफसी के लिए यह निर्णय सुविधाजनक संचालन और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देगा, साथ ही उन्हें कम अनुपालन बोझ के साथ कार्य करने की स्वतंत्रता भी देगा।

सोने में 2 लाख निवेश से 2050 तक बन सकती है करोड़ों की संपत्ति!

मुंबई । सोने की कीमत में गिरावट ने निवेशकों के लिए नए मौके खोले हैं। वर्तमान में 24 कैरेट सोने की कीमत लगभग 1,56,630 रुपए प्रति 10 ग्राम है। इस आधार पर 2 लाख रुपए में निवेश करने पर आपको लगभग 12.77 ग्राम सोना मिलेगा। दिखने में यह मात्रा छोटी लग सकती है, लेकिन दीर्घकालिक निवेश में इसकी असली ताकत समय के साथ बढ़ने वाले रिटर्न में है। वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार सोना ऐतिहासिक रूप से 8-11 फीसदी सालाना रिटर्न देता रहा है। यदि आप 24 साल के लिए निवेश करते हैं, तो 2 लाख रुपए की रकम भविष्य में इस तरह बढ़ सकती है- अनुमानित सालाना रिटर्न 7 फीसदी (धीमी बढ़त), 2050 में संभावित कीमत 10.14 लाख रुपए, अनुमानित सालाना रिटर्न 9 फीसदी (औसत बढ़त) 2050 में संभावित कीमत 15.82 लाख रुपए और अनुमानित सालाना रिटर्न11 फीसदी (शानदार बढ़त) 2050 में संभावित कीमत 24.44 लाख रुपए। सोना महंगाई से सुरक्षा प्रदान करता है और शेयरों या क्रिप्टो की तुलना में स्थिर निवेश माना जाता है। नियमित निवेश और लंबे समय तक पकड़ इसे और भी लाभकारी बना सकते हैं।

अमेरिकी बाजार मजबूत बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी बाजार शुक्रवार को मजबूती के साथ बंद हुए। डाओ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 1,206.95 अंक बढ़कर 50,115.67 पर बंद हुआ। इस साल अब तक यह 4.3 फीसदी ऊपर है। प्रमुख योगदानकर्ता कैटरपिलर का शेयर 7.1 फीसदी उछलकर 726.20 डॉलर पर पहुंचा। गोल्डमैन सैक्स और एनवीडिया ने भी इंडेक्स को मजबूती दी। एसएंडपी 500 में 2026 में 1.3 फीसदी की बढ़त रही, जबकि नैस्डैक 0.9 फीसदी गिरा। टेक सेक्टर में एआई को लेकर चिंताओं के कारण दबाव रहा। निवेशक उम्मीद कर रहे हैं कि फेडरल रिज़र्व महंगाई को काबू में रखते हुए अर्थव्यवस्था को नुकसान नहीं पहुंचाएगा और 2026 में ब्याज दरें घटाना जारी रखेगा।

सेंसेक्स दिसंबर 2026 तक 1,07,000 तक जा सकता हैः रिपोर्ट

मुंबई । एक ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म ने भारतीय शेयर बाजार को लेकर सकारात्मक भविष्यवाणी की है। रिपोर्ट के मुताबिक अगर बाजार में तेजी का माहौल बना रहता है तो दिसंबर 2026 तक सेंसेक्स 1,07,000 के स्तर तक पहुंच सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई की ग्रोथ-फ्रेंडली नीतियां, ब्याज दरों में कटौती, बैंकिंग सिस्टम में बढ़ती लिक्विडिटी और सरकार का कैपेक्स पर जोर बाजार को मजबूत करेगा। बजट में ग्रोथ को बढ़ावा देने वाले कदम और टैक्स सुधार भी निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत हैं। आने वाले महीनों में कंपनियों की अर्निंग्स ग्रोथ में सुधार की संभावना है, जिससे विदेशी निवेशकों की वापसी हो सकती है। कमजोर पिछला प्रदर्शन, आकर्षक वैल्यूएशन और कमजोर रुपया निवेशकों को आकर्षित कर सकते हैं। भारत-अमेरिका ट्रेड डील और चीन से बेहतर संबंध भी बाजार के लिए पॉजिटिव फैक्टर माने जा रहे हैं। उनका निष्कर्ष है कि मजबूत नीतियां, बेहतर अर्निंग्स और वैश्विक सहयोग से भारतीय शेयर बाजार में सुधार की संभावनाएं बढ़ रही हैं।

आरबीआई की नीति स्थिर, तरलता पर्याप्त; आर्थिक वृद्धि के लिए सहायक कदम

- डॉलर-रुपया विनिमय दर 90-91 रुपये प्रति डॉलर के दायरे में रहने का अनुमान

मुंबई । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने हाल ही में अपनी नीतिगत समीक्षा में ब्याज दरों को पहले के स्तर पर बनाए रखने और नीति को तटस्थ रखने का निर्णय लिया। गवर्नर ने स्पष्ट किया कि कर्ज का प्रवाह अर्थव्यवस्था की उत्पादक गतिविधियों के अनुसार होगा, जिससे आर्थिक विकास को सहारा मिलेगा। आरबीआई ने कहा कि बैंकिंग प्रणाली में तरलता पर्याप्त स्तर पर रहेगी। चालू वित्त वर्ष में बैंकिंग प्रणाली में लगभग 13 लाख करोड़ रुपये की नकदी डाली गई है। बैंकों का अनुमान है कि अगले वित्त वर्ष में 4-5 लाख करोड़ रुपये अतिरिक्त तरलता उपलब्ध कराई जा सकती है। यह कदम बॉन्ड और कॉल मनी मार्केट सहित सभी वित्तीय बाजारों में नीतिगत प्रभावों के प्रसार में मदद करेगा। अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ हाल में घोषित व्यापार समझौतों से देश की आर्थिक वृद्धि के अनुमान 6.9 फीसदी से बढ़कर 7.1-7.2 फीसदी तक पहुंच सकते हैं। बैंकिंग विशेषज्ञों के अनुसार यह वृद्धि निवेश और निर्यात गतिविधियों में सकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। डॉलर-रुपया विनिमय दर 90-91 रुपये प्रति डॉलर के दायरे में रहने का अनुमान है। वहीं 10 वर्ष की मियाद वाले सरकारी बांड पर यील्ड 6.65-6.80 फीसदी के बीच रहने की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में मुद्रास्फीति 3.2 फीसदी रहने का अनुमान है, जबकि पूरे वर्ष के लिए 2.1 फीसदी का अनुमान रखा गया है। अगले वित्त वर्ष में शुद्ध सरकारी उधारी हल्की बढ़कर 11.7 लाख करोड़ रुपये रहने की संभावना है।

अमेरिका-भारत व्यापार समझौते के बाद सेंसेक्स और निफ्टी में उतार-चढ़ाव

- भारतीय शेयर बाजार ने ट्रेड डील और बजट के असर के चलते उतार-चढ़ाव भरा प्रदर्शन दर्ज किया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह उतार-चढ़ाव भरा प्रदर्शन देखा, जिसमें व्यापार समझौते और बजट के प्रभाव ने निवेशकों की भावना पर बड़ा असर डाला। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को लाल निशान पर हुई, लेकिन ब्लू-चिप कंपनियों में मजबूती और मूल्य-खरीदारी ने सेंसेक्स और निफ्टी को सकारात्मक रुख अपनाने के लिए प्रेरित किया। बीएसई सेंसेक्स 302 अंक की बढ़त के साथ 81,024.94 पर पहुंचा, जबकि एनएसई निफ्टी 59.25 अंक बढ़कर 24,884.70 पर बंद हुआ। रुपया भी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 37 पैसे मजबूत होकर 91.56 पर आ गया। मंगलवार को भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की घोषणा ने बाजार में उत्साह भर दिया। सेंसेक्स ने दिन में 4,205.27 अंक की छलांग लगाते हुए 85,871.73 के उच्चतम स्तर को छुआ और अंततः 2,072.67 अंक बढ़कर 83,739.13 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 682 अंकों की तेजी के साथ 25,770.40 पर बंद हुआ। यह सप्ताह का सबसे जोरदार रुख रहा, जिससे निवेशकों की विश्वास में स्पष्ट बढ़त देखने को मिली। सप्ताह के मध्य बुधवार को बाजार मामूली तेजी के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 78.56 अंक बढ़कर 83,817.69 पर और निफ्टी 48.45 अंक बढ़कर 25,776 पर बंद हुआ। हालांकि गुरुवार को बाजार फिर लाल निशान में आ गया, सेंसेक्स 503.76 अंक गिरकर 83,313.93 और निफ्टी 133.20 अंक गिरकर 25,642.80 पर बंद हुए। यह गिरावट कुछ हद तक अमेरिकी बाजारों में कमजोरी और तकनीकी सुधार की वजह से आई।

सप्ताह के अंत में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में कमजोरी के बावजूद बाजार ने रिकवरी की। सेंसेक्स 266.47 अंक की बढ़त के साथ 83,580.40 पर और निफ्टी 50.90 अंक की तेजी के साथ 25,693.70 पर बंद हुआ। कुल मिलाकर इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने अमेरिका-भारत व्यापार समझौते और बजट के असर के चलते उतार-चढ़ाव भरा प्रदर्शन दर्ज किया।

निवेशकों की निगाहें अब अगले सप्ताह के आर्थिक संकेतकों और वैश्विक बाजार की दिशा पर टिकी हैं, जिससे बाजार की स्थिरता और रुझान तय होने की संभावना है।

भारत में कॉपर खपत अगले दो सालों में 10-12 फीसदी बढ़ने का अनुमानः इक्रा

नई दिल्ली । आईसीआरए ने अनुमान लगाया है कि भारत में अगले दो वित्तीय वर्षों में कॉपर की घरेलू खपत सालाना 10-12 फीसदी बढ़ सकती है। वित्त वर्ष 26 के पहले सात महीनों में 14-15 फीसदी की तेज वृद्धि दर्ज होने के बाद यह दर थोड़ी धीमी रहेगी, क्योंकि ऊंची कीमतों से शॉर्ट-टर्म मांग पर दबाव हो सकता है। तेज शहरीकरण, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और ग्रीन एनर्जी ट्रांज़िशन कॉपर की मांग को मजबूत कर रहे हैं। रिन्यूएबल एनर्जी, पावर ग्रिड, डेटा सेंटर और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे सेक्टर मीडियम-टर्म में प्रमुख मांग चालक बनेंगे। फिलहाल घरेलू स्तर पर रिफाइंड कॉपर की कमी है, लेकिन नई क्षमता और बेहतर सप्लाई से स्थिति धीरे-धीरे सुधरेगी। मजबूत कीमतों से अपस्ट्रीम कंपनियों को फायदा मिलेगा, जबकि डाउनस्ट्रीम स्मेल्टिंग और रिफाइनिंग कंपनियों के मार्जिन पर दबाव बना रहेगा। वित्त वर्ष 26 में कॉपर की कीमतों में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है और जनवरी 2026 तक यह लगभग 13,000 डॉलर प्रति टन तक पहुंच गई, माइन सप्लाई में रुकावट, और ग्रेड गिरावट और अमेरिकी टैरिफ अनिश्चितताओं के कारण।

गेहूं, चावल, डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को पूर्ण संरक्षण

नई दिल्ली।

भारत और अमेरिका ने शनिवार को अंतरिम व्यापार समझौते के तहत अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को पहले के 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह समझौता किसानों के हितों की रक्षा और ग्रामीण आजीविका बनाए रखने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दर्शाता है। इस समझौते में मक्का, गेहूं, चावल, सोया, पोल्ट्री, दूध, पनीर, एथेनॉल (ईंधन), तंबाकू, कुछ सब्जियां और मांस जैसे संवेदनशील कृषि और डेयरी उत्पादों को पूरी तरह संरक्षित किया गया है। इन उत्पादों का संबंध छोटे और सीमांत किसानों की आजीविका से जुड़ा होने के कारण इन्हें संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। कृषि और पशुपालन भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, जो लगभग 70 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करते हैं। विकसित देशों की तुलना में, भारत में कृषि बड़े पैमाने पर मशीनरी पर निर्भर नहीं है, इसलिए आयात और सीमा शुल्क के माध्यम से किसानों को

विदेशी प्रतिस्पर्धा से संरक्षण दिया जाता है। भारत का अमेरिका को कृषि निर्यात 2024 में 1.6 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जिसमें बादाम, पिस्ता, सेब और एथेनॉल प्रमुख हैं। भारत अगले चार वर्षों में कृषि, समुद्री उत्पाद और खाद्य एवं पेय पदार्थों का संयुक्त निर्यात 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाना चाहता है। अमेरिका कई खाद्य और कृषि उत्पादों पर शुल्क घटाएगा या समाप्त करेगा, जिससे दोनों देशों के लिए व्यापार लाभ बढ़ेगा।

आईटी शेयरों में एआई के असर से सबसे बड़ी गिरावट

नई दिल्ली। भारतीय आईटी शेयर इस सप्ताह सबसे खराब प्रदर्शन कर रहे हैं। निफ्टी आईटी सूचकांक 1.5 फीसदी गिरकर हफ्ते भर में 6.4 फीसदी की गिरावट दर्ज कर चुका है। इससे संबंधित कंपनियों का बाजार पूंजीकरण लगभग 6.4 लाख करोड़ रुपये घट गया। इन्फोसिस में सबसे ज्यादा 8.2 फीसदी और टेक महिंद्रा में 7.1 फीसदी का नुकसान हुआ। एंथ्रोपिक ने क्लाउड ओपस 4.6 मॉडल और नए एआई प्लग-इन्स पेश किए हैं, जो वित्त, कानूनी, मार्केटिंग और डेटा एनालिसिस जैसी सेवाओं को स्वचालित कर सकते हैं। इससे पारंपरिक आईटी सेवा मॉडल पर असर पड़ने की आशंका है, जिससे निवेशकों में चिंता बढ़ी।

अंडर-19 वर्ल्ड कप विजेता भारतीय टीम को बीसीसीआई का तोहफ़ा, 7.5 करोड़ रुपये का कैश पुरस्कार घोषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप 2026 जीतने वाली भारतीय टीम के लिए 7.5 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि का ऐलान किया है। यह इनाम न सिर्फ विजेता खिलाड़ियों बल्कि कोचिंग स्टाफ, तकनीकी टीम और चयन समिति को भी दिया जाएगा। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने शनिवार को इसकी आधिकारिक पुष्टि की और बताया कि पुरस्कार राशि के विभाजन पर जल्द ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। सैकिया के अनुसार जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित इस टूर्नामेंट में भारत ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए रिकॉर्ड छठी बार खिताब पर कब्जा जमाया। उन्होंने बताया कि 7.5 करोड़ रुपये की राशि टीम के सभी सदस्यों के बीच बांटी जाएगी, हालांकि वितरण का सटीक फॉर्मेट अभी तय होना बाकी है।

हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को 100 रन से मात देकर अपने दबदबे को और मजबूत किया। फाइनल मैच में 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने 80 गेंदों पर 175 रन की विस्फोटक शतकीय पारी खेलकर भारत की जीत की नींव रखी। उनकी इस पारी ने इंग्लैंड के गेंदबाजों को शुरुआत से ही दबाव में ला दिया। कप्तान आयुष म्हात्रे के 53 रन और विकेटकीपर अभिग्यान कुंडू के 40 रन ने टीम के स्कोर को 411/9 तक पहुंचाया। जवाब में इंग्लैंड की टीम 311 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड के कैलिब फाल्कनर के 115 रन भी उनकी टीम को बचा नहीं पाए। इस खिताबी जीत के साथ भारत ने एक अनोखा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। फिलहाल भारत के पास अंडर-19 पुरुष और अंडर-19 महिला वर्ल्ड कप दोनों के खिताब मौजूद हैं, जो देश के मजबूत ग्रासरूट ढांचे और प्रतिभा विकास प्रणाली को दर्शाता है। बीसीसीआई सचिव ने टीम की जीत की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय क्रिकेट की प्रगति मजबूत घरेलू संरचना, गुणवत्तापूर्ण कोचिंग और प्रतिभा पहचान के निरंतर प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने यह भी बताया कि सीनियर पुरुष और महिला क्रिकेटरों के केंद्रीय अनुबंधों को लेकर बोर्ड जल्द ही अपडेट जारी करेगा।

डेविस कप क्वालिफायर: सुमित नागल को शुरुआती सिंगल्स में हार, भारत नीदरलैंड से 0-1 से पीछे

बेंगलुरु (एजेंसी)। डेविस कप क्वालिफायर मुकाबले में भारत को शुरुआती झटका लगा है। देश के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल को पहले सिंगल्स मैच में नीदरलैंड के गाइ डे ओउडेन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। तीन सेट तक चले इस मुकाबले में नागल 0-6, 6-4, 3-6 से पराजित हुए, जिसके बाद भारत सीरीज में 0-1 से पीछे हो गया है।

मैच की शुरुआत नागल के लिए बेहद कठिन रही। पहले सेट में गाइ डे ओउडेन ने आक्रामक खेल दिखाते हुए नागल को कोई मौका नहीं दिया और सेट 6-0 से अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे सेट में नागल ने शानदार वापसी की, अपनी लय हासिल की और निर्णायक ब्रेक के साथ 6-4 से सेट जीतकर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया।

तीसरे और निर्णायक सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन अहम मौकों पर गाइ डे ओउडेन ने बेहतर खेल दिखाया और 6-3 से सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

इस हार के साथ ही बेंगलुरु में खेले जा रहे डेविस कप क्वालिफायर टाई में भारत पर दबाव बढ़ गया है। अब भारतीय टीम को अगले मुकाबलों में वापसी कर सीरीज में बराबरी हासिल करने की जरूरत होगी, ताकि क्वालिफिकेशन की उम्मीदें बनी रहें।

आगामी मैचों में भारतीय खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है, जिससे घरेलू दर्शकों के सामने टीम वापसी कर सके।

टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की जीत से शुरुआत, नीदरलैंड को रोमांचक मुकाबले में 3 विकेट से हराया

नई दिल्ली (ईएमएस)। पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप 2026 के अपने पहले ही मुकाबले में जीत दर्ज करते हुए अभियान की दमदार शुरुआत की। कोलंबो में खेले गए इस रोमांचक मैच में पाकिस्तान ने नीदरलैंड को 19.3 ओवर में 7 विकेट पर 148 रन बनाकर 3 विकेट से मात दी। इससे पहले नीदरलैंड की टीम 19.5 ओवर में 147 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। 147 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत ठीक रही। सलामी बल्लेबाज सईम आयूब और साहिबजादा फरहान ने पहले विकेट के लिए 27 रन जोड़े। आयूब ने 13 गेंदों पर 24 रन बनाए, जबकि फरहान ने 31 गेंद में 47 रन की अहम पारी खेली। हालांकि बीच के ओवरों में पाकिस्तान की बल्लेबाजी लड़खड़ा गई और टीम बड़े नामों के बावजूद लगातार विकेट गंवाती रही। कप्तान सलमान अली आगा 12 रन पर आउट हुए, बाबर आजम ने 18 गेंदों में 15 रन बनाए। मोहम्मद नवाज और शादाब खान जैसी अनुभवी जोड़ियों से भी बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन दोनों नाकाम रहे। एक समय पाकिस्तान का स्कोर 17 ओवर में 115/7 था और टीम हार के काफी करीब नजर आ रही थी। आखिरी 18 गेंदों पर पाकिस्तान को 33 रन चाहिए थे। 18वें ओवर में नीदरलैंड ने सिर्फ 4 रन दिए, जिससे समीकरण और मुश्किल हो गया। इसके बाद 19वें ओवर में फहीम अशरफ ने मैच का पूरा रुख बदल दिया। लोगन के ओवर में फहीम ने पहली, तीसरी और पांचवीं गेंद पर छक्के जड़े और ओवर की अंतिम गेंद पर गेंद को बाउंड्री पार भेजकर कुल 24 रन बटोर लिए। इससे पाकिस्तान को आखिरी 6 गेंदों में सिर्फ 5 रन की जरूरत रह गई।

रहाणे की बड़ी भविष्यवाणी: टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप में रचेगी 300 रन का इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के अनुभवी बल्लेबाज़ अजिंक्य रहाणे ने आगामी टी20 वर्ल्ड कप को लेकर एक साहसिक दावा किया है। उनका मानना है कि मौजूदा भारतीय टीम वह ताकत और आक्रामकता रखती है, जो इस टूर्नामेंट में पहली बार 300 रन का आंकड़ा पार कर सकती है। कप्तान सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में भारत अपने खिताब बचाव अभियान की शुरुआत यूएसए के खिलाफ करेगा, और रहाणे के अनुसार यही टीम इतिहास रचने की मजबूत दावेदार है।

एक सोशल मीडिया प्रश्नोत्तर सत्र में जब रहाणे से पूछा गया कि क्या कोई टीम टी20 वर्ल्ड कप में 300 रन बना सकती है, तो उन्होंने बिना झिझक भारत का नाम लिया। उनकी नजर में मौजूदा स्क्वाड में गहराई, क्षमता और आक्रामक मानसिकता है, जो इस उपलब्धि को संभव बना सकती है। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया की आधुनिक टी20 अप्रोच और बेखौफ बल्लेबाज़ी उन्हें इस रिकॉर्ड के बेहद करीब ले जा चुकी है।

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी शैली, जिसे 'स्काईबॉलद्य' के नाम से जाना जा रहा है, भारतीय बल्लेबाज़ी की आक्रामक पहचान बन गई है। टूर्नामेंट में भारत अब तक सैकड़ों छक्के लगा चुका है और टीम के शीर्ष सात बल्लेबाज़ों का स्ट्राइक रेट भी शानदार रहा है। रहाणे का मानना है कि अगर भारतीय बल्लेबाज़ अपनी लय में रहे, तो 300 रन का आंकड़ा भी पहुंच से बाहर नहीं है।

भारत की संभावित ओपनिंग जोड़ी अभिषेक शर्मा और ईशान किशन पर भी रहाणे ने भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि ईशान किशन की फॉर्म और तेज़ शुरुआत देने की क्षमता, साथ ही अभिषेक शर्मा का पावरप्ले में आक्रामक खेल, भारत को बड़े स्कोर तक ले जाने में अहम भूमिका निभा सकता है। संजू सैमसन बनाम ईशान किशन की चर्चा पर रहाणे ने संतुलित राय रखते हुए कहा कि भले ही ईशान लय में हों, लेकिन संजू का अनुभव भी टीम के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है। खिलाड़ियों को भरोसा देना बड़े टूर्नामेंट में निर्णायक साबित होता है।

अपनी बल्लेबाजी कौशल पर भरोसा था कि बड़े मैच में योगदान दे सकता हूं: सूर्यवंशी

नई दिल्ली(एजेंसी)। अंडर-19 विश्व कप में रिकॉर्ड छठी जीत, वैभव सूर्यवंशी की 175 रन की विस्फोटक पारी बनी भारत की सफलता की कुंजी. भारत को रिकॉर्ड छठा अंडर-19 विश्व कप खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने फाइनल में अपने स्वाभाविक अंदाज में खेलते हुए ऐसा धमाका किया, जिसने इंग्लैंड की पूरी रणनीति को ध्वस्त कर दिया। महज 14 वर्ष की उम्र में सूर्यवंशी ने 80 गेंदों पर 175 रन की अविश्वसनीय पारी खेली, जिसमें 15 छक्के और 15 चौके शामिल थे। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 411 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और इंग्लैंड को 311 रन पर रोककर 100 रन से मुकाबला जीत लिया। फाइनल में 'प्लेयर ऑफ द मैच' और पूरे टूर्नामेंट में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुने गए सूर्यवंशी ने कहा कि उन्हें अपने कौशल पर पूरा भरोसा था और टीम ने शुरुआत से ही अनावश्यक दबाव नहीं लेने की रणनीति अपनाई। मैच के बाद उन्होंने कहा कि टीम ने पूरे टूर्नामेंट में दिखाए गए प्रदर्शन को दोहराने पर जोर दिया और इसी प्रक्रिया ने उन्हें बड़े मुकाबले में जीत दिलाई। सूर्यवंशी ने बताया कि टीम पिछले 8-9 महीनों से लगातार कड़ी मेहनत कर रही थी, जिसका नतीजा अब जाकर सामने आया है। उन्होंने कहा कि एशिया कप में पाकिस्तान से हार के बाद टीम ने और ज्यादा तैयारी की, जिसका सकारात्मक असर फाइनल में भी दिखाई दिया। भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने विश्व कप जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि टीम रोहित शर्मा और हरमनप्रीत कौर द्वारा स्थापित विश्व कप जीत की विरासत को आगे बढ़ाना चाहती थी। उन्होंने अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की जमकर तारीफ की और कहा कि टीम ने फाइनल में बिना दबाव के अपना स्वाभाविक खेल दिखाया। म्हात्रे ने सूर्यवंशी की बल्लेबाजी को 'जादुई' बताते हुए कहा कि उनकी पारी को शब्दों में नहीं बांधा जा सकता।

मुख्य कोच ऋषिकेश कानिटकर ने इस जीत को 'अविश्वसनीय' करार दिया और कहा कि इंग्लैंड द्वारा दिखाए गए संघर्ष के बाद यह विजय और भी खास हो जाती है। उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ियों का इस तरह निखरकर सामने आना भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए बेहद सकारात्मक संकेत है। वहीं इंग्लैंड के कप्तान थॉमस रियू ने स्वीकार किया कि सूर्यवंशी की विस्फोटक बल्लेबाजी ने उनकी सारी योजनाओं को ध्वस्त कर दिया और इतनी करीब आकर ट्रॉफी गंवाना बेहद दर्दनाक है।

एलेक्जेंड्रोवा ने मैच पॉइंट बचाकर अबू धाबी फाइनल में जगह बनाई

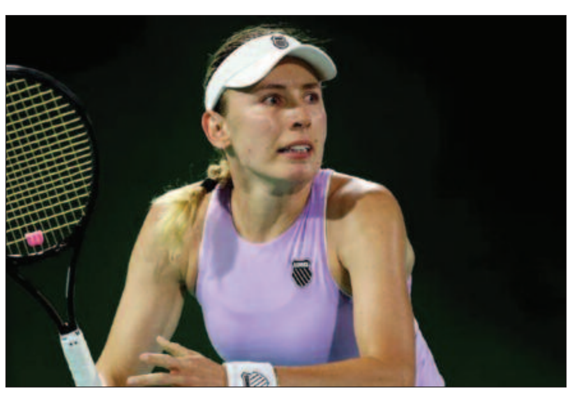

अबू धाबी (एजेंसी)। एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा ने मुबाडाला अबू धाबी ओपन फाइनल में पहुंचने के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया, शुक्रवार शाम को तीन सेट में हैली बैपटिस्ट को हराने से पहले एक मैच पॉइंट बचाया। बैपटिस्ट ने पहला सेट जीता और दूसरे सेट में 5-4 पर एलेक्जेंड्रोवा की सर्विस पर मैच पॉइंट हासिल किया। एलेक्जेंड्रोवा ने इसे बचाया, सर्विस बरकरार रखी, और सेट को टाईब्रेक तक पहुंचाया, जहां उन्होंने 5-4 से पीछे होने के बाद अंतिम तीन पॉइंट जीतकर निर्णायक सेट के लिए मजबूर किया। उन्होंने तीसरे सेट की शुरुआत में सर्विस बरकरार रखी, 2-0 से बढ़त बनाई और 4-2 से आगे रहते हुए थोड़े समय के लिए लड़खड़ाने के अलावा, ढाई घंटे में 3-6, 7-6 (5), 6-3 की जीत के साथ मैच को नियंत्रित किया। इस जीत के साथ वह अपने करियर के 13वें फाइनल में पहुंच गई हैं। एलेक्जेंड्रोवा ने कोर्ट पर इंटरव्यू में हंसते हुए कहा, 'बहुत अच्छा लग रहा है। मैंने मैच के दौरान इसके बारे में नहीं सोचा था। (लेकिन) आप जानते हैं, इस मुश्किल मैच के बाद, मुझे लगता है कि यह काफी अच्छी खबर है जो आपने मुझे अभी बताई।' अन्य सकारात्मक बातों में उनके द्वारा लगाए गए 33 विनर्स और यह तथ्य शामिल है कि उन्होंने सर्विसिंग की लड़ाई में बैपटिस्ट को पछाड़ दिया, लेकिन शनिवार के फाइनल से पहले अभी भी बहुत कुछ सुधार करने की ज़रूरत है। उन्होंने 59 अनफोर्स्ड एरर किए और नेट पर काफी संघर्ष किया, पास से 13 में से सिर्फ 4 पॉइंट जीते। उन्होंने शुक्रवार को साबित कर दिया कि वह इन आंकड़ों से उबर सकती हैं, लेकिन उन्हें सारा बेजलेक के खिलाफ और भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा, जो क्वालीफाइंग से आई हैं और सेमीफाइनल में क्लारा टौसन को दो घंटे 49 मिनट में 7-5, 3-6, 7-5 से हराकर अपने करियर के पहले डब्ल्यूटीए फाइनल में पहुंची हैं।

ओलंपियन सुशील कुमार की जमानत अर्जी अदालत ने खारिज की

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने छत्रसाल स्टेडियम में पूर्व जूनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियन सागर धनकड़ की हत्या से जुड़े मामले में आरोपी ओलंपियन सुशील कुमार की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मामले की सुनवाई कर रहे थे, जिसमें सुशील कुमार ने नियमित जमानत की मांग की थी। सुशील कुमार और अन्य आरोपियों पर आरोप है कि मई 2021 में कथित संपत्ति विवाद के चलते उन्होंने सागर धनकड़ और उनके साथियों पर जानलेवा हमला किया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया था कि धनकड़ को किसी भारी वस्तु से सिर में गंभीर चोट पहुंचाई गई, जिसके कारण उनकी मौत हुई। इस घटना में धनकड़ के दो दोस्त भी घायल हुए थे। घटना के तुरंत बाद सुशील कुमार को मई 2021 में गिरफ्तार कर लिया गया था। इससे पहले अदालत ने 19 जुलाई 2023 को उनकी घुटने की सर्जरी के लिए एक सप्ताह की अंतरिम जमानत मंजूर की थी। लेकिन नियमित जमानत को लेकर उनकी पिछली अर्जी और अब दायर ताजा अर्जी दोनों को अदालत ने निरस्त कर दिया। अक्टूबर 2022 में अदालत ने भारतीय दंड संहिता की हत्या, आपराधिक साजिश, धमकी और घातक हथियारों से दंगा करने जैसी गंभीर धाराओं में सुशील कुमार के खिलाफ आरोप तय किए थे। इसके अतिरिक्त, उनके विरुद्ध हथियार अधिनियम के तहत भी कार्रवाई तय की गई है। अदालत ने माना था कि धनकड़ को कथित रूप से अगवा कर स्टेडियम लाया गया और वहां कई आरोपियों ने बेसबॉल व हॉकी स्टिक से उन पर हमला किया।

गावस्कर का पाकिस्तान पर निशाना: कहा – पहल हमेशा भारत ने की, जवाब कभी नहीं मिला

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत-पाकिस्तान मैच के बहिष्कार को लेकर जारी विवाद के बीच भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने साफ कहा कि पाकिस्तान हमेशा भारत से दोस्ताना कदम बढ़ाने की उम्मीद करता है, लेकिन ऐसा कोई सकारात्मक रुख पाकिस्तान की ओर से कभी दिखाई नहीं दिया। गावस्कर ने 2008 के आईपीएल का उदाहरण देते हुए कहा कि लीग की शुरुआत में लगभग हर फ्रेंचाइजी में पाकिस्तानी खिलाड़ी मौजूद थे और कई पाकिस्तानी कमेंटेटर्स को भी भारत में काम करने का मौका मिला। उनके मुताबिक, भारत ने तब भी रिश्ता सुधारने की पहल की थी, जबकि पाकिस्तान की ओर से वैसी भावना कभी नजर नहीं आई, यहां तक कि तब भी जब दोनों देशों के रिश्तों में आज जैसी तल्खियां नहीं थीं। उन्होंने सिर्फ क्रिकेट ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान का मुद्दा भी उठाया और पूछा कि कितने भारतीय कलाकारों या गायकों को पाकिस्तानी फिल्मों में काम करने का मौका मिला। गावस्कर ने कहा कि भारत हमेशा पहला कदम उठाता है और किसी तरह की फ्रबुलींगफ्र नहीं कर रहा, बल्कि अपनी राह पर चलता रहा है। उनकी यह प्रतिक्रिया उस समय सामने आई है जब पाकिस्तान ने 15 फरवरी को कोलंबो के आर.प्रेमदासा स्टेडियम में होने वाले भारत के खिलाफ मैच में उतरने से इनकार कर दिया है। हालांकि पाकिस्तान सरकार ने टीम को टूर्नामेंट में खेलने की मंजूरी दे दी है, लेकिन भारत के खिलाफ मुकाबले को लेकर रुख सख्त बना हुआ है। यह फैसला पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बांग्लादेश के समर्थन में लिया है, जिसे वेन्यू बदलने की अनुमति नहीं मिली और वह टूर्नामेंट से हट गया। उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया। इस मुद्दे पर आईसीसी ने नाराजगी जताते हुए पीसीबी को चेतावनी दी है कि बहिष्कार का यह फैसला पाकिस्तान क्रिकेट के भविष्य को नुकसान पहुंचा सकता है और वैश्विक क्रिकेट के हित में बिल्कुल नहीं है। टी20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान के आमने-सामने के रिकॉर्ड की बात करें, तो भारतीय टीम पूरी तरह हावी रही है। दोनों टीमों के बीच अब तक हुए 8 मुकाबलों में भारत ने 7 बार जीत दर्ज की है।

बॉक्सम एलीट 2026: सचिन और लवलीना की अगुवाई में 12 भारतीय फाइनल में पहुंचे

ला नुसिया (एजेंसी)। शानदार प्रदर्शन से भरे एक और सेशन के बाद आठ महिलाओं और चार पुरुषों सहित 12 भारतीय बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 के आखिरी दिन गोल्ड के लिए मुकाबला करेंगे। पुरुषों की तरफ से सचिन (60किग्रा) ने मोर्चा संभाला, जिन्होंने इंग्लैंड के जैक ड्राइडन पर एक और शानदार जीत के साथ अपनी बेहतरीन लय जारी रखी। महिलाओं के सेक्शन में, ओलंपिक मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन (75किग्रा) ने वेल्स की रोजी एक्लेस पर सर्वसम्मत जीत के साथ फाइनल में जगह बनाई।

ला नुसिया, एलिकांटे, स्पेन में आयोजित बॉक्सम एलीट 2026 में 20 देशों के 200 से ज़्यादा मुक्केबाजों ने हिस्सा लिया। शनिवार के फाइनल में भारत (12) सबसे ज़्यादा प्रतिनिधित्व वाला देश है - जो दिग्गज कजाकिस्तान (11), यूक्रेन (5), और मेजबान स्पेन (4) से आगे है - और कम से कम एक गोल्ड पक्का है, क्योंकि एलीट महिला 54किग्रा का फाइनल पूरी तरह से भारतीयों के बीच होगा।

भारत की महिलाओं ने अलग-अलग कैटेगरी में सेमीफाइनल में शानदार जीत के साथ अपना मजबूत प्रदर्शन जारी रखा, जिसमें 54किग्रा कैटेगरी में गोल्ड पक्का होना सबसे खास रहा, जहां प्रीति और पूनम खिताब के लिए आमने-सामने होंगी। इसके अलावा, मंजू रानी (48), नीतू (51), प्रिया (60), अरुंधति चौधरी (70) और नैना (80) सभी ने शानदार जीत के साथ फाइनल में जगह बनाई, जो अलग-अलग वेट क्लास में भारत की गहराई और निरंतरता को दिखाता है।

पुरुषों की प्रतियोगिता में दीपक (70), आकाश (75) और अंकुश (80) के शानदार प्रदर्शन से भारत के और फाइनलिस्ट बने। दीपक ने कजाकिस्तान के वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल के सिल्वर मेडलिस्ट नुरबेक मुरसल के खिलाफ पहले राउंड में ही आरएससी से जीत हासिल करके सेशन के सबसे खास पलों में से एक दिया, जबकि आकाश और अंकुश ने कजाख विरोधियों के खिलाफ मुश्किल मुकाबलों में जीत हासिल करके शनिवार को गोल्ड मेडल के मुकाबलों में अपनी जगह पक्की की।

भारत के कैंपेन में कई बॉक्सर्स सेमीफाइनल में हारने के बाद ब्रॉन्ज मेडल जीतकर पोडियम पर पहुंचे, जिनमें महिलाओं के मुकाबले में प्रांजल यादव (65), काजल (65), सनामचा चानू (75) और मनकीरत कौर (80) शामिल हैं। पुरुषों के ड्रॉ में जदुमणि सिंह (55), मोहम्मद हुसाम उद्दीन (60), और हितेश गुलिया (70) ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

भारत के खिलाफ मैच से इनकार पर आईसीसी ने पाकिस्तान से मांगा जवाब

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से यह स्पष्ट करने को कहा है कि भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2026 के मैच से इनकार को वह 'फोर्स मेज्योर' प्रावधान के तहत कैसे सही ठहरा सकता है। पीसीबी ने हाल ही में आईसीसी को पत्र लिखकर दावा किया था कि पाकिस्तान सरकार के निर्देश के कारण टीम 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले इस अहम मुकाबले में हिस्सा नहीं ले सकती। अब आईसीसी ने इस दावे पर गंभीर सवाल उठाते हुए विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा है। आईसीसी ने अपने जवाब में पूछा है कि जब पाकिस्तान टीम सरकार के निर्देशों के तहत पूरे टूर्नामेंट में बाकी सभी मैच खेलने को तैयार है, तो सिर्फ भारत के खिलाफ मुकाबले से हटने को 'फोर्स मेज्योर' कैसे माना जा सकता है। संस्था का कहना है कि किसी एक मैच को चुनकर उससे इनकार करना टूर्नामेंट के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है और इससे खेल की निष्पक्षता पर भी असर पड़ता है। पीसीबी ने सरकार के सोशल मीडिया पोस्ट का हवाला देते हुए दावा किया था कि यह स्थिति 'फोर्स मेज्योर' के तहत आती है, क्योंकि यह उनके नियंत्रण से बाहर है। हालांकि आईसीसी का मानना है कि इस प्रावधान का इस्तेमाल तभी मान्य माना जाता है जब घटना अप्रत्याशित, अनिवार्य और अपरिहार्य हो, और प्रभावित पक्ष इस बात के प्रमाण दे कि उसने नुकसान को कम करने के लिए सभी संभव प्रयास किए। सिर्फ राजनीतिक असहमति या असुविधा इस प्रावधान के तहत नहीं आती। सूत्रों के अनुसार, पीसीबी ने आईसीसी की औपचारिक चिट्ठी प्राप्त होने के बाद बातचीत का सिलसिला शुरू कर दिया है। आईसीसी इस मुद्दे को सुलझाने के लिए पीसीबी के साथ लगातार संपर्क में है और चाहता है कि क्रिकेट के हित में कोई संतुलित समाधान निकले। पाकिस्तान सरकार पहले ही घोषणा कर चुकी है कि टीम केवल भारत के खिलाफ मैच में हिस्सा नहीं लेगी, जबकि बाकी सभी मुकाबले खेलेगी।

हार्दिक पांड्या का बड़ा लक्ष्य: 'मैं भारत के लिए ज्यादा से ज्यादा आईसीसी ट्रॉफी जीतना चाहता हूं'

मुंबई (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के पहले मुकाबले से पहले हार्दिक पांड्या पूरे आत्मविश्वास और जुनून के साथ नज़र आ रहे हैं। ऑलराउंडर हार्दिक का मानना है कि इंटरनेशनल क्रिकेट में उनका असली सफर अब शुरू हुआ है। 10 साल के अनुभव के साथ वह खुद को पहले से ज्यादा परिपक्व, खतरनाक और प्रभावशाली खिलाड़ी मानते हैं। उनका लक्ष्य साफ है–भारत के लिए ज्यादा से ज्यादा आईसीसी ट्रॉफी जीतना और बड़े मंच पर खुद को निर्णायक खिलाड़ी के रूप में स्थापित करना।

वानखेड़े में सबकी नजरें हार्दिक पर

जब टीम इंडिया USA के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में अपने खिताब बचाने के अभियान की शुरुआत करेगी, तो हार्दिक पांड्या आकर्षण का केंद्र होंगे। उनके आत्मविश्वास, आक्रामक शॉट्स, मैदान पर ऊर्जा और बड़े मौकों पर प्रदर्शन ने उन्हें भारत के सबसे भरोसेमंद मैच-विनर खिलाड़ियों में शामिल कर दिया है। फैंस को उम्मीद है कि पूरे टूर्नामेंट में हार्दिक अपने खेल से कई यादगार पल देंगे।

'मेरा सफर अभी शुरू हुआ है'

स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत में हार्दिक ने कहा कि वह भारत के लिए कम से कम चार से पांच और आईसीसी ट्रॉफी जीतना चाहते हैं। उनके अनुसार, 10 साल का अंतरराष्ट्रीय अनुभव उन्हें और ज्यादा मजबूत बनाता है। उन्होंने कहा कि एक बल्लेबाज के तौर पर उनकी क्षमता अब और निखर कर सामने आएगी और वह विरोधी टीमों के लिए 'डरावने' साबित हो सकते हैं।

जीत और प्रदर्शन पर पूरा फोकस

हार्दिक ने साफ किया कि उनके लिए खेल की कीमत किसी भी ब्रांड या चीज़ से ज्यादा है। उन्होंने कहा कि मैदान पर लिया गया हर कैच और खेली गई हर गेंद सबसे कीमती होती है। यह बयान उनके प्रोफेशनल रवैये और खेल के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अहम भूमिका

भारत की 2024 टी20 वर्ल्ड कप जीत में हार्दिक पांड्या का योगदान बेहद अहम रहा। उन्होंने छह पारियों में 144 रन बनाए, उनका औसत 48.00 और स्ट्राइक रेट 151 से ज्यादा रहा। गेंदबाजी में भी उन्होंने 11 विकेट झटके। फाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 3/20 का प्रदर्शन कर उन्होंने मैच का रुख भारत के पक्ष में मोड़ दिया।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के अनसंग हीरो

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में हार्दिक भले ही सुर्खियों में कम रहे हों, लेकिन उनका योगदान निर्णायक था। उन्होंने चार पारियों में उपयोगी रन बनाए और जरूरत के समय विकेट भी लिए। उनकी छोटी लेकिन प्रभावी पारियों ने भारत को खिताब जीतने में मदद की।

मच्छरों के काटने से क्या बच्चे इम्यून होते हैं? जानिए सच्चाई और सही इलाज

अक्सर माता-पिता के मन में सवाल होता है कि क्या छोटे बच्चे मच्छरों के काटने से सुरक्षित या इम्यून होते हैं? और अगर मच्छर काट ले तो उसे ठीक करने का सबसे सुरक्षित तरीका क्या है? डॉक्टरों के मुताबिक इसका जवाब जानना बेहद जरूरी है, क्योंकि बच्चों की त्वचा बहुत नाजुक होती है।

क्या बच्चे मच्छरों के काटने से इम्यून होते हैं?

इसका जवाब है नहीं, बच्चे मच्छरों के काटने से बिल्कुल भी इम्यून नहीं होते। दरअसल बच्चों की इम्यूनिटी पूरी तरह विकसित नहीं होती उनकी त्वचा पतली और संवेदनशील होती है, इसलिए मच्छर के काटने पर ज्यादा लालिमा, सूजन खुजली दिख सकती है। कुछ मामलों में बच्चों को एलर्जिक रिएक्शन भी हो सकता है।

मच्छर काटने से बच्चों को खतरा

मच्छर सिर्फ खुजली ही नहीं, बल्कि कई बीमारियां फैला सकते हैं जैसे डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, जीका वायरस। छोटे बच्चों में इन बीमारियों का असर ज्यादा गंभीर हो सकता है।

बच्चों में मच्छर काटने का सबसे सुरक्षित इलाज

ठंडी सिकाई : साफ कपड़े में बर्फ लपेटकर 5-10 मिनट काटे हुए हिस्से पर रखें। इससे सूजन और खुजली कम होती है

एलोवेरा जेल: 100% शुद्ध एलोवेरा जेल त्वचा को ठंडक देता है और जलन कम करता है

कैलामाइन लोशन : डॉक्टर की सलाह से खुजली और लालिमा में राहत देता है

नाखून छोटे रखें: खुजली में बच्चा खरोंच सकता है, जिससे इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है

साफ-सफाई का ध्यान रखें: काटे हुए हिस्से को साफ पानी से धोएं, गंदे हाथ न लगने दें

इन बातों का रखें ध्यान

6 महीने से छोटे बच्चों पर केमिकल रिपेलेंट न लगाएं, घरेलू नुस्खों में सरसों का तेल, कपूर या तेज चीजें न लगाएं। बिना डॉक्टर की सलाह कोई क्रीम या दवा न लगाएं। बच्चों को बचाने के लिए मच्छरदानी का इस्तेमाल करें, फुल स्लीव कपड़े पहनाएं, घर में पानी जमा न होने दें

बेबी-सेफ मच्छर रिपेलेंट ही इस्तेमाल करें। अगर काटे हुए हिस्से पर बहुत ज्यादा सूजन हो बुखार आ जाए, बच्चा लगातार रो रहा हो, दाने फैलने लगें तो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

पेरेंट्स के लिए जरूरी बात

बच्चे मच्छरों के काटने से इम्यून नहीं होते, बल्कि उन्हें ज्यादा सावधानी की जरूरत होती है। सही इलाज और बचाव से बच्चों को खुजली, इंफेक्शन और गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखा जा सकता है। बच्चों की सुरक्षा में छोटी सावधानी, बड़ी बीमारी से बचा सकती है।

सोशल मीडिया के नए ट्रेंड से छोटे बच्चों में बढ़ा मेकअप क्रेज ,डॉक्टरों ने दी चेतावनी

सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के कारण अब छोटे बच्चे और टोडलर्स भी स्किनकेयर और मेकअप की ओर आकर्षित हो रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह सिर्फ बच्चों की त्वचा को प्रभावित नहीं करता, बल्कि उनकी मानसिकता और सोच पर भी असर डाल रहा है।

बच्चों में स्किनकेयर और मेकअप का चलन क्यों बढ़ा?

आजकल बच्चे सोशल मीडिया वीडियो और ट्रेंड्स को देखकर मेकअप और स्किनकेयर प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करने की जिद करते हैं। उन्हें यह सब अपने पेरेंट्स या बड़े बच्चों के व्यवहार से प्रेरित होकर करना पसंद आता है। वैश्विक स्तर पर बच्चों के लिए ब्यूटी और स्किनकेयर मार्केट तेजी से बढ़ रहा है। सालाना 1.5 बिलियन डॉलर का कारोबार सिर्फ बच्चों के कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स से हो रहा है। भारत में भी कई कंपनियां बच्चों के लिए खास प्रोडक्ट्स लॉन्च कर रही हैं और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 60 से ज्यादा ऐसे प्रोडक्ट्स उपलब्ध हैं।

मनोवैज्ञानिकों की चेतावनी

मनोवैज्ञानिक बताते हैं कि सोशल मीडिया की वजह से अब बचपन और जवानी की सीमा धीरे-धीरे मिटती जा रही है। बच्चे अपनी अहमियत दूसरों की तारीफों से आंकने लगते हैं। लंबे समय तक यह आदत मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर डाल सकती है।

पेरेंट्स के लिए सलाह

डॉक्टरों और मनोवैज्ञानिकों ने माता-पिता को सलाह दी है कि बच्चों को बिना समझाए सख्ती से रोकने की बजाय प्यार से समझाएं। बच्चों को केवल फेसवॉश और मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करने दें और मेकअप के बजाय स्वच्छता और बुनियादी स्किनकेयर पर ध्यान देना सिखाएं। बच्चों के लिए बढ़ती ग्लास स्किन और मेकअप की चाह को देखते हुए यह जरूरी है कि पेरेंट्स बच्चों की स्किन और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें और उन्हें सही दिशा में गाइड करें।

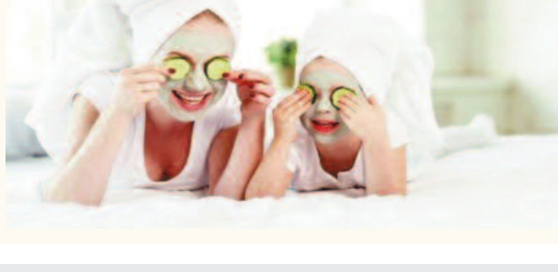

विंटर केयर: सर्दियों में बच्चों को कितनी बार नहलाना चाहिए? जानें सही तरीका

सर्दियों का मौसम छोटे बच्चों के लिए थोड़ा नाजुक होता है। ठंडी हवा और सूखा मौसम बच्चों की त्वचा और सेहत पर जल्दी असर डालता है। इस मौसम में बच्चों की इम्यूनिटी कमजोर हो सकती है और उनकी त्वचा रूखी होने लगती है। इसलिए माता-पिता को बच्चों की देखभाल में खास ध्यान देने की जरूरत होती है, खासतौर पर नहलाने को लेकर। अक्सर साफ-सफाई के चक्कर में की गई छोटी सी गलती भी बच्चों को सर्दी, खांसी या त्वचा की परेशानी में डाल सकती है। आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान दोनों ही सर्दियों में बच्चों को नहलाने के मामले में संयम बरतने की सलाह देते हैं।

क्या सर्दियों में बच्चों को रोज नहलाना जरूरी है?

नहीं, सर्दियों में बच्चों को रोज नहलाने की जरूरत नहीं होती। रोज नहलाने से त्वचा के नेचुरल ऑयल खत्म हो जाते हैं, जिससे त्वचा और बाल ज्यादा रूखे हो सकते हैं। डॉक्टरों के अनुसार, सर्दियों में बच्चों को हफ्ते में 2 से 3 बार नहलाना पर्याप्त होता है।

आयुर्वेद क्या कहता है?

आयुर्वेद के मुताबिक, सर्दियों में वात दोष बढ़ जाता है। बार-बार नहाने से वात और बढ़ सकता है, जिससे बच्चों को सूखी त्वचा, सर्दी और खांसी की समस्या हो सकती है।

बच्चों के बालों की सही देखभाल

छोटे बच्चों की स्कैल्प बहुत संवेदनशील होती है। सामान्य तौर पर हफ्ते में 1 से 2 बार बाल धोना काफी है। अगर बाल ज्यादा ऑयली हों तो 2 से 3 बार धोए जा सकते हैं। सूखे या घुंघराले बालों को 7 से 10 दिन में एक बार धोना बेहतर होता है। बाल धोने के बाद हल्का सा तेल लगाना फायदेमंद रहता है।

बच्चों को नहलाते समय रखें ये जरूरी सावधानियां

हमेशा गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। बच्चे को सुबह धूप निकलने के बाद या दोपहर में नहलाएं। नहाते समय कमरे के दरवाजे बंद रखें ताकि ठंडी हवा न लगे। नहलाने के तुरंत बाद तौलिए से अच्छे से सुखाएं। बच्चे को गर्म कपड़े और मोजे पहनाएं ताकि शरीर की गर्मी बनी रहे। सर्दियों में बच्चों को जरूरत से ज्यादा नहलाना नुकसानदायक हो सकता है। सही संख्या, सही समय और सही तरीके से नहलाकर ही बच्चों को ठंड से सुरक्षित रखा जा सकता है।

बच्चे के जन्म के बाद यह एक गलती बिल्कुल नहीं करनी चाहिए

गाइनेकोलॉजिस्ट का कहना है कि बच्चे के जन्म के तुरंत बाद नई मां को एक बड़ी गलती से बचना चाहिए। अगर यह गलती हो जाए, तो आगे चलकर शरीर में कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं सामने आ सकती हैं। इसलिए डिलीवरी के बाद खुद का सही ख्याल रखना बेहद जरूरी है। डिलीवरी के बाद महिला का शरीर काफी कमजोर हो जाता है। इस दौरान सही पोषण, आराम और हल्की-फुल्की गतिविधियां करना बहुत जरूरी होता है ताकि शरीर जल्दी ठीक हो सके। लेकिन कई नई मां अनजाने में एक गलती कर देती हैं, जो उनकी सेहत पर लंबे समय तक असर डाल सकती है।

डिलीवरी के बाद पूरी तरह बेडरेस्ट करना गलत है

डॉ. ने एक इंस्टाग्राम वीडियो में बताया कि पोस्टपार्टम के दौरान कई तरह के मिथक फैले हुए हैं। सी-सेक्शन या नॉर्मल डिलीवरी के बाद महिलाएं अक्सर सोचती हैं कि उन्हें पूरी तरह बिस्तर पर रहना चाहिए। लेकिन यह बिल्कुल सही नहीं है। बेहतर रिकवरी के लिए हल्की वॉक जरूरी डॉ. हैं कि बच्चे के जन्म के तुरंत बाद ज्यादा समय तक एक ही पोजिशन में लेटे रहने से मांसपेशियां अकड़ जाती हैं। इससे लंबे समय तक पीठ दर्द, हाथ-पैरों में दर्द और कमजोरी की समस्या बनी रहती है।

पैरों में खून का थक्का जमने का खतरा

एक्सपर्ट के अनुसार, प्रेग्नेंसी के दौरान खून में बदलाव होते हैं, जो डिलीवरी के बाद भी बने रहते हैं। अगर नई मां लंबे समय तक बिस्तर पर लेटी रहती हैं, तो उनके पैरों में खून का थक्का (ब्लड क्लॉट) बनने का खतरा बढ़ जाता है। यह एक गंभीर समस्या हो सकती है और समय पर ध्यान न दिया जाए तो स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकती है।

डिलीवरी के बाद हल्की वॉक शुरू करें। लंबे समय तक एक ही पोजिशन में न रहें। मांसपेशियों की अकड़न को रोकने के लिए स्ट्रेचिंग और हल्की एक्सरसाइज करें। अपने डॉक्टर से हमेशा सलाह लेकर ही गतिविधियां बढ़ाएं। इस तरह छोटी सी सावधानी से नई मां दर्द, कमजोरी और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बच सकती हैं और जल्दी ठीक हो सकती हैं।

बच्चे को स्कूल भेजने से पहले कभी नहीं करने चाहिए ये काम

बिगड़ जाएगा दिन, पढ़ाई में भी नहीं लगेगा मन

अक्सर ही जाने-अनजाने में पैरेंट्स सुबह के समय ऐसे काम कर देते हैं जिनसे बच्चे का पूरा दिन स्कूल में खराब हो सकता है. ऐसे में आप भी जान लीजिए कौनसी हैं ये गलतियां जिनसे परहेज किया जाना जरूरी है.

सुबह का समय घर में बेहद उथल-पुथल वाला होता है. किसी को खाना बनाने की टेंशन रहती है तो किसी को ऑफिस जाने की. वहीं, बच्चे स्कूल जाने की तैयारी में लगे रहते हैं. कहते हैं सुबह व्यक्ति अच्छे मूड से बाहर निकलता है तो उसका दिन भी अच्छा जाता है और अगर सुबह ही मूड ठीक ना रहे तो दिनभर चिड़चिड़ाहट होती है और किसी काम में मन नहीं लगता. यह बात बच्चों पर भी लागू होती है. अगर सुबह के समय घर का माहौल ठीक ना रहे या पैरेंट्स कुछ ऐसा कह दें जिससे बच्चे का मूड खराब हो जाए तो स्कूल का पूरा दिन भी अच्छा नहीं बीतता है. ऐसे में यहां ऐसी ही 5 गलतियों का जिक्र किया जा रहा है जिन्हें पैरेंट्स को सुबह बच्चे को स्कूल भेजने से पहले करने से बचना चाहिए.

बच्चों पर चिल्लाना

सुबह के समय बच्चे को चिल्लाकर उठाने या फिर बच्चे पर चिल्लाने से परहेज करना चाहिए. इससे बच्चे का पूरा दिन खराब हो सकता है. बच्चे को आराम से जगाना चाहिए और उसे अच्छे मूड के साथ ही स्कूल भेजने की कोशिश करनी चाहिए. इससे बच्चे के दिन की शुरुआत पॉजीटिव होती है.

बच्चे को रुलाकर स्कूल भेजना

अक्सर ही जब सुबह बच्चे को डांटा जाता है या उससे कठोर आवाज में बात की जाती है तो इससे बच्चा रोने लगता है.

पैरेंट्स को लगता है कि यह बच्चे का स्कूल ना जाने के लिए एक और नाटक है और इसीलिए वे उसे रोता हुआ ही स्कूल भेज देते हैं. लेकिन, ऐसा नहीं करना चाहिए. इससे बच्चे का दिन बिगड़ जाता है.

कठोर बातें कहकर स्कूल भेजना

बच्चे को कठोर बातें कहकर स्कूल नहीं भेजना चाहिए. माना पैरेंट्स चाहते हैं कि बच्चा स्कूल में जाकर पढ़ने पर ध्यान दे और आनाकानी ना करे, लेकिन इसके लिए उसे कठोर बातें कहना या ऐसी बातें कहना जो उसके मन को ठेस पहुंचाती हैं, सही नहीं हैं. कोशिश करनी चाहिए कि बच्चे को अच्छी बातें कहकर या प्यार से बातें समझाकर ही स्कूल भेजा जाए.

आपके लिए और..

ऐसा कौन सा शहर है जिसे हम खा सकते हैं? जबाव बताओ

द?ल?ली वालों की 100 रुपये में मौजां ही मौजां, जेब में हैं बस 100 रुपये तो भी द?ल?ली की सैर कर सकते हैं आप, जानें कैसे

50 की उम्र में भी दिखेंगी 25 की, बस रोज रात को सोने से पहले करें इस अंग की मालिश

घर में हबड़-तबड़ मचाना

कई बार पैरेंट्स लेट उठते हैं और फिर बच्चे को लेट उठाते हैं जिससे घर में हबड़-तबड़ का माहौल हो जाता है. इससे बच्चे को समझ ही नहीं आता कि हो क्या रहा है और कई बार यह हड़बड़ाहट किसी बर्तन के टूटने की वजह बन जाती है या इससे बच्चे को घबराहट होने लगती है. इसीलिए ऐसा नहीं करना चाहिए.

जल्दबाजी में नाश्ता करवाना

अगर नाश्ता सही तरह से, समय लेकर और अच्छे से चबा-चबाकर ना किया जाए तो इससे तो बड़ों का ही पेट बिगड़ने लगता है, तो बेचारे मासूम बच्चे कैसे पेट की दिक्कतों से बचेंगे. अगर बच्चों को जल्दी-जल्दी नाश्ता करवाया जाए तो इससे बच्चे के पेट में गैस बन सकती है, पेट में दर्द हो सकता है और एसिडिटी या जी मितलाने की दिक्कत से दोचार होना पड़ सकता है. इसीलिए बच्चे को समय से उठाएं और आराम से नाश्ता करने के लिए कहें.

आलिया भट्ट साझा की दिल की बात

आलिया भट्ट बॉलीवुड की सबसे कामयाब अभिनेत्रियों में से एक हैं। उनके मुताबिक 2022 में मां बनने के बाद उनके अंदर कई बदलाव आए हैं। हाल ही में उन्होंने एक बातचीत में बताया कि वह अपना सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट करना चाहती हैं। आइए जानते हैं उन्होंने क्यों कहा है?

सोशल मीडिया क्यों डिलीट करना चाहती हैं आलिया?

एस्क्वायर इंडिया से बातचीत में आलिया भट्ट ने बताया कि कई बार लगता है कि सोशल मीडिया से दूरी बना ली जाए और सिर्फ अपने काम पर ध्यान दिया जाए। एक अभिनेत्री होने के नाते अभिनय ही असली पहचान है। लगातार ऑनलाइन मौजूद रहने का दबाव कई बार थका देता है। आलिया के मुताबिक कुछ दिन ऐसे होते हैं जब मन करता है कि सारे सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट कर दिए जाएं। एक एक्ट्रेस के तौर पर जिया जाए।

मां बनने के बाद हुए बदलाव

आलिया ने आगे कहा जब अपनी निजी जिंदगी को सबके सामने लाने की बात आती है, तो थोड़ा मुश्किल लगता है। मेरी फोटो एल्बम राहा से भरी हुई है। मुझे अपनी तस्वीरें लेने के लिए सच में बहुत मेहनत करनी पड़ती है। आलिया भट्ट ने यह भी बताया कि मां बनने के बाद उनमें कई बदलाव हुए हैं।

आलिया भट्ट का परिवार

आपको बता दें कि आलिया भट्ट ने कई वर्षों तक रणबीर कपूर को डेट करने के बाद अप्रैल 2022 में शादी की। उनकी पहली बच्ची राहा का जन्म नवंबर 2022 में हुआ।

आलिया भट्ट का वर्कफ्रंट

आलिया भट्ट जल्द ही संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में नजर आने वाली हैं। इसमें उनके साथ रणबीर कपूर और विक्की कौशल अहम भूमिकाओं में होंगे। इसके अलावा वो यशराज फिल्म्स की अल्फा का भी हिस्सा हैं, जिसमें शरवरी वाघ और बॉबी देओल भी नजर आएंगे।

रकुल प्रीत ने खोली बॉलीवुड में पेड पीआर की पोल

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने इंडस्ट्री में चल रहे पेड पीआर को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने पीआर कल्चर की भी असलियत के बारे में बात की। रकुल ने उन अभिनेताओं के बारे में भी बात की जो अपने काम की वजह से नहीं बल्कि पर्दे के पीछे होने वाले प्रचार की वजह से चर्चा में रहते हैं।

हम सभी को थोड़ा पीआर करना पड़ता है

जूम टीवी के साथ बातचीत के दौरान रकुल प्रीत सिंह ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में पैसे लेकर की जाने वाली पीआर पर बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि लोग ऐसा क्यों करते हैं। रकुल ने कहा कि हम सभी को थोड़ा-बहुत पीआर करना पड़ता है। हमें अपनी उपस्थिति दर्ज करानी पड़ती है। कुछ लोग तो दूसरों की बुराई करने तक चले जाते हैं। मेरा मतलब है, जीवन में आप कितने नकारात्मक हो सकते हैं? आप खुद से कैसे संतुष्ट हो सकते हैं? मेरा सबसे बड़ा सवाल यही है। मुझे लगता है कि अच्छे कर्मों का फल अच्छा ही मिलता है। अच्छा कर्म करने से ही फल मिलता है। मैं इसी सोच की हूं। मेरा दिमाग स्वाभाविक रूप से पीआर पर नहीं चलता।

पैपराजी को लेकर की बात

अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्हें पैपराजी द्वारा तस्वीरें खींचे जाने की चिंता नहीं है। एक्ट्रेस ने कहा कि मेरी मां कभी-कभी मुझे फोन करके पूछती हैं, 'तुमने क्या पहना है? इस महीने पाँचवीं बार तुम्हारी उसी जींस में तस्वीर खींची गई है।' तो लोग जब भी बाहर जाते हैं तो अच्छा दिखने की कोशिश करते हैं। पैपराजी यहां कैसे आ जाते हैं? कभी आप सजे-धजे होते हैं और कभी नहीं। यह ठीक है। इसलिए मुझे लगता है कि खुद पर इतना दबाव मत डालो।

'रामायण' के अलावा इन फिल्मों का हिस्सा हैं रकुल

वर्कफ्रंट की बात करें तो रकुल प्रीत सिंह आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में नजर आई थीं। वहीं उनके आगामी प्रोजेक्ट्स में 'पति पत्नी और वो दो' है, जिसमें आयुष्मान खुराना और वामिका गब्बी मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा वह कमल हासन की फिल्म 'इंडियन 3' में भी हैं। वहीं रकुल नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित मल्टीस्टारर मच अवेटेड फिल्म 'रामायण' का भी हिस्सा हैं। रणबीर कपूर की प्रमुख भूमिका वाली इस फिल्म में रकुल सूर्पनखा की भूमिका में नजर आएंगी। दो पार्ट में बनने वाली इस फिल्म का पहला पार्ट दिवाली 2026 पर रिलीज होना है।

आदिवी शेष की 'डकैत' की बदली रिलीज डेट, 'धुरंधर 2' और 'टॉक्सिक' बनी वजह!

19 मार्च 2026 को बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त क्लैश देखने को मिलेगी। क्योंकि इस दिन बॉक्स ऑफिस पर दो बड़ी फिल्में 'टॉक्सिक' और 'धुरंधर: द रिवेंज' रिलीज होने वाली हैं। दोनों ही फिल्मों को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। इन्हीं फिल्मों के साथ 19 मार्च को आदिवी शेष और मृणाल ठाकुर की 'डकैत: एक प्रेम कथा' भी रिलीज होनी थी। लेकिन अब 'डकैत' के मेकर्स ने इस क्लैश से बचने के लिए अपनी फिल्म आगे बढ़ा ली है।

अब 10 अप्रैल को होगी रिलीज

'टॉक्सिक' और 'धुरंधर: द रिवेंज' जैसी बड़ी फिल्मों की टक्कर से बचने के लिए 'डकैत' के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज आगे बढ़ाने का फैसला किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 19 मार्च को रिलीज होने वाली 'डकैत' अब 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फैसले की वजह 'टॉक्सिक' और 'धुरंधर 2' जैसी फिल्मों की क्लैश से होने वाले नुकसान से बचना है। ताकि 'डकैत' लंबे समय के लिए सिनेमाघरों में बनी रहे और दर्शक जुटाती रहे।

दामिनी वाले अंदाज में लौटे सनी देओल, अक्षय खन्ना से होगा मुकाबला

1997 में रिलीज हुई फिल्म 'बॉर्डर' में एक साथ सनी देओल और अक्षय खन्ना नजर आए थे। अब 29 साल बाद दोनों एक साथ कोर्ट रूम ड्रामा मूवी 'इक्का' में साथ नजर आने वाले हैं। जिसकी खास झलक आज जारी की गई है। जिसे देखने के बाद फैंस बहुत उत्साहित हैं।

ओटीटी दिग्गज नेटफ्लिक्स ने एक इवेंट में अपने इंडिया प्लान की घोषणा की है। इस प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली फिल्मों और सीरीज से पर्दा उठ गया है। इसी के साथ यह भी पता चला है कि सनी देओल ओटीटी पर धाक जमाने आ रहे हैं। उनकी फिल्म 'इक्का' रिलीज होगी। इसमें वे वकील के रूप में नजर आएंगे।

सनी देओल से भिड़ेंगे अक्षय खन्ना

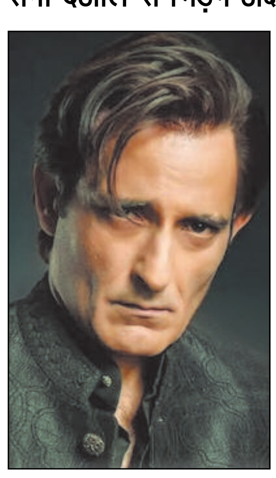

सनी देओल अभिनीत फिल्म 'इक्का' में अक्षय खन्ना भी नजर आएंगे। फिल्म 'दामिनी' में सनी देओल ने वकील की भूमिका दमदार तरीके से अदा की। उनके डायलॉग आज भी दर्शकों की जुबान पर हैं। कुछ इसी अंदाज में एक बार फिर उन्हें देखा जा सकेगा। वहीं, 'धुरंधर' में रहमान डकैत की भूमिका से दर्शकों का दिल जीतने के बाद अक्षय एक बार फिर नेगेटिव रोल में नजर आएंगे।

'धुरंधर द रिवेंज' में हुई यामी गौतम की एंट्री?

'धुरंधर: द रिवेंज' 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का टीजर जारी हो चुका है, लेकिन लोगों ने इसकी काफी आलोचना की, क्योंकि इसमें पहले भाग के क्लाइमेक्स सीन ही ज्यादा दिखाए गए हैं। वहीं ताजा जानकारी के अनुसार 'धुरंधर' के सीक्वल में यामी गौतम भी नजर आ सकती हैं?

खबर के अनुसार, यामी गौतम 'धुरंधर: द रिवेंज' में एक खास कैमियो रोल में नजर आएंगी। उनका किरदार एक्शन से भरपूर और कहानी के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा। यामी ने इस रोल के लिए लगभग 5 दिन की शूटिंग की है। हालांकि ये कैमियो है, लेकिन ये इतना खास और सरप्राइजिंग होगा कि दर्शक चौंक जाएंगे। यामी ने 'काबिल', 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक', 'ए थर्सडे', 'आर्टिकल 370', 'बाला' जैसी फिल्मों में दमदार रोल के अलावा हाल ही में 'हक' में भी सराहना बटोरी है। पहली फिल्म 'धुरंधर' 2025 में सुपरहिट रही थी। अब इस सीक्वल में ज्यादा डार्क, एक्शन और प्रतिशोध की कहानी होगी। फोकस रणवीर सिंह के किरदार जसकिरत सिंह रंगी (जो हमजा के नाम से भी जाना जाता है) की असली पहचान और उसके अगले मिशन पर होगा। पहली फिल्म में रहमान डकैत (अक्षय खन्ना) की मौत के बाद, अब हमजा बड़े साजिशकर्ताओं खासकर 'बड़े साहब' को पकड़ने की कोशिश करेगा। फिल्म में आर. माधवन (इंटेलिजेंस ब्यूरो के डायरेक्टर अजय सान्याल) की भूमिका और बड़ी होगी। वो हमजा को एडवांस ट्रेनिंग देंगे। कुल मिलाकर, ये सीक्वल पहले से ज्यादा एक्शन और रिवेंज वाली होगी।

विक्की कौशल आएंगे नजर?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विक्की कौशल अपनी 2019 की फिल्म 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' वाले किरदार मेजर विहान सिंह शेरगिल को फिर से निभा सकते हैं। निर्देशक आदित्य धर ने दोनों कहानियों के समय में फर्क होने के बावजूद 'उरी' का एक ट्रैक शामिल किया है। इसमें कुछ एक्शन सीन होंगे, लेकिन ये साफ नहीं है कि विक्की का किरदार रणवीर सिंह के किरदार से मिलेगा या नहीं। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में इस अफवाह को खारिज भी किया गया है।

कंटेंट आधारित और सामाजिक रूप से जागरूक फिल्में करना पसंद है

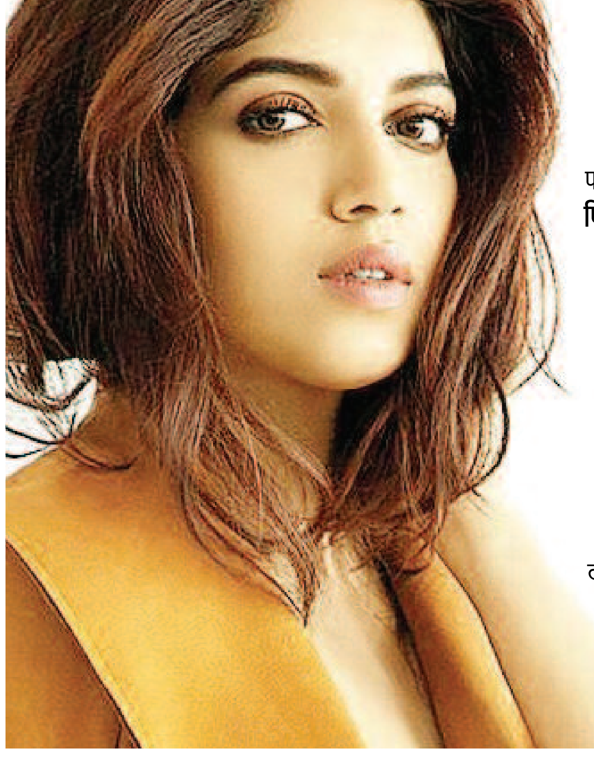

भूमि पेडनेकर की वेब सिरीज 'दलदल' सिर्फ एक क्राइम-थ्रिलर कहानी नहीं है, बल्कि इसमें बचपन हुए ट्रॉमा पर भी बात की गई है। बातचीत में भूमि ने फिल्म में दिखाए गए वॉयलेंस और उसे दिखाने के उद्देश्य पर चर्चा की। इसके अलावा एक्ट्रेस ने अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में भी काफी कुछ साझा किया।

पिछले साल बॉक्स ऑफिस पर मेल एक्शन और वॉयलेंस ट्रेंड में रहा। ऐसे माहौल में आपकी सीरीज का वॉयलेंस कहां खड़ा होता है?

सीरीज में वॉयलेंस है, लेकिन मैं इसे महिला बनाम पुरुष के नजरिए से नहीं देखती। मेरे लिए वॉयलेंस का कोई जेंडर नहीं होता। असली बात यह है कि कहानी में वॉयलेंस दिखाया क्यों जा रहा है ? यहां वॉयलेंस सिर्फ दिखावे के लिए नहीं बल्कि किरदारों की मनोवैज्ञानिक हालत और उनके भीतर के ट्रॉमा को समझाने के लिए है। जब किसी के अंदर इतनी घुटन हो तो प्रतिक्रिया भी तीखी ही होगी। ऐसे में दलदल का वॉयलेंस मुझे जरूरत के मुताबिक लगता है न कि बनावटी।

क्या पर्सनल लाइफ में कभी कोई दर्दनाक अनुभव हुआ?

जी हां। हम सबकी जिंदगी में कुछ न कुछ ऐसा जरूर होता है जो भीतर एक तरह का ट्रॉमा छोड़ जाता है। यह हमेशा बहुत बड़ा नहीं होता। कभी बचपन में कोई बुरा अनुभव हो जाए, कोई बैड टच हो, या स्कूल में किसी ने बुली कर दिया हो। उस समय हम आगे बढ़ जाते हैं, लेकिन हमारी बॉडी उस अनुभव को याद रखती है। वह याद हमारे शरीर में कहीं न कहीं दर्ज हो जाती है। औरत होने के नाते अगर कभी आपको खतरा महसूस हुआ हो, कोई आपको दूर से घूरता रहा हो, या किसी की मौजूदगी ने आपको असहज कर दिया हो, तो वह भी ट्रॉमा ही है।

कठिन अनुभवों से बाहर आने में आपकी सबसे बड़ी ताकत कौन रहा?

कठिन अनुभवों से बाहर आने में मेरे परिवार ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। मैं खुद को बहुत लकी मानती हूं कि मेरे पास ऐसा परिवार है। स्कूल के दिनों में भी मेरे साथ कुछ बातें हुईं, लेकिन मैं हमेशा अपने माता पिता के पास जा सकती थी। वे मजबूती से मेरे साथ खड़े रहे। मुझे पता था कि वे बिना जज किए मुझे समझेंगे और संभालेंगे।

आपको अक्सर सामाजिक मुद्दों वाली फिल्मों से जोड़ा जाता है। क्या यह टैग आपको सीमित करता है?

हां, मेरी फिल्मों में अक्सर सामाजिक मुद्दे दिखाई देते रहे हैं और कुछ समय तक मुझे इस बात का डर भी था कि कहीं मुझे सिर्फ सामाजिक विषयों वाली फिल्मों का टैग न मिल जाए। पहले यह सवाल मुझे थोड़ा परेशान कर देता था क्योंकि लगता था कि शायद लोग मुझे एक ही तरह की फिल्मों में देखने लगेंगे। लेकिन आज मैं इस बात पर गर्व महसूस करती हूं। पहले मैं इस टैग से भागती थी पर अब मुझे एहसास है कि यह एक तरह की जिम्मेदारी भी है और मुझे वह जिम्मेदारी निभाने में खुशी होती है मैं ऐसे ही काम करना चाहती हूं। मुझे कंटेंट आधारित और सामाजिक रूप से जागरूक फिल्में करना पसंद है ऐसी कहानियां जिनमें कोई सार्थक बात हो... जो किसी की सोच को बदल सकें या कम से कम प्रभावित कर सकें। अगर मेरा काम किसी की सोच को थोड़ा भी आगे बढ़ा सके तो मेरे लिए यही सबसे बड़ा पुरस्कार है।

किस तरह के किरदार और निभाने की इच्छा है?

मैं एक पीरियड फिल्म करना चाहूंगी। मैंने अब तक कोई पीरियड फिल्म नहीं की और मैं हमेशा से इस जोनर के प्रति बेहद आकर्षित रही हूं। हमारे इतिहास में कई महान औरतें, नेता और नायिकाएं रही हैं जिनके बारे में जानकर लगता है कि उन किरदारों को निभाना कितना प्रेरणादायक होगा। स्वतंत्र भारत या उससे पहले के दौर की किसी मजबूत महिला पर आधारित कहानी में काम करना मुझे बहुत पसंद आएगा।

इंडस्ट्री में महिलाओं के लिए कौन सा बदलाव देखना चाहेंगी?

मैं हमेशा पे गैप के बारे में बात करती हूं क्योंकि मुझे लगता है कि हमारी इंडस्ट्री में महिलाओं के लिए पे गैप अब भी बहुत ज्यादा है। खासकर पोस्ट पैंडेमिक इसका असर और भी बढ़ गया है और उसका पूरा बोझ औरतों को ही झेलना पड़ा है।मैं सच में उम्मीद करती हूं कि इसमें कुछ बराबरी आए। साथ ही मुझे लगता है कि महिलाओं के नेतृत्व वाली कहानियों को थिएटर में जितना स्पेस और अवसर मिलना चाहिए उतना अब नहीं मिल रहा। यह धीरे-धीरे कम होता जा रहा है।यह बदलाव सिर्फ इंडस्ट्री अपने आप नहीं ला सकती इसमें ऑडियंस की भी बड़ी भूमिका है। अगर ऑडियंस ऐसे कंटेंट को सपोर्ट करे तो महिलाओं के नेतृत्व वाली कहानियों को फिर से वह जगह मिल सकती है जिसकी वे हकदार हैं।

इंडिगो फ्लाइट में आई तकनीकी खराबी, पायलट ने कराई सुरक्षित लैंडिंग

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई एयरपोर्ट पर इंडिगो एयरलाइंस के एक विमान में लैंडिंग के दौरान तकनीकी खराबी आ गई। विमान के लैंडिंग गियर के लीवर में समस्या थी। यह विमान ए321 नियो था, जो फ्लाइट नंबर 6ई2157 के रूप में उड़ान भर रहा था। इसमें 210 से ज्यादा यात्री सवार थे। हालांकि, पायलट ने समझदारी से विमान को सुरक्षित रूप से एयरपोर्ट पर लैंड करा लिया। यह मामला शुक्रवार को पेश आया। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि लैंडिंग गियर का ऑटोमैटिक सिस्टम काम नहीं कर रहा था, इसलिए पायलट ने मैनुअल सिस्टम का इस्तेमाल किया। बाद में तकनीकी खराबी को ठीक कर लिया गया। दिक्कत दूर होने के बाद विमान ने दूसरी उड़ानें भी सामान्य रूप से पूरी कीं। इस मामले पर इंडिगो एयरलाइंस की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

मधेपुरा में मिड–डे–मील लेने से 70 से अधिक बच्चे बीमार, स्कूल में मचा हड़कंप

मधेपुरा (एजेंसी)। बिहार के मधेपुरा जिले में शनिवार को मिड–डे–मील खाने के बाद बड़ा हादसा सामने आया है। सदर प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय कारू टोला, साहुगढ़ में भोजन करने के बाद 70 से अधिक बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। खाना खाने के कुछ ही देर बाद बच्चों को उल्टी, पेट दर्द, चक्कर और घबराहट की शिकायत होने लगी, जिससे स्कूल परिसर में अफरा–तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बच्चों की हालत तेजी से बिगड़ती देख शिक्षकों ने तुरंत स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी। इसके बाद एंबुलेंस और निजी वाहनों की मदद से सभी बीमार बच्चों को मधेपुरा सदर अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने तत्काल इलाज शुरू किया। डॉक्टरों का कहना है कि अधिकांश बच्चों की हालत अब स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं। हालांकि, इलाज के दौरान एक बच्ची की स्थिति गंभीर बताई जा रही है, जिसे विशेष निगरानी में रखा गया है। घटना की सूचना मिलते ही बच्चों के परिजन बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंच गए, जिससे वहां भी तनावपूर्ण माहौल बन गया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, मिड–डे–मील में छिपकली गिरने की आशंका जताई जा रही है, जिसके कारण भोजन जहरीला हो सकता है। हालांकि, इस बात की आधिकारिक पुष्टि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। स्कूल प्रशासन ने एहतियातन भोजन वितरण तुरंत रोक दिया और बचे हुए खाने को सुरक्षित रख लिया गया है, ताकि उसकी जांच की जा सके।

अजित पवार की मौत पर बोले रोहित पवार– मौत को लेकर है संदेह, 10 फरवरी को प्रेजेंटेशन देंगे

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी (एसपी) नेता रोहित पवार ने शनिवार को अजित पवार की मौत को लेकर कहा कि महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में हुई मौत की परिस्थितियों को लेकर सभी के मन में अनेक सवाल और संदेह हैं। ऐसे में वो 10 फरवरी को मुंबई में एक डिटेल प्रेजेंटेशन प्रस्तुत करेंगे और बताएंगे कि हादसा कैसे और क्यों हुआ। उन्होंने यह बात बारामती में जिला परिषद चुनाव में मतदान करने के बाद पत्रकारों के समक्ष कही। दरअसल महाराष्ट्र में शनिवार को 12 जिला परिषद और 125 पंचायत समितियों के लिए वोटिंग हुई। यहां बताते चलें कि पहले ये चुनाव 5 फरवरी को होने वाले थे, लेकिन 28 जनवरी को बारामती में हुए विमान हादसे में अजित पवार की मौत के बाद चुनाव टल गए थे। यहां रोहित पवार ने कहा कि अजित पवार चाह रहे थे कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अलग–अलग गुट एक हों। इसलिए विलय की कोशिशें आगे भी जारी रहेंगी। उन्होंने कहा कि अजित दादा दिल से चाहते थे कि सभी एक परिवार की तरह साथ आएं और आज सभी साथ आए हैं। परिवार अब भी एकजुट है और आगे भी उसी तरह प्रयास जारी रहेंगे।

बच्चों को चढ़ाया गया एचआईवी संक्रमित रक्त, हाईकोर्ट के आदेश पर एफआईआर दर्ज

रांची (एजेंसी)। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में थैलेसीमिया से पीड़ित पांच मासूम बच्चों को एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ाए जाने के गंभीर मामले में झारखंड हाईकोर्ट के सख्त रुख के बाद आखिरकार प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। हाईकोर्ट के निर्देश पर चाईबासा सदर थाना में सदर अस्पताल के ब्लड बैंक के तत्कालीन लैब टेक्नीशियन मनोज कुमार समेत अन्य संबंधित कर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यह घटना अक्टूबर 2025 की बताई जा रही है। चाईबासा सदर अस्पताल में 5 से 7 वर्ष की आयु के पांच बच्चों को नियमित ब्लड ट्रांसफ्यूजन के दौरान एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ा दिया गया। बाद में जब जांच कराई गई तो सभी बच्चों के एचआईवी पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई, जिससे पूरे जिले में हड़कंप मच गया। बच्चों के परिजनों ने आरोप लगाया कि ब्लड बैंक में रक्त की जांच और स्क्रीनिंग प्रक्रिया में गंभीर लापरवाही बरती गई। मामले की सुनवाई के दौरान झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस गौतम कुमार की अदालत ने इसे अत्यंत गंभीर और मानव जीवन से जुड़ा मामला बताया। अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिया कि पीड़ित परिवार संबंधित थाना में शिकायत दर्ज कराएं और थाना प्रभारी तत्काल एफआईआर दर्ज करें। कोर्ट ने यह भी कहा कि इस तरह के मामलों में देरी अस्वीकार्य है और इससे पीड़ितों को न्याय मिलने में बाधा आती है। अदालत के आदेश के बाद पीड़ित बच्चों में से एक की मां की ओर से दिए गए आवेदन पर चाईबासा सदर थाना में मामला दर्ज किया गया। सदर थाना प्रभारी तरुण कुमार ने बताया कि आवेदन में आरोप लगाया गया है कि ब्लड बैंक में निर्धारित मानकों के अनुसार रक्त की जांच नहीं की गई, जिसके कारण संक्रमित रक्त बच्चों को चढ़ा दिया गया और वे एचआईवी से संक्रमित हो गए। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और संबंधित दस्तावेजों व कर्मचारियों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है। हाईकोर्ट ने इस बात पर भी नाराजगी जताई थी कि घटना उजागर होने के बावजूद एफआईआर दर्ज करने में करीब चार महीने की देरी हुई। अदालत ने इसे सिस्टम की गंभीर विफलता करार दिया था। मामले के सामने आने के बाद राज्य सरकार ने प्रत्येक पीड़ित परिवार को 2–2 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की थी।

विधान परिषद में टोपी उतरवाने का सीएम नीतीश का वीडियो वायरल, सियासत गरमाई

चर्चा है– यह बीजेपी की संगत का असर, तिलक लगवाने से भी कर चुके हैं इनकार

पटना (एजेंसी)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है। सीएम नीतीश ने विधान परिषद में पूर्व मंत्री, राजद नेता और वर्तमान एमएलसी को टोपी उतारने के लिए कह दिया। इसका वीडियो सामने आया तो अब राजनीति गरमा गई। कहा जा रहा है कि नीतीश अब एनडीए के साथ हैं और उनपर बीजेपी की राजनीति का असर हो गया है। यही कारण है कि नीतीश कुमार टोपी पहनने, टोपी ट्रांसफर करने से लेकर उतरवाने तक पर उतर आए हैं। क्या यह सच है?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बजट सत्र में चर्चा के दौरान बीते 5 फरवरी को बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और राजद के नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी अपना वक्तव्य विधान परिषद में दे रहे थे। इस दौरान सीएम नीतीश कुमार भी वहां मौजूद थे। विधान परिषद में टोपी पहनकर आए अब्दुल बारी सिद्दीकी से सीएम नीतीश ने कहा कि यह टोपी क्यों पहने हैं? हटाइये ना। इस पर अब्दुल बारी ने अपनी

टोपी उतार दी और कहा कि लीजिए आपका हुकुम सर आंखों पर, मैं अपनी टोपी उतार देता हूं। वैसे टोपी उतरवाना एक मुहावरा है। बस यहीं से यह छोटा सा वाकया बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया और बिहार की सियासत गर्म गई।

एक बार फिर से टोपी उतरवाने की चर्चा करते हुए सीएम नीतीश को विपक्षी दल अपने निशाने पर ले रहे हैं। उनकी राजनीति में बदलाव से जोड़कर इसे देखा जा रहा है और बीजेपी की संगत का असर कहा जा रहा है। अब जब बात खुली है और टोपी की सियासत को हवा दे दी गई है तो टीका लगाने से नीतीश कुमार के इनकार करने का वाकया भी है। ऐसा बीते साल हुआ था और वह भी सीतामढ़ी में माता जानकी से जुड़े एक कार्यक्रम में।

नीतीश कुमार ने सीतामढ़ी में 8 अगस्त 2025 को मंदिर में पूजा के दौरान 'टीका' लगाने से इनकार कर दिया था। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जब पुजारी सीएम नीतीश कुमार को तिलक लगाने आए तो उन्होंने अपना सिर पीछे कर लिया और तिलक लगवाने से इनकार कर दिया। खास बात यह कि इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। दरअसल, सीतमढ़ी में टीका लगाने से इनकार करने की घटना के कुछ ही दिनों बाद 21 अगस्त 2025 को पटना के एक मदरसा कार्यक्रम में नीतीश कुमार ने टोपी पहनने से भी इनकार किया था। चर्चा उनके उस बयान की होने लगी जो उन्होंने 2013 में दिया था। विपक्षी दलों और सोशल मीडिया पर इन दोनों घटनाओं को नीतीश कुमार के पुराने स्टैंड से जोड़कर देखा गया।

राजस्थान के टाइगर रिजर्व में रील बनाने, शूट व सेल्फी लेने पर लगा बैन

आदेश का पालन नहीं करने पर पर्यटकों के खिलाफ होगी कानूनी कार्रवाई

सवाई माधोपुर (एजेंसी)। राजस्थान के सबसे बड़े रणथंभौर टाइगर रिजर्व समेत कुल चार टाइगर रिजर्व में रील बनाने, वीडियो शूट करने और सेल्फी लेने जैसी गतिविधियों पर रोक लगा दी है। यह कदम सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के तहत उठाया है, जिससे वन्यजीवों के प्राकृतिक व्यवहार में कोई बाधा न आए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिअक सफारी के पर्यटक और गाइड मोबाइल नहीं ले जा सकेंगे। वन विभाग ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए आदेश जारी किया है। इसके तहत टाइगर रिजर्व में पोस्टर और फ्लैक्स भी लगा दिए गए हैं। साथ ही गाइड को भी निर्देश दिए हैं कि वे मोबाइल फोन के रोक संबंधी आदेश के बारे में टूरिस्ट्?स को भी अवगत करा दें। राजस्थान में फिलहाल चार टाइगर रिजर्व है। इनमें रणथंभौर टाइगर रिजर्व, सरिस्का टाइगर रिजर्व (अलवर), मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व (कोटा) और रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व (बूंदी) शामिल हैं। धौलपुर–करौली और कुंभलगढ़ को भी टाइगर रिजर्व बनाने की प्रक्रिया चल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक टाइगर रिजर्व के अधिकारियों का कहना है कि मोबाइल के कारण कई पर्यटक जानवरों के बेहद करीब जाने की कोशिश करते हैं, जिससे जानवर परेशान होते हैं। सफारी गाड़ियां एक जगह इकट्ठी हो जाती हैं। इससे जंगल का शांत माहौल प्रभावित होता है और वन्यजीवों पर दबाव बढ़ता है। यह फैसला वन्यजीवों की सुरक्षा और प्राकृतिक वातावरण को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से लिया गया है। डीएफओ ने बताया कि आदेश का पालन नहीं करने पर वन विभाग की ओर से पर्यटकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे पर्यटकों पर पेनल्टी लगाई जाएगी। यह 100 रुपए से लेकर हजारों में हो सकती है। इसके साथ ऐसे लोगों के खिलाफ वन विभाग एफआईआर भी दर्ज करा सकता है। हालांकि आदेश के तहत सफारी के दौरान सिर्फ मोबाइल फोन पर रोक रहेगी। डिजिटल कैमरे और डीएसएलआर कैमरे बिना किसी चार्ज के ले जा सकेंगे। साथ ही सैलानियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे वन्यजीवों के पास नहीं जाएं, अन्यथा कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जोधपुर आ रहीं थाईलैंड की राजकुमारी, शाही अंदाज में किया जाएगा स्वागत, प्रशासन अलर्ट

–सिरिवन्नवारी सेना में मेजर हैं, घुड़सवारी, खेल, कला व संस्कृति में है गहरी रुचि

नई दिल्ली (एजेंसी)। थाईलैंड की राजकुमारी सिरिवन्नवारी नारीरत्ना 8 फरवरी को जोधपुर के दो दिवसीय दौरे पर आ रही हैं। वे विशेष विमान से जोधपुर पहुंचेंगी। राजकुमारी के आगमन को लेकर जिला प्रशासन और संबंधित विभागों ने तैयारियां की हैं। उनके दौरे को लेकर पुलिस आयुक्त ने मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में रॉयल थाई एंबेसी के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की सुरक्षा, आवागमन, ठहराव और भ्रमण को लेकर अलग-अलग अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजकुमारी के शाही स्वागत को लेकर प्रशासन अलर्ट है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एयरपोर्ट से लेकर राजकुमारी के ठहरने और भ्रमण करने वाले स्थानों तक विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ यातायात व्यवस्था को भी सुचारु रखने के निर्देश दिए हैं। राजकुमारी का स्वागत पारंपरिक और शाही अंदाज में किया जाएगा। राजकुमारी मेहरानगढ़ किला, उम्मेद भवन पैलेस और जसवंत थड़ा सहित प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण करेंगी। पुलिस आयुक्त ने विशेष सुरक्षा, विभागीय समन्वय और आमजन को न्यूनतम असुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं।

बता दें राजकुमारी सिरिवन्नवारी केवल फैशन तक सीमित नहीं हैं। वे थाईलैंड की शाही सेना में मेजर के पद पर कार्यरत हैं। इसके अलावा वे एक कुशल घुड़सवार हैं और खेल, कला व संस्कृति के क्षेत्र में उनकी गहरी रुचि है। राजकुमारी सिरिवन्नवारी नारीरत्ना आधुनिक फैशन को पारंपरिक शिल्प से जोड़ने के लिए भी जानी जाती हैं। उनका खुद का लग्जरी फैशन ब्रांड है, जो दुनिया के कई देशों में लोकप्रिय है।

हिंदू राष्ट्र का सपना देखने वालों को नेपाल से सबक लेना चाहिए: अरशद मदनी

वह दिन दूर नहीं जब हमारा देश मोहब्बत, सद्भाव और इंसाफ के रास्ते पर आगे बढ़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने हिंदू राष्ट्र की मांग को लेकर उन्होंने कहा कि हिंदू राष्ट्र का सपना देखने वालों को पड़ोसी देश नेपाल के इतिहास से सबक लेना चाहिए। मदनी ने कहा कि नेपाल में भी एक समय हिंदू राष्ट्र की व्यवस्था लागू की गई थी, लेकिन वह ज्यादा समय तक नहीं टिक सकी और आखिरकार वहां लोकतांत्रिक संविधान के तहत नई व्यवस्था अस्तित्व में आई। उनका कहना है कि यही उदाहरण बताता है कि किसी भी देश की तरक्की, स्थिरता और शांति लोकतंत्र और संविधान से ही संभव है, न कि किसी एक धर्म को राष्ट्र पर थोपकर।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मौलाना अरशद मदनी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि नफरत के सौदागर और हिंदू राष्ट्र का सपना देखने वालों को नेपाल से सबक लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब-जब किसी देश में एक खास विचारधारा या धर्म को थोपने की कोशिश की गई, वहां अंततः वह व्यवस्था ढह गई और जनता ने लोकतांत्रिक मूल्यों को चुना। मदनी ने कहा कि नेपाल में हाल के समय में हिंदू राष्ट्र की स्थापना की गई थी, लेकिन अंततः वहां यह व्यवस्था समाप्त हो गई और एक लोकतांत्रिक संविधान के तहत नई राजनीतिक व्यवस्था बनी। उन्होंने कहा कि यह साफ संकेत है कि आज की वैश्विक परिस्थितियों में किसी भी देश की वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब वहां संविधान, लोकतंत्र और सभी नागरिकों के समान अधिकारों की रक्षा की जाए।

मौलाना मदनी ने कहा कि भारत में भी कुछ सांप्रदायिक शक्तियां और संगठन देश को हिंदू राष्ट्र बनाने का सपना देख रहे हैं, लेकिन उनकी यह साजिश कभी सफल नहीं होगी। उन्होंने दो टूक कहा कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद सेक्युलरिज्म और भारतीय संविधान की रक्षा के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने कहा कि भारत की पहचान विविधता, सहअस्तित्व और संवैधानिक मूल्यों से है और इसे किसी भी सूरत में बदला नहीं जा सकता है। मदनी ने इस्लाम और मुसलमानों को लेकर कहा कि कुछ ताकतें इस्लाम और मुसलमानों दोनों को मिटाने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि इस्लाम का चिराग कभी बुझ नहीं सकता। उन्होंने इतिहास का हवाला देते हुए कहा कि जिन्होंने भी इस्लाम को मिटाने की कोशिश की वे खुद मिट गए। इस्लाम हमेशा कायम रहा है और रहेगा।

मदनी ने मुसलमानों से निराश न होने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात से घबराने या मायूस होने की जरूरत नहीं है। इतिहास बताता है कि जो कौमें अपनी पहचान, संस्कृति और धर्म के साथ जीना चाहती हैं, उन्हें कुर्बानियां देनी पड़ती हैं। उन्होंने कहा कि मुसलमान एक जीवित कौम हैं और जीवित

कौमें हालात से हार मानने के बजाय समझदारी, दूरदर्शिता और सही रणनीति से आगे बढ़ती हैं। अपने पोस्ट के आखिर में मदनी ने भरोसा जताया कि एक दिन ऐसा जरूर आएगा जब जुल्म का अंत होगा और अत्याचार करने वालों के गले में जंजीरें होंगी। उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब हमारा देश हिंदुस्तान फिर से प्यार, मोहब्बत, सद्भाव और इंसाफ के रास्ते पर आगे बढ़ेगा।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर बोले जयराम- हाउडी मोदी पर आखिरकार भारी पड़ा नमस्ते ट्रंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी का कहना है कि दोनों देशों के बीच जारी हालिया संयुक्त बयान से यह साफ हो गया है कि सरकार की गले मिलने वाली कूटनीति का देश को कोई ठोस लाभ नहीं मिला। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने तंज कसते हुए कहा कि 'हाउडी मोदी' पर आखिरकार 'नमस्ते ट्रंप' भारी पड़ गया है।

गौरतलब है कि 'नमस्ते ट्रंप' और 'हाउडी मोदी' अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पिछले कार्यकाल के दौरान भारत-अमेरिका संबंधों के प्रतीक माने गए थे। 'नमस्ते ट्रंप' कार्यक्रम का आयोजन फरवरी 2020 में अहमदाबाद में हुआ था, जबकि 'हाउडी मोदी' सितंबर 2019 में ह्यूस्टन में आयोजित किया गया था। इन आयोजनों को दोनों देशों के मजबूत रिश्तों का सार्वजनिक प्रदर्शन माना गया।

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा, कि

अमेरिका-भारत के हालिया संयुक्त वक्तव्य में कई अहम पहलुओं पर स्पष्टता नहीं है, लेकिन जो तथ्य सामने आए हैं, वे भारत के हित में नहीं दिखते। उन्होंने दावा किया कि इस समझौते के तहत भारत अब रूस से तेल आयात बंद करने की दिशा में बढ़ेगा। साथ ही अमेरिका ने यह भी संकेत दिया है कि यदि भारत प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से रूस से तेल खरीदता है, तो उस पर 25 प्रतिशत तक का दंडात्मक शुल्क दोबारा लगाया जा सकता है।

कांग्रेस नेता ने यह भी आरोप लगाया कि भारत, अमेरिकी किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए आयात शुल्क में कटौती करेगा, जिसका सीधा नुकसान भारतीय किसानों को होगा। रमेश के अनुसार, अमेरिका से भारत का वार्षिक आयात लगभग तीन गुना तक बढ़ सकता है, जिससे भारत का लंबे समय से बना आ रहा वस्तुओं का व्यापार अधिशेष समाप्त हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका को भारत की आईटी और अन्य सेवाओं के निर्यात को लेकर अब भी अनिश्चितता बनी रहेगी। संयुक्त बयान का हवाला देते हुए रमेश ने दावा किया कि भारत के अमेरिका को वस्तुओं के निर्यात पर पहले की तुलना में अधिक शुल्क लगाए जाने की आशंका है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार ने कूटनीतिक दिखावे और बड़े आयोजनों पर तो जोर दिया, लेकिन ठोस आर्थिक और व्यापारिक लाभ सुनिश्चित करने में विफल रही। जयराम रमेश ने तंज कसते हुए कहा कि गले मिलने, हाथ मिलाने और तस्वीरें खिंचवाने से देश का हित सुरक्षित नहीं होता। उन्होंने कहा कि 'हाउडी मोदी' पर 'नमस्ते ट्रंप' भारी पड़ गया और अब हालात ऐसे हैं कि 'दोस्त-दोस्त न रहा' जैसी स्थिति बनती दिख रही है।

इस्लामाबाद की मस्जिद पर हमले के बाद कश्मीर में लगे मुनीर और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे

श्रीनगर (एजेंसी)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में एक शिया मस्जिद पर हुए भीषण आत्मघाती हमले की गूँज शुक्रवार को कश्मीर घाटी की सड़कों पर सुनाई दी। इस्लामाबाद के तरलाई इलाके में स्थित खादिजा तुल कुबरा मस्जिद में जुमे की नमाज के दौरान हुए इस धमाके में 31 लोगों की मौत और 169 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर ने सरहद के इस पार भी लोगों को झकझोर कर रख दिया है। इस पवित्र स्थल पर हुए रक्तपात के विरोध में जम्मू-कश्मीर के शिया समुदाय और आम नागरिकों ने स्वतःस्फूर्त विरोध प्रदर्शन कर पाकिस्तान सरकार के खिलाफ कड़ा आक्रोश व्यक्त किया है।

कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में हुए ये प्रदर्शन किसी राजनीतिक दल या संगठन के आह्वान पर नहीं थे, बल्कि यह लोगों के भीतर उपजे डर और असुरक्षा की भावना का परिणाम थे। हमले की खबर फैलते ही बारामूला के चैनाबल पट्टन और डाइवर परिहासपोरा में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने कुछ समय के लिए रास्तों को अवरुद्ध किया और पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। श्रीनगर के शिया बहुल इलाकों जैसे इमामबाड़ा जदीबल और हरवान में भी ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जहां लोगों ने पाकिस्तान सरकार की विफलता पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। बांदीपोरा के इंदरकोट-सुंबल इलाके में शाम को कैंडल मार्च निकालकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। सुरक्षा विशेषज्ञों और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि घाटी में पाकिस्तान के खिलाफ यह स्वर एक बड़े बदलाव का संकेत है। दशकों से पाकिस्तान खुद को कश्मीर के मुसलमानों के मसीहा और रक्षक के रूप में पेश करने का प्रोपेगेंडा चलाता रहा है, लेकिन उसके अपने ही देश में शिया समुदाय पर बार-बार होने वाले लक्षित हमलों ने इस दावे की पोल खोल दी है। जानकारों का कहना है कि ये प्रदर्शन पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व और विशेषकर आर्मी चीफ आसिम मुनीर के लिए एक बड़ा झटका हैं, क्योंकि अब कश्मीर के लोग सीमा पार की सांप्रदायिक अस्थिरता को पहचान रहे हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, पाकिस्तान में मस्जिदों और धार्मिक जुलूसों पर हो रहे आतंकी हमले अब कश्मीर में उल्टा असर डाल रहे हैं। पहले जहाँ सीमा पार की घटनाओं का इस्तेमाल कुछ वर्गों में सहानुभूति पैदा करने के लिए किया जाता था, वहीं अब वही घटनाएँ नाराजगी में बदल रही हैं। प्रदर्शनों में शामिल लोगों का सीधा सवाल था कि जो देश अपनी राजधानी में इबादत कर रहे लोगों और अल्पसंख्यकों को सुरक्षा नहीं दे पा रहा, वह दूसरों के अधिकारों की बात करने का नैतिक आधार कैसे रख सकता है। इन प्रदर्शनों को सीमा पार बैठे उन तत्वों के लिए भी एक गंभीर चेतावनी माना जा रहा है जो कश्मीर में धार्मिक भावनाओं को भड़काने का काम करते हैं।

इस बार विधानसभा चुनाव जीतकर ममता सीएम बनी तो तोड़ देंगी शीला दीक्षित का रिकॉर्ड

–बीजेपी और पीएम मोदी की लहर के बावजूद ममता ने टीएमसी को मजबूत बनाए रखा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में इस साल अप्रैल में विधानसभा चुनाव होना है। सीएम ममता बनर्जी अगर अगले कार्यकाल में भी सीएम बनती हैं तो वे दिल्ली की भूतपूर्व सीएम शीला दीक्षित का रिकार्ड तोड़ देंगी। शीला दीक्षित 15 साल 25 दिन तक सीएम रही थीं। बंगाल में फिलहाल ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस एकमात्र पार्टी है, जो बीजेपी से लोहा लेती रही हैं। ममता ने अपने दम पर साढ़े 3 दशक से ज्यादा समय तक बंगाल में शासन करने वाले वामपंथी दलों के ग्रुप- लेफ्ट फ्रंट को सत्ताच्यूत करने में पहली बार 2011 में सफलता पाई थी। तब से वे बंगाल पर एकछत्र राज कर रही हैं। देश में बीजेपी के उभार और पीएम मोदी की लहर के बावजूद ममता ने टीएमसी को अभी तक मजबूत बनाए रखा है। बंगाल के पिछले विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने इस बार की तरह ही पूरी ताकत झोंक दी थी। पीएम मोदी से लेकर बीजेपी के तमाम छोटे-बड़े नेताओं ने बंगाल के तूफानी दौरे किए थे। नतीजे आए बीजेपी की सीटें विधानसभा में 2 से बढ़ कर 77 हो गईं। टीएमसी की सीटें भी घटीं, लेकिन ममता तीसरी बार सरकार बनाने में सफल रहीं।

विश्लेषकों ने इसे उनका करिश्मा नहीं, बल्कि मुस्लिम वोटों का ममता के पक्ष में इकतरफा ध्रुवीकरण माना। बंगाल में तकरीबन 30 फीसदी मुस्लिम आबादी है। टीएमसी को 2021 में 49 फीसदी वोट मिले थे। बीजेपी टीएमसी से 10 फीसदी वोट लाकर दूसरे नंबर पर रही। बीजेपी के प्रबल विरोध के बावजूद अपनी जीत से उत्साहित ममता ने पीएम बनने के सपने भी देखने शुरू कर दिए थे।

रिपोर्ट के मुताबिक शीला दीक्षित सबसे लंबे समय तक दिल्ली की मुख्यमंत्री रहीं। वे 3 दिसंबर 1998 से 28 दिसंबर 2013 तक दिल्ली की सीएम रहीं। उनका कुल कार्यकाल 15 साल 25 दिन का रहा। उनके नाम एक और रिकार्ड है। दिल्ली में पुरुष और महिला मुख्यमंत्रियों में उनका नाम सर्वाधिक समय तक सीएम रहने वालों में सबसे ऊपर है। सीएम के रूप में उन्होंने दिल्ली को विश्वस्तरीय शहर बनाने में अहम योगदान दिया। शीला दीक्षित के बाद महिला मुख्यमंत्रियों में सर्वाधिक समय का रिकार्ड ममता बनर्जी ने बना लिया है। ममता ने करीब 14 साल से अधिक का रिकार्ड बना लिया है, जो शीला दीक्षित से कुछ ही महीने कम है। लंबे समय तक सीएम रहने वाली तीसरी सीएम रहीं जे जयललिता वे 14 साल और 124 दिन तक तमिलनाडु की सीएम रही थीं।

बता दें देश में अब तक कुल 18 महिला मुख्यमंत्री बनी हैं। पहली महिला मुख्यमंत्री के रूप में सुचेता कृपलानी का नाम आता है। वे 1963 में यूपी की सीएम बनीं। दूसरी सीएम रहीं शीला दीक्षित। वे दिल्ली 15 साल से अधिक समय तक मुख्यमंत्री रहीं। पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी 2011 से अब तक सीएम पद पर हैं। अन्य महिला मुख्यमंत्रियों में सुचेता कृपलानी, नंदिनी सतपथी (ओडिशा), शशिकला काकोडकर (गोवा), सैयदा अनवरा तैमूर (असम), वीए जानकी रामचंद्रन (तमिलनाडु), जे जयललिता (तमिलनाडु), मायावती (उत्तर प्रदेश), राजिंदर कौर भट्ठल (पंजाब), राबड़ी देवी (बिहार), सुषमा स्वराज (दिल्ली), उमा भारती (मध्य प्रदेश), वसुंधरा राजे (राजस्थान), आनंदीबेन पटेल (गुजरात), मेहबूबा मुफ्ती (जम्मू-कश्मीर), आतिशी (दिल्ली) और रेखा गुप्ता (दिल्ली)।

ममता बनर्जी की मूल पार्टी कांग्रेस रही है। बाद में उन्होंने अपनी पार्टी- टीएमसी बनाई। वामपंथी शासन से लगातार लडती रहीं। आखिरकार उन्हें 2011 में वामपंथी शासन को खत्म करने में सफलता मिली। तब से उन्होंने दो अहम काम किए हैं। आधी आबादी के रूप में ख्यात महिला शक्ति को अपने साथ जोड़े रखने के लिए उन्होंने उनके लिए गर्भावस्था से लेकर बुढ़ापे तक के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चलाईं। उनकी लक्खी भंडार योजना बमाल की महिलाओं में सबसे पापुलर है। इसके अलावा भी उन्होंने कई योजनाएं युवाओं के लिए भी

चलाई हैं। नतीजा यह कि मौजूदा विधानसभा में बीजेपी को छोड़ कांग्रेस और वामपंथी पार्टियों के साथ दूसरी विरोधी भी शून्य पर हैं।

ममता बनर्जी यह भी समझ रही हैं कि बीजेपी से मुकाबला इस बार पहले के मुकाबले थोड़ा कठिन है। इसकी वजह यह है कि पिछली बार उन्हें जो 49 फीसदी वोट मिले थे, उसमें 30 फीसदी तो अकेले मुस्लिम थे। बीजेपी को सत्ता से दूर रखने के लिए मुसलमानों ने कांग्रेस और वामपंथियों का मोह त्याग कर एकमुश्त टीएमसी को वोट किया था यानी 70 फीसदी हिन्दुओं में सिर्फ 19 फीसदी वोट ही उन्हें मिले थे1 इस बार टीएमसी से निष्कासित नेता हुमायू कबीर के अलग पार्टी बना लेने से मुस्लिम वोटों में विभाजन का खतरा पैदा हो गया है। ओवैसी ने भी हुमायू कबीर से हाथ मिला लिया है1 यह मुस्लिम मतों में विभाजन का स्पष्ट संकेत है। तीसरा खतरा बन कर उभरी हैं ईडी और सीबीआई जैसी केंद्री जांच एजेंसियां उनसे ममता लगातार पंगा लेती रही हैं, लेकिन आई-पैक रेड मामले में उनकी परेशानी बढ़ सकती है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)